हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • बुधवार • 29.04.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 272 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

सड़क हादसे में दंपती की मौत बच्चा गंभीर

धनबाद : धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में सोमवार की रात एक सड़क हादसे में दंपती की मौत हो गई, जबकि उनका बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना जीटी रोड काशीटांड़ के पास की है, जहां एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि बाइक संख्या (जेएच 10 सीआर 3134) पर सवार एक दंपती और उनका बच्चा गोविंदपुर से बरवाअड्डा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान काशीटांड़ के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से बरवाअड्डा पुलिस ने सभी घायलों को तुरंत एसएनएमएमसीएच धनबाद पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दंपती को मृत घोषित कर दिया, जबकि बच्चे की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। मृतकों की पहचान बगदाहा, राजगंज निवासी राजकुमार महतो और उनकी पत्नी सरस्वती देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राजकुमार महतो पेशे से राजमिस्त्री थे।

सड़क हादसे में चार की मौत, दो घायल

लखीमपुर खीरी : उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में फरधान थाना क्षेत्र स्थित बेहजम रोड पर तेज रफ्तार एक कार ने दो बाइकों में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों बाइकों पर सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी।

अनिल अंबानी समूह की 3,034 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह (आरएएजी) की कंपनियों के खिलाफ जारी धनशोधन जांच के अंतर्गत 3,034.90 करोड़ रुपये की नई संपत्तियां जब्त की हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि ईडी ने मेसर्स रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड बैंक धोखाधड़ी मामले में पीएमएलए, 2002 के तहत 3,034.90 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। एजेंसी के मुताबिक कुर्क की गई संपत्तियों में मुंबई का एक फ्लैट, खंडाला का फार्महाउस, सानंद की जमीन, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के 7.71 करोड़ शेयर शामिल हैं। इस तरह रिलायंस अनिल अंबानी समूह से जुड़े मामलों में अब तक 19,344 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है।

प. बंगाल में दूसरे चरण के लिए मतदान आज

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले भारत निर्वाचन आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है। पहले चरण में सामने आई हिंसा और डराने-धमकाने की घटनाओं से सबक लेते हुए आयोग ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को एक विशेष सूची सौंपी है, जिसमें गड़बड़ी फैलाने की आशंका वाले 'असामाजिक तत्वों' के नाम शामिल हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदान से पहले के अगले 72 घंटे कानून-व्यवस्था की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील हैं। सूत्रों के अनुसार, आयोग द्वारा भेजी गई सूची में 142 विधानसभा क्षेत्रों के संदिग्धों का पूरा ब्यौरा है। इस सूची में कुछ प्रभावशाली नेताओं के नाम होने की भी चर्चा है, जिनमें सामिम अहमद, जहांगीर खान, शेख शाहजहां और शिवप्रसाद हाजरा, बारिक विश्वास और साहानुर मंडल।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 'झारखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकार' की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न, कई प्रस्तावों को मिली मंजूरी

सड़क हादसे में मौत पर अब मिलेंगे 4 लाख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 'झारखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकार' की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में आपदा पीड़ितों को दी जाने वाली सहायता राशि में भारी बढ़ोतरी के साथ-साथ राहत कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

'युवा आपदा मित्र' और गोताखोरों का बनेगा डेटाबेस

राज्य में आपात स्थितियों से निपटने के लिए मानव संसाधन को मजबूत करने पर बल दिया गया। दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज में कार्यरत 'युवा आपदा मित्र' स्वयंसेवकों का डेटाबेस तैयार कर उन्हें ईआरएसएस (112) से जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने उन्हें सेवा के दौरान भत्ता देने और इसके लिए कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। पानी में डूबने की घटनाओं को रोकने के लिए वर्तमान में चिन्हित 48 गोताखोरों के प्रशिक्षण को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इस दल में पुलिस जवानों और होमगार्ड के साथ-साथ महिलाओं को भी शामिल किया जाए।

सेवा विस्तार को मंजूरी

डिजास्टर मैनेजमेंट प्रोग्राम के तहत जिलों में कार्यरत क्षमता संवर्धन पदाधिकारियों और जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारियों की सेवा अवधि को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विस्तार देने की स्वीकृति दी गई।

बैठक में आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में मिलने वाली मुआवजा राशि में 4 गुना बढ़ोतरी

बैठक का सबसे अहम फैसला सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले व्यक्तियों के परिजनों के लिए रहा। सड़क हादसे में मृत्यु होने पर अब आश्रितों को 4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। गौरतलब है कि पहले यह राशि मात्र 1 लाख रुपये थी, जिसे अब अन्य विशिष्ट स्थानीय आपदाओं के समरूप कर दिया गया है।

अनुग्रह अनुदान की प्रक्रिया हुई सरल

मुख्यमंत्री ने पीड़ितों के परिजनों को मिलने वाली सहायता राशि की प्रक्रिया को और भी आसान बनाने के निर्देश दिए हैं। अब मृतक के आश्रितों को उनके गृह जिला के उपायुक्त द्वारा घटना के सत्यापन के बाद तुरंत राहत राशि मिल सकेगी। भुगतान में पारदर्शिता और दोहराव को रोकने के लिए सत्यापन अनिवार्य होगा। साथ ही यह स्पष्ट किया गया कि बीमाकृत व्यक्ति या तो आपदा प्रबंधन की राशि प्राप्त करेंगे या सरकार द्वारा आच्छादित बीमा योजना का लाभ।

कैबिनेट की बैठक में 15 प्रस्ताव पारित

भोजपुरी, अंगिका और मगही क्षेत्रीय भाषा की सूची से बाहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के विकास और जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगी। कैबिनेट ने राजधानी रांची की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने, उच्च शिक्षा और कर्मचारियों के हित में कई बड़े निर्णय लिए हैं।

शिक्षा और युवाओं के लिए बड़े कदम

'मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा ओवरसीज स्कॉलरशिप' के तहत राज्य के कुल 50 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को हर वर्ष विदेश के चुनिंदा विश्वविद्यालयों में 1 वर्षीय मास्टर्स कोर्स के लिए पूर्ण छात्रवृत्ति दी जाएगी।

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा नियमावली-2026 को घटनोत्तर स्वीकृति दी गई। राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने के लिए गूगल एलएलसी के साथ एमओयू की स्वीकृति दी गई है। साथ ही जीईसी पलामू में इनोवेशन सेंटर और 4 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना होगी।

दैनिक वेतनभोगियों और पेंशनभोगियों को राहत

ऐसे कर्मी जिनकी नियमित सेवा 10 वर्ष से कम थी, उनकी दैनिक वेतनभोगी अवधि को जोड़कर अब पेंशन की गणना की जाएगी। इसका लाभ सुदर्शन महतो, अनिल कुमार सिंह और प्रभाकर सारंगी जैसे कई वादियों को मिलेगा। अनियमित रूप से नियुक्त दैनिक वेतनभोगी कर्मियों (रामबली दास एवं अन्य) की सेवा नियमित करने की स्वीकृति दी गई।

गढ़वा जिले के 'श्री बंशीधर नगर' अनुमंडल का नाम अब 'श्री बंशीधर नगर उंटारी' होगा। राज्य में स्कूलों की गुणवत्ता और मानक तय करने के लिए 'राज्य स्कूल मानक प्राधिकरण' के गठन की स्वीकृति दी गई। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना और ग्राम सेतु योजना के तहत नए पथों और पुलों के निर्माण को मंजूरी मिली।

अरगोड़ा-हरमू-डीबडीह व करमटोली से साइंस सिटी तक फ्लाईओवर को मंजूरी

राजधानी की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए दो बड़े फ्लाईओवर के निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है, जिसमे हरमू (कॅल्स रेस्टोरेंट के पास) से डिबडीह पुल तक 3.804 किमी लंबे एलिवेटेड रोड/फ्लाईओवर का निर्माण होगा। इसमें कटहल मोड़ और अशोक नगर की ओर भी संपर्क सड़कें होंगी। इसकी लागत 469.62 करोड़ होगी। करमटोली से साइंस सिटी तक 3.216 किमी लंबे फ्लाईओवर के लिए 351.14 करोड़ की स्वीकृति दी गई है।

यूएई ने किया ओपेक छोड़ने का एलान

दुबई : संयुक्त अरब अमीरात ने तेल निर्यातक देशों के शक्तिशाली संगठन ओपेक से अलग होने का बड़ा फैसला लिया है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब दुनिया पहले से ही ईरान युद्ध के कारण ऊर्जा संकट और आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है।

यूएई के इस कदम को वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। जानकारों के अनुसार, संगठन से बाहर होने के बाद यूएई अब अपनी मर्जी से तेल उत्पादन बढ़ा सकेगा, जिससे सऊदी अरब के दबदबे को चुनौती मिल सकती है।

प्रमुख उत्पादक होने के नाते यूएई का बाहर जाना तेल की कीमतों को नियंत्रित करने वाली इस संस्था को कमजोर कर सकता है, जिससे आने वाले दिनों में ईंधन की कीमतें और अधिक अस्थिर हो सकती हैं।

वित्त मंत्री की तबीयत बिगड़ी मुख्यमंत्री ने मिलकर जाना हाल

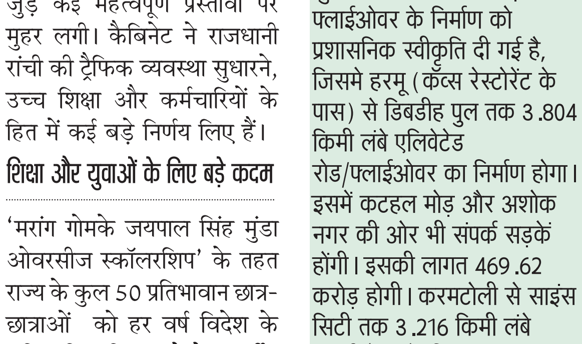

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मंगलवार सुबह रांची के सेंटेविटा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार से लौटने के बाद से ही वे अस्वस्थ महसूस कर रहे थे। पलामू दौरे के दौरान उनकी स्थिति अधिक खराब हो गई, जिसके बाद उन्हें राजधानी रेफर किया गया।

पलामू और आसपास के इलाकों में इन दिनों पारा 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। सूत्रों के अनुसार, भीषण गर्मी और लगातार चुनावी दौरों के कारण उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा। सोमवार को पलामू में अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान उन्होंने अस्वस्थता और 'लूज मोशन' की शिकायत की थी। मेदिनीनगर में डॉ. आर.के. रंजन ने उनका प्राथमिक उपचार किया, लेकिन रात में स्थिति बिगड़ने पर उन्हें तुरंत रांची लाया गया।

वित्त मंत्री के अस्पताल में भर्ती होने की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं सेंटेविटा अस्पताल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों की टीम से मंत्री के स्वास्थ्य और चल रहे इलाज की विस्तृत जानकारी ली। अस्पताल प्रबंधन को बेहतर चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

एक नजर

मुखिया ने पुरस्कार जीत का श्रेय जनता को दिया

बड़कागांव : हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत नापोखुर्द पंचायत को, बेहतर विकास कार्य करने को लेकर उतरी छोटानागपुर प्रमंडल में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जिसे लेकर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के द्वारा मुखिया गणेश साव को 10 लाख रुपया का चेक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पंचायत के मुखिया गणेश साव ने पंचायत की सम्मान का सारा श्रेय जनता को दिया है एवं जनता का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जनता ने जिस प्रकार मेरे ऊपर विश्वास कर मुझे मुखिया बनाकर अपना प्रतिनिधि चुना है, मैं अपने दायित्व का निर्वाह ईमानदारी पूर्वक जनहित में करता रहा हूं और आगे भी करता रहूंगा। पंचायत के विकास में जो भी कार्य होगा मैं उसे पूरा करने का कार्य करूंगा। और राज्य स्तर पर, नापोखुर्द पंचायत को प्रथम स्थान दिलाने का प्रयासरत रहूंगा।

डीवीसी द्वारा बनासो मध्य विद्यालय में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

विष्णुगढ़ : प्रखंड के बनासों मध्य विद्यालय में डीवीसी द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के साथ विद्यालय कर्मियों ने भी स्वास्थ्य जांच शिविर का लाभ उठाया। जिसमें लगभग 236 लोगों ने मुफ्त जांच एवं दवा का लाभ लिया। इस जांच शिविर का संचालन डॉ. बी एन मंडल और डॉ.एजाज अहमद ने की। मौके पर अमन टोप्पो, नंदलाल, टेकलाल महतो समेत काफी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

बिजली चोरी के खिलाफ विभाग की कार्रवाई, चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

बरही : बरही में बिजली चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सहायक विद्युत अभियंता विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल चौपारण के सौरव लिंडा ने बरही थाना में आवेदन देकर चार लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है उनमें अफीमकोठी निवासी राजकुमार पिता अमृत राम पर 30,240 रुपये, राम राणा पिता किशोरी राणा पर 16,130 रुपये, गया रोड स्थित रेलवे ब्रिज के समीप निवासी नरेश प्रजापति पिता स्व डिलो प्रजापति पर 30,240 रुपये तथा बेन्दगी निवासी विजय यादव पिता जोबराज यादव पर 16,130 रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। सहायक विद्युत अभियंता सौरव लिंडा ने बताया कि विभाग द्वारा लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है और विद्युत चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि अवैध रूप से बिजली का उपयोग न करें तथा बिजली विभाग के नियमों का पालन करें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बरही अनुमंडलीय अस्पताल में डीडीसी रिया सिंह का औचक निरीक्षण : स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही (हजारीबाग): हजारीबाग की उप विकास आयुक्त रिया सिंह ने मंगलवार को बरही अनुमंडलीय अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ बरही के प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो भी उपस्थित रहे। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता की जांच करना और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना था। मौके पर मौजूद डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। उनके साथ डीडीसी रिया सिंह ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का दौरा किया और उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। डीडीसी ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत की और उन्हें मिल रही सुविधाओं तथा दवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिया कि मरीजों के इलाज में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति पंजी (रजिस्टर) की जांच की। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को समय की पाबंदी और अनुशासन बनाए रखने की सख्त हिदायत दी। अस्पताल परिसर और वार्डों में साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लेते हुए उन्होंने स्वच्छता मानकों को और बेहतर करने के निर्देश दिए ताकि संक्रमण के खतरे को कम किया जा सके। हालांकि स्वच्छता के मामले में डीडीसी संतुष्ट दिखी। उन्होंने अस्पताल के दवा स्टोर का भी निरीक्षण किया और जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। एमटीसी, एक्सरे, ओपीडी, नेत्र कक्ष, लैब, प्रसव कक्ष का भी जायजा लेते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिया गया। डॉ प्रकाश ज्ञानी ने बरही अनुमंडलीय अस्पताल के लिए जरूरी उपकरण एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से अवगत कराया। मौके पर डॉ प्रवीण कुमार, पंकज कुमार आजाद, सुधांशु शेखर, बिजेंद्र कुमार, प्रहलाद कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

हजारीबाग में पत्रकार पर हमला प्रेस क्लब ने जताया विरोध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग सदर अस्पताल में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से एक पत्रकार को सवाल पूछना महंगा पड़ गया। सवाल पूछते ही मंत्री एवं अधिकारियों के सामने ही मंत्री समर्थक पत्रकार पर टूट पड़े और उनके साथ मारपीट की गई। जिससे वे घायल हो गए। उनका इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है। मीडिया कर्मियों पर हमला को हजारीबाग प्रेस क्लब ने दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए घटना की कड़ी निंदा की है। इस घटना पर हजारीबाग प्रेस क्लब ने कड़ा विरोध जताया है। क्लब के पदाधिकारियों ने कहा कि एक मंत्री के कार्यक्रम में पत्रकारों पर हमला किया जाना शर्मनाक है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। मंत्री से सवाल पूछने पर उपस्थित पत्रकारों पर गुंडे जान लेवा हमला कर देंगे यह लोकतंत्र को शर्मसार करता है। अब पत्रकार सुरक्षित नहीं हैं, जबकि उसी स्थान पर जिले के कई बड़े पुलिस और जिला के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

वहीं क्लब के सचिव दीपक सिंह ने कहा कि पत्रकारों पर सुनियोजित हमला किया गया है। वहां उपस्थित गुंडे सवाल पूछने पर आग बबूला हो गए और पत्रकारों पर ही हमला कर दिया। जिसने दो पत्रकार साथी को चोट भी आए हैं। यह घटना बर्दाश्त के बाहर है, अगर जल्द उन गुंडों को गिरफ्तार नहीं किया जाता तो हमलोग आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। अंजाम देने वालों को प्रशासन चिन्हित कर जल्द गिरफ्तार करे। यह केवल एक पत्रकार पर हमला नहीं, बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा और कायराना प्रहार है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सत्ता के संरक्षण में पत्रकारों की आवाज दबाने का प्रयास किया गया है।

अंतरराज्यीय अफीम तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ सात लाख के अफीम के साथ चार गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : चतरा पुलिस को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सदर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर एक अंतरराज्यीय अफीम तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मौके से चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से दो तस्कर पंजाब के हैं। पुलिस से गिरफ्तार तस्करों के पास से एक किलो 319 ग्राम अफीम, एक काले रंग की मारुति स्विफ्ट कार, विभिन्न कंपनियों का चार मोबाइल फोन और नकद राशि बरामद की है। बरामद अफीम की कीमत करीब सात लाख रुपये आंकी गई है।

जानकारी के अनुसार, एसपी अनिमेश नैथानी को गुप्त सूचना मिली थी कि चतरा के लावालौंग थाना क्षेत्र से अफीम खरीदकर उसे टिकर जितनी रोड के रास्ते पंजाब में खपाने की तैयारी है। सूचना के आधार पर सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया।

टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए टिकर रोड पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध स्विफ्ट कार को रोका गया। तलाशी के दौरान कार से अफीम की खेप बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चतरा निवासी संतोष कुमार दांगी और रूपेश कुमार यादव के रूप में हुई है। जबकि हरेंद्र सिंह और दविंद्रपाल सिंह पंजाब के जालंधर और शाहकोट के रहने वाले हैं। एसडीपीओ ने कहा कि अफीम तस्करों का नेटवर्क झारखंड से लेकर पंजाब तक फैला हुआ है। पुलिस इस गिरोह के अन्य संपर्कों और फॉरवर्ड-बैकवर्ड लिंकेज की जांच कर रही है।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय खोड़ाहार का मैट्रिक बोर्ड परिणाम शत-प्रतिशत, प्रियांशी बनी टॉपर

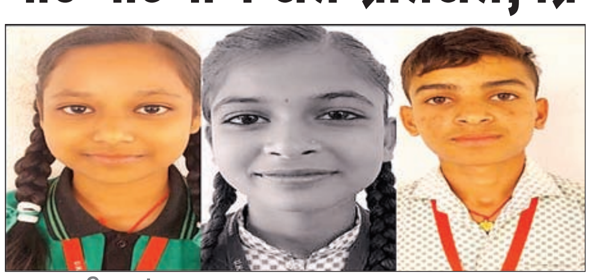

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : उत्क्रमित उच्च विद्यालय खोड़ाहार ने इस वर्ष के मैट्रिक बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। विद्यालय से परीक्षा में शामिल हुए कुल 109 छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त की, जिसमें प्रियांशी कुमारी ने 90.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में टॉप किया। प्राचार्य डॉ सुनील कुमार यादव ने बताया कि विद्यालय के कुल 109 छात्र-छात्राओं में से 69 ने प्रथम श्रेणी, 38 ने द्वितीय श्रेणी और 3 ने तृतीय श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की। यह उपलब्धि विद्यालय के शैक्षणिक स्तर और छात्रों की कड़ी मेहनत को दशार्ती है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में प्रियांशी कुमारी 454 अंक, आयुष कुमार यादव 453, श्वेता कुमारी 449, सचिन यादव 449, सुधांशु कुमार राणा 432, विकास कुमार यादव 431, पीयूष कुमार 430, कोमल कुमारी 427, अनिल कुमार यादव 422, उज्वल कुमार 418, रानी कुमारी 411 अंक आदि शामिल है।

छात्र-छात्राओं के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानध्यापक डॉ. सुनील यादव ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने इस सफलता का श्रेय छात्रों की लगन, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक देवेंद्र कुमार, फैयाज आलम, सुधा रश्मि, पूनम मुर्मू, रश्मि टोप्पो, विजय कुमार दास, विक्रम कुमार, दिलेश्वर प्रसाद, रश्मि द्विवेदी, अताउल्लाह अंसारी, सुधीर प्रसाद, किरण देवी, संजू देवी, आरती देवी ने भी छात्रों को शुभकामनाएं दीं। प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरिताभ कुमार, ब्रांड अम्बेसडर परमेश्वर प्रसाद, जिप सदस्य प्रतिनिधि गणेश यादव, मुखिया अनिता देवी, मुखिया प्रतिनिधि खिरोधर यादव, उपमुखिया रोहित यादव, और समाजसेवी रंजीत कुमार, अरुण कुमार ने छात्रों को उनके उज्वल भविष्य के लिए बधाई दी।

बिगहा बाजार हादसा : युवक की मौत के बाद आरोपी चालक की गिरफ्तारी की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड क्षेत्र में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। सोमवार शाम करीब 4 बजे बिगहा बाजार के समीप हुए भीषण सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राम चयकला निवासी मो० शकील मिस्त्री के 20 वर्षीय पुत्र मो० सलमान के रूप में हुई है। बताया जाता है कि वह परिवार का मंझला पुत्र था। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि गांव में मातम पसरा हुआ है। घटना के बाद परिजन आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रहे हैं। बताया जा रहा है कि फुटेज में सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार की संलिप्तता सामने आई है। परिजनों ने चौपारण थाना पुलिस से आरोपी चालक की जल्द गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। स्कूली बच्चों के लिए भी खतरनाक बना मार्ग। चौपारण-चतरा मुख्य मार्ग अब आम लोगों के साथ-साथ स्कूली बच्चों के लिए भी खतरे का कारण बनता जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

डिवाइडर से टकराकर पलटी कार, कोई हताहत नहीं

बरही (हजारीबाग): थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचमाधव गाडलाही मोड़ के समीप मंगलवार को लगभग चार बजे एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन डिवाइडर से टकराकर पलट गई। घटना के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि गनीमत रही कि वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। मिली जानकारी के अनुसार कार धनबाद से औरंगाबाद एक शादी समारोह में शामिल होने जा रही थी। वाहन में कुल तीन लोग सवार थे, जो हादसे में बाल-बाल बच गए। स्थानीय लोगों की मदद से वाहन को सीधा किया गया। घटना के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया।

बरही में श्री श्याम कृपा मंडल की बैठक वार्षिक महोत्सव के लिए नई कमेटी गठित

बरही : श्री श्याम कृपा मंडल की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें आगामी वार्षिक महोत्सव की तैयारियों को लेकर नई कमेटी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी अध्यक्ष टुन्नू केसरी, मंडल उपाध्यक्ष रोहित केसरी एवं सनी केसरी सचिव चंदन केसरी, महासचिव आर्यन केसरी, संयोजक आकाश केसरी, मीडिया प्रभारी अमित सोनी, मंडल संरक्षक विकास केसरी को बनाया गया। संस्थापक युवा धर्म प्रचारक नित्यानंद दास जी महाराज भी बैठक में विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने नई कमेटी को बधाई देते हुए कहा, संगठन को आगे बढ़ाने के लिए हम सभी को एकजुट और संगठित रहना होगा। सभी भक्त अपने घरों में मंडल के माध्यम से कीर्तन कराकर बाबा श्याम की ज्योत अवश्य प्रज्वलित करें और पूरे मन से बाबा का प्रचार-प्रसार विश्व भर में करें। इस अवसर पर मंडल के सेवादार त्रिवेणी, पंकज, राहुल, आयुष, गोकुल, गोलू सहित कई भक्तगण उपस्थित थे।

तेली साहू समाज संघर्ष समिति ने भामाशाह जयंती मनाने का लिया निर्णय

बड़कागांव : तेली साहू समाज के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कुंज बिहारी साव ने झारखंड हजारीबाग बड़कागांव विधानसभा में, पहली बार 29 अप्रैल 2026 दिन बुधवार को पांच जगह पर भामाशाह जयंती मनाएंगे। केरेडारी में 9 बजे से अयोध्या साव और छोटन साव की नेतृत्व में, बेगवरीं पीपल चौक केरेडारी में 10 :00 बजे परमेश्वर साहू के नेतृत्व, बड़का गांव पकरी बरवाडीह देवी मंडप 2 :00 बजे दोपहर, राजकुमार साव डुभन साव के नेतृत्व, डोकाटाड में 3 :00 बजे से हरी साव और माथुर साव कालु साव के नेतृत्व एवं नापों खुर्द में 4 :00 बजे, दिनेश साव और पंचायत समिति गणेश साहू के नेतृत्व में कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। इसके अलावा बड़कागांव विधानसभा में भामाशाह जयंती मनाने का निर्णय लिया गया।

हजारीबाग यूथ विंग ने नवपदस्थापित उपायुक्त हेमंत सती से की शिष्टाचार भेंट

हजारीबाग : हजारीबाग यूथ विंग के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को नवपदस्थापित उपायुक्त हेमंत सती से उनके कार्यालय (एनआईसी) में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उपायुक्त का पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट करगर्मजोशी से स्वागत किया और हजारीबाग आगमन पर उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी। भेंट के दौरान संस्था के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को हजारीबाग यूथ विंग द्वारा पिछले पाँच वर्षों में किए गए विभिन्न सामाजिक एवं जनहित कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। संस्था निरंतर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही है। जरूरतमंदों की सहायता, गरीब बच्चों के बीच शैक्षणिक सामग्री का वितरण, स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन जैसे कार्यों के माध्यम से संस्था ने समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। विशेष रूप से 13 अप्रैल को आयोजित विशाल रक्तदान शिविर का उल्लेख करते हुए बताया गया कि यह हजारीबाग का अब तक का सबसे बड़ा रक्तदान शिविर रहा, जिसमें कुल 326 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस पहल से कई जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सका और अनेक जिंदगियों को बचाने में मदद मिली। इस उपलब्धि को जिले में एक प्रेरणादायक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

आर्ट ऑफ लिविंग के 'अनसंग हीरोज अवॉर्ड' से सम्मानित हुए झारखंड के सेवाभावी व्यक्तित्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : दि आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक और विश्व शांति दूत परम पूज्य श्री श्री रविशंकर जी की प्रेरणा से संचालित वैश्विक अभियान "अनसंग हीरोज अवॉर्ड" के तहत झारखंड के सेवाभावी व्यक्तित्वों को सम्मानित करने हेतु हजारीबाग के मालवीय मार्ग स्थित 'शंभु बैंक्वेट हॉल' में एक भव्य और गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गुरुकुल के निदेशक एवं समाजसेवी शिक्षाविद जेपी जैन सहित छह जिलों के 'अनसंग हीरोज' को शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवॉर्ड समारोह में झारखंड के छह जिलों से आए कर्मठ व्यक्तित्वों को उनकी निःस्वार्थ समाज सेवा के लिए मोमेंटो एवं अंग-वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में प्रमुख हजारीबाग जय प्रकाश जैन, तापस चक्रवर्ती, प्रदीप डालमिया, श्वेता गडिया, आनंद फांउडेशन, रोटी बैंक, संजय अग्रवाल, निवास मंडल, जय प्रकाश रजक, विश्वजीत कुमार शामिल रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुबोध सिंह शिवगीत, विशिष्ट अतिथि मनोज गुप्ता एवं डॉ नवेन्दू शंकर की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी सम्मानित व्यक्तियों को उनकी निस्वार्थ समाज सेवा के लिए मोमेंटो एवं अंग-वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन संजय तिवारी व तारकेश्वर सोनी द्वारा किया गया।'अनसंग हीरो' की परिभाषा और प्रेरणा नीलम वर्मा ने बताया कि 'अनसंग हीरो' वह होता है जो बिना किसी प्रचार या स्वार्थ के समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुँचाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर देता है। यह अवॉर्ड ऐसे ही गुमनाम नायकों को पहचान देने और उनके कार्यों को सराहना के लिए दिया जाता है।कार्यक्रम की मुख्य बातें और संकल्प समारोह की शुरूआत गुरू पूजा व भजन से हुई, जिसके बाद इंट्यूशन का डेमो भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने प्रतीकात्मक रूप से पौधे में पानी देकर वृक्ष संरक्षण तथा रोपण का आह्वान किया। एपेक्स बॉडी तथा टीचर्स ग्रुप ने गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के जन्मोत्सव पर वृक्षारोपण अभियान तथा रक्तदान शिविर का आयोजन करने का संकल्प लिया।

पुलिस अधीक्षक ने बड़कागांव पुलिस अनुमंडल कार्यालय में केसों का किया रिव्यू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने मंगलवार को बड़कागांव पुलिस अनुमंडल कार्यालय में बड़कागांव पुलिस अनुमंडलीय स्तरीय पर लंबित केसों का रिव्यू किया। जिसमें नक्सल केस, संगठित अपराधिक गिरोह केस, रंगदारी, धमकी, अपहरण, महिला उत्पीड़न, दहेज हत्या, महिला छेड़खानी, बाल अपराध, एसटी-एसी, नंन बैंकिंग जैसे संबंधित केसों का विस्तृत रिव्यू किया गया। तकरीबन 4 घंटे तक केसो का रिव्यू किया। जिसमें लगभग 300 कैस का रिव्यू किया गया। एवं केस से संबंधित एसपी ने सभी अनुसंधानकताओं को कांड को त्वरित निष्पादन, निमित्त बिंदुवार विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए। तथा कांड की गंभीरता एवं सामाजिक दृष्टिकोण एवं दृष्टिगत रखना अनुसंधानकर्ता की नैतिक जिम्मेदारी होगी, इस पर विशेष जोर दिया गया।

वहीं एसपी ने तमाम थाना अध्यक्षों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में विधि व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा है। ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बना रहे।

मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी पवन कुमार, बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह, केरेडारी थाना से अजय कुमार रविदास, गिद्दी थाना प्रभारी राणा भानु प्रताप सिंह, उरीमारी ओ.पी रथू उरांव, सीकरी ओ.पी रामकुमार राम, सहायक थाना डाड़ीकला के थाना प्रभारी सागेन मुर्मू, पगार ओ.पी थाना प्रभारी दिनेश कुमार मंडल के अलावा केशव से संबंधित अनुसंधान कर्ता उपस्थित थे।

एक नजर

धुर्वा डैम से युवक का शव बरामद

रांची: राजधानी के धुर्वा डैम से अमन नाम के युवक का शव बरामद हुआ है। अमन सोमवार से ही लापता था। उसके शव को आज मंगलवार को एनडीआरएफ की टीम ने डैम से बरामद किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है। अमन कुमार धुर्वा के आदर्श नगर का निवासी था। नगड़ी पुलिस के मुताबिक सोमवार देर शाम धुर्वा डैम के पास एक स्कूटी और चप्पल लावारिस हालत में पड़े होने की सूचना मिली थी। इस आधार पर पुलिस की एक टीम छानबीन करने गई लेकिन ज्यादा अंधेरा होने की वजह से युवक का कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था। नगड़ी थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने ईटीवी भारत को बताया कि इसकी सूचना एनडीआरएफ की टीम को दे दी गई थी। आज एनडीआरएफ की टीम ने डैम में तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान कुछ दूरी पर युवक का शव पानी पर नजर आया। शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि अभी तक युवक के परिजनों की ओर से किसी तरह की लिखित शिकायत नहीं की गई है। अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक की मौत डैम में नहाने के दौरान हुई है या उसने आत्महत्या की है। उन्होंने यह भी बताया कि युवक के परिजन स्कूटी को लेकर जा चुके हैं।

रांची में नमो स्टॉल योजना की शुरूआत

रांची : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से फुटपाथ पर फल और सब्जी बेचने वाले विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में मंगलवार को रांची में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के प्रयास से नमो स्टॉल वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर रांची के फल एवं सब्जी विक्रेताओं को नि:शुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए गए। स्टॉल प्राप्त करते ही लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी साफ झलक उठी। प्रथम चरण में पांच विक्रेताओं को स्टॉल के साथ-साथ सब्जी और फल तौलने की मशीन भी दी गई, जिससे उनके व्यवसाय को अधिक व्यवस्थित और बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने लाभार्थियों को स्टॉल वितरित किए। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गरीब का दर्द गरीब ही समझ सकता है और संजय सेठ एक संवेदनशील सांसद हैं। उनकी यह पहल न केवल सराहनीय है, बल्कि इससे रांची के फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले भाई-बहनों को सुविधा मिलेगी और उनके काम को नई गति प्राप्त होगी। प्रदेश भाजपा के महामंत्री सह पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने भी रक्षा राज्य मंत्री की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे सड़क किनारे सब्जी बेचने वालों का जीवन सुगम होगा और उनके रोजगार को स्थिरता मिलेगी। इस अवसर पर संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा कहते हैं कि रेहड़ी-पटरी वाले हमारे शहरी अर्थतंत्र की रीढ़ हैं। उनका सशक्त होना शहरों के समग्र विकास के लिए आवश्यक है।

झारखंड में जनगणना 2027 का शंखनाद

1 मई से शुरू होगी 'स्व-गणना', मोबाइल से दे सकेंगे जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में जनगणना-2027 की प्रक्रिया को लेकर आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। राज्य के जनगणना निदेशक प्रभात कुमार ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि आगामी 1 मई 2026 से जनगणना का पहला चरण शुरू होगा। इस बार की सबसे बड़ी विशेषता 'स्व-गणना' है, जिसमें नागरिक खुद अपने मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से अपनी जानकारी पोर्टल पर दर्ज कर सकेंगे।

राज्य में 1 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2027 तक सभी प्रशासनिक सीमाएं (जैसे जिलों या प्रखंडों की सीमा) 'फ्रीज' रहेंगी। पूरे देश में लगभग 35 लाख कर्मी तैनात होंगे, जिनमें से झारखंड में 77 हजार से अधिक कर्मियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन आंकड़ों का उपयोग भारत सरकार भविष्य की जनकल्याणकारी योजनाएं बनाने और संसाधन आवंटन के लिए करेगी।

डिजिटल जनगणना: पूछे जाएंगे 33 सवाल

संयुक्त निदेशक सतेंद्र गुप्ता ने बताया कि इस बार की जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी, जिससे आंकड़े तीव्र गति से प्राप्त होंगे। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण के दौरान नागरिकों से 33 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें मकान की स्थिति, उपलब्ध सुविधाएं और एससी/एसटी वर्ग से संबंधित जानकारी शामिल होगी। दूसरे चरण में जाति आधारित गणना भी शामिल की जाएगी, जिससे आंकड़ों को लेकर सभी संशय दूर हो जाएंगे।

दो चरणों में पूरी होगी प्रक्रिया

जनगणना के कार्य को सुगमता से पूरा करने के लिए इसे दो मुख्य चरणों में बांटा गया है। प्रथम चरण (मकान सूचीकरण): यह चरण 1 मई 2026 से शुरू होगा। इसमें 1 मई से 15 मई तक स्व-गणना का विकल्प रहेगा। इसके बाद 16 मई से 14 जून 2026 तक प्रगणक घर-घर जाकर मकानों का चिह्नीकरण और सूचीकरण करेंगे। द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना): वास्तविक जनसंख्या गणना 9 फरवरी 2027 से 27 फरवरी 2027 के बीच पूरे देश में एक साथ की जाएगी।

स्व-गणना और गोपनीयता का भरोसा

निदेशक प्रभात कुमार ने राज्यवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय रखी जाएगी। जनगणना कार्य में तेजी लाने के लिए देशभर में तीन शक्तिशाली सर्वर बनाए गए हैं। डिजिटल माध्यम से जानकारी भरने से जनता को किसी भी असुविधा से बचने में मदद मिलेगी।

> "डिजिटल जनगणना से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि पारदर्शिता भी बढ़ेगी। हम झारखंड के प्रत्येक नागरिक से अनुरोध करते हैं कि वे इस राष्ट्रीय कार्य में पूर्ण सहयोग करें।"
> — प्रभात कुमार, निदेशक (जनगणना निदेशालय, झारखंड)

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राज्य के नए लोकायुक्त श्री अमिताभ कुमार गुप्ता ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

निलंबित आईएएस विनय चौबे की जमानत याचिका खारिज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हजारीबाग वन भूमि घोटाला मामले में आरोपित निलंबित आईएएस अधिकारी विनय चौबे को झारखंड उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिली है। मंगलवार को सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अनुभा रावत चौधरी की अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी।

इससे पहले पिछले गुरुवार को मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने दोनों पक्षों, विनय चौबे और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

दरअसल, यह मामला एसीबी द्वारा दर्ज कांड संख्या 11/2025 से संबंधित है, जो हजारीबाग में विनय चौबे के उपायुक्त (डीसी) रहने के दौरान वन भूमि की कथित अवैध खरीद-फरोख्त और जमाबंदी से जुड़ा हुआ है।

आरोप है कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने वन विभाग की पांच प्लॉटों वाली भूमि की नियमों के विपरीत जमाबंदी कराई थी। यह जमीन गैरमजरूआ खास जंगल झाड़ी श्रेणी में दर्ज है, जिसे वन संरक्षण अधिनियम के तहत भारत सरकार की अनुमति के बिना गैर-वानिकी उपयोग में नहीं लाया जा सकता।

जांच में यह भी आरोप सामने आया है कि संबंधित अधिकारियों और जमीन खरीदार विनय सिंह ने मिलकर एक आपराधिक साजिश के तहत इस भूमि का अवैध तरीके से मालिकाना हक बदलवाया। मामला सामने आने के बाद वर्ष 2013 में सभी विवादित जमाबंदियों को रद्द कर दिया गया था, जिसे राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने भी सही ठहराया था।

झारखंड में बदला मौसम, बूंदाबांदी से मिली राहत 30 अप्रैल तक आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची सहित आसपास के इलाकों में मंगलवार सुबह हुई हल्की बूंदाबांदी ने भीषण गर्मी से परेशान लोगों को बड़ी राहत दी। पिछले कई दिनों से लगातार पड़ रही तेज गर्मी और उमस के बीच मौसम में आए इस बदलाव से लोगों ने राहत की सांस ली। सुबह के समय हल्की बारिश और ठंडी हवाओं ने मौसम को सुहावना बना दिया।

मौसम विभाग ने 29 और 30 अप्रैल को राज्य के कई जिलों में गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश, वज्रपात और ओलावृष्टि की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। संभावित खराब मौसम को देखते हुए विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय दबाव प्रणाली के प्रभाव के कारण राज्य के मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। खुले मैदान, पेड़ों के नीचे, बिजली के खंभों और खुले स्थानों पर खड़े होने से बचने की सलाह दी गई है, खासकर वज्रपात के समय।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान डाल्टनगंज में 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे गर्म स्थान रहा। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची के नामकुम में 21.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बारिश के आंकड़ों पर नजर डालें तो धनबाद जिले के मैथन में सबसे अधिक 4.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा डाल्टनगंज में 2.8 मिमी, चंदनकियारी में 2.6 मिमी, कोलेबिरा में 2.0 मिमी और नामकुम में 1.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। राज्य के अन्य कई इलाकों में भी हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई।

नव पदस्थापित अधिकारियों ने मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार भेंट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा में नव पदस्थापित अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले अधिकारियों में उपायुक्त हजारीबाग श्री हेमन्त सती, उपायुक्त कोडरमा श्री उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक पाकुड़ श्री अनुदीप सिंह शामिल थे।

नेशनल वर्ड पावर चैंपियनशिप में लहराया परचम, सीएम ने दी बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुंबई में आयोजित प्रतिष्ठित 'नेशनल वर्ड पावर चैंपियनशिप 2025-26' में झारखंड के सरकारी स्कूलों के नन्हे विद्यार्थियों ने अपनी अंग्रेजी दक्षता का लोहा मनवाते हुए राज्य का नाम रोशन किया है। कक्षा 2 से 5 तक के इन बच्चों ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया है कि झारखंड की बुनियादी शिक्षा की नींव मजबूत हो रही है। विद्यार्थियों की इस शानदार उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने सफल छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा "झारखंड के नन्हे सितारों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता से निकलकर मुंबई में राष्ट्रीय मंच पर अपनी योग्यता साबित करना अत्यंत गर्व का विषय है। यह सफलता राज्य में शिक्षा की मजबूत नींव को दशार्ती है। हमारी सरकार बच्चों को वैश्विक स्तर के अवसर प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।"

झारखंड के इन बच्चों ने पहले राज्य स्तरीय फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी चैंपियनशिप जीती और उसके बाद 22 अप्रैल 2026 को मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम का आयोजन झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद और इंग्लिश लिटरेसी पार्टनर लीप फॉर वर्ड के साझा सहयोग से किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य प्राथमिक स्तर के बच्चों में अंग्रेजी भाषा की बुनियादी समझ और पकड़ को सुदृढ़ करना है।

रांची में 21 स्थानों पर लगा अमृतधारा प्याऊ, राहगीरों को मिला शीतल जल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा ने मंगलवार को शहर के 21 विभिन्न स्थानों पर अमृतधारा सेवा का आयोजन किया। शाखा की अध्यक्षा शुभा अग्रवाल के नेतृत्व में यह सेवा कार्य संपन्न हुआ, जिसमें राहगीरों और जरूरतमंद लोगों के लिए मुफ्त अमृतधारा प्याऊ स्थापित कर शीतल जल की व्यवस्था की गई।

शहर के अलग-अलग प्रमुख स्थानों पर लगाए गए इन प्याऊ केंद्रों पर लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की। राह चलते लोगों, मजदूरों, रिक्शा चालकों और अन्य जरूरतमंदों को ठंडा पानी उपलब्ध कराया गया, जिससे उन्हें तपती गर्मी में काफी सहूलियत मिली।

इस अवसर पर शाखा की अध्यक्षा शुभा अग्रवाल ने कहा कि समर्पण शाखा हमेशा समाज सेवा के कार्यों के लिए तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि जनहित में इस प्रकार के सेवा कार्य आगे भी लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने बताया कि गर्मी के इस मौसम में प्याऊ की व्यवस्था लोगों के लिए बड़ी राहत साबित होगी।

मीडिया प्रभारी वेदिका सिंघानिया ने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए यह पहल काफी आवश्यक थी। उन्होंने बताया कि शाखा का उद्देश्य सिर्फ सेवा नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी है। इस तरह के प्रयास लोगों के बीच सकारात्मक संदेश पहुंचाते हैं। इस अवसर पर सचिव रेखा राइका, वर्षा धानुका, वीना शर्मा, कृष्णा अग्रवाल सहित शाखा की अन्य सदस्य भी उपस्थित रहीं। सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाने में योगदान दिया।

श्री श्याम मंदिर में हुआ 201 वां सुंदरकांड पाठ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी के हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में 201वें श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया गया। 'राम सिया राम' के मधुर गायन और बजरंग बली के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल के निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर बालाजी महाराज को केसरिया पेड़ा, गुड़, चना और फल का विशेष भोग अर्पित किया गया। निर्वतमान महामंत्री ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा की और पाठ वाचकों का चंदन-वंदन कर आशीर्वाद लिया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक-ढपली की थाप पर श्री गणेश वंदना के साथ हनुमान चालीसा का पाठ शुरू किया। इसके पश्चात भक्तजनों ने सामूहिक रूप से श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ किया। पाठ के बीच-बीच में भजनों के गायन पर श्रद्धालु झूमते और हनुमान जी की आराधना में लीन नजर आए। कार्यक्रम के समापन पर महाआरती की गई और भक्तों के बीच भारी मात्रा में प्रसाद का वितरण हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान में मंडल उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, अशोक लड़िया, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, स्नेह पोद्दार, ऋषभ कुमार, हर्ष कृष्णा, अंकित कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

झारखंड उच्च न्यायालय ने 20 पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर आदेश किए रद्द, कहा

स्थानांतरण के बहाने दंड नहीं दे सकता विभाग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने धनबाद जिला पुलिस बल से अन्य जिलों में स्थानांतरित किए गए 20 पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर आदेश को रद्द कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि विभाग प्रशासनिक जरूरत के नाम पर किसी कर्मचारी को दंडित नहीं कर सकता और यदि विभागीय कार्रवाई आवश्यक हो, तो उसके लिए निर्धारित कानूनी प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए।

उच्च न्यायालय ने स्थानांतरण और कार्यमुक्ति (ट्रांसफर और रिलीविंग) दोनों आदेशों को निरस्त करते हुए निर्देश दिया कि सभी याचिकाकर्ता अपने मूल कार्यस्थल धनबाद में पुनः योगदान दें और संबंधित अधिकारी उनकी जॉइनिंग स्वीकार करें।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति दीपक रोशन की एकल पीठ में हुई। अदालत ने अपने फैसले में कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि स्थानांतरण प्रशासनिक प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन इसका उपयोग दंडात्मक कार्रवाई के रूप में नहीं किया जा सकता। यदि किसी पुलिसकर्मी पर लापरवाही या अनुशासनहीनता का आरोप है, तो विभाग को नियमानुसार विभागीय कार्रवाई करनी चाहिए, न कि स्थानांतरण के माध्यम से दंड देना चाहिए।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अर्पण मिश्रा ने पक्ष रखा। उन्होंने अदालत को बताया कि 24 फरवरी 2025 को मेमो नंबर 238/पी के तहत 20 पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण प्रशासनिक आवश्यकता बताकर किया गया था। इसके बाद 11 मार्च 2025 को रिलीविंग आदेश संख्या 642 जारी कर उन्हें अन्य जिलों में भेज दिया गया।

हालांकि सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त जानकारी से यह सामने आया कि यह स्थानांतरण वास्तव में दंडात्मक कार्रवाई थी। धनबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने कथित लापरवाही के आरोपों के आधार पर इनके स्थानांतरण की सिफारिश की थी, लेकिन बिना उचित विभागीय प्रक्रिया अपनाए सीधे स्थानांतरण कर दिया गया।

अदालत ने उच्चतम न्यायालय के सोमेश तिवारी बनाम भारत संघ मामले का हवाला देते हुए कहा कि यदि स्थानांतरण आदेश दंडात्मक प्रकृति का हो, तो उसे प्रशासनिक आदेश नहीं माना जा सकता और वह कानूनन टिक नहीं सकता। इसी आधार पर न्यायालय ने संबंधित आदेशों को अवैध करार दिया।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि याचिकाकताओं द्वारा नए स्थान पर योगदान देने से उनकी याचिका स्वतः समाप्त नहीं हो जाती। यदि स्थानांतरण आदेश को बाद में रद्द कर दिया जाता है, तो वह आदेश मूल तिथि से ही अमान्य माना जाएगा।

इस मामले में याचिकाकताओं में सूरज कुमार दास, अनुज कुमार सिंह, बलजीत कुमार, कौशल कुमार दुबे सहित कुल 20 पुलिसकर्मी शामिल थे, जो मुख्य रूप से धनबाद, चतरा, गया, पटना और आसपास के क्षेत्रों के निवासी हैं। सभी लंबे समय से धनबाद जिला पुलिस बल में तैनात थे।

अदालत के इस फैसले को पुलिस प्रशासन में एक महत्वपूर्ण संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि स्थानांतरण को अनुशासनात्मक दंड के विकल्प के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

एयर एम्बुलेंस हादसे के पीड़ितों ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सीएम ने दिया मदद का भरोसा

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में एयर एम्बुलेंस क्रैश में जान गंवाने वाले व्यक्तियों के परिजनों ने मुलाकात की। इस दौरान शोक संतप्त परिवारों ने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपकर राज्य सरकार से सरकारी नौकरी और उचित मुआवजा प्रदान करने का आग्रह किया।

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने परिजनों की बातों को बेहद आत्मीयता के साथ सुना और इस दुखद घड़ी में उनके प्रति अपनी गहरी सहानुभूति प्रकट की। मुख्यमंत्री ने आश्रितों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है और उन्हें यथोचित मदद पहुँचाने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे।

हादसे में मृत स्व० संजय कुमार के बड़े भाई श्री विजय कुमार और स्व० ध्रुव कुमार के पिता श्री दिनेश प्रसाद सहित अन्य परिजनों ने मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी व्यथा सुनाई। परिजनों ने मांग की कि परिवार के भरण-पोषण के लिए आश्रितों को सरकारी सेवा में जगह दी जाए और सम्मानजनक आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। इस अवसर पर राज्य सरकार के कई मंत्री भी उपस्थित थे।

एक नजर

रामगढ़ चैंबर ने नए उपायुक्त से की मुलाकात

रामगढ़ : जिले के व्यापारिक और औद्योगिक विकास को नई दिशा देने की उम्मीदों के बीच रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को नवनियुक्त उपायुक्त ऋतुराज से मिला। समाहरणालय में हुई इस शिष्टाचार भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान जिले के व्यापार, उद्योग, रोजगार, आधारभूत संरचना और स्थानीय समस्याओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। चैंबर प्रतिनिधियों ने रामगढ़ के बाजार, व्यवसायिक गतिविधियों और व्यापारियों की अपेक्षाओं से उपायुक्त को अवगत कराया। उपायुक्त ऋतुराज ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि जिले के समग्र विकास, निवेश को बढ़ावा देने और व्यापारिक समस्याओं के समाधान में प्रशासन हरसंभव सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन और व्यापारिक संगठनों के बेहतर समन्वय से विकास कार्यों को गति मिलेगी। चैंबर प्रतिनिधियों ने कहा कि रामगढ़ औद्योगिक और व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिला है। यहां व्यापार को बढ़ावा देने, यातायात व्यवस्था सुधारने, बाजार सुविधाओं के विस्तार और रोजगार के अवसर सृजित करने की अपार संभावनाएं हैं। प्रशासनिक सहयोग मिलने से इन क्षेत्रों में तेजी लाई जा सकती है।

उपायुक्त का विवि परिवार ने किया आत्मीय स्वागत

रामगढ़ : रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज का विश्वविद्यालय परिसर में आत्मीय स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी.एन. साह ने उपायुक्त को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके चेंबर में अभिनंदन किया। इस अवसर पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में शिक्षा, क्षेत्रीय विकास और संस्थागत सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरूआत औपचारिक स्वागत से हुई, जहां कुलाधिपति बी.एन. साह ने उपायुक्त ऋतुराज का अभिनंदन करते हुए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिबद्धताओं, सामाजिक दायित्वों और क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थान केवल डिग्री देने का केंद्र नहीं, बल्कि समाज निर्माण की आधारशिला होते हैं। बैठक के दौरान शैक्षणिक विस्तार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युवाओं के लिए बेहतर अवसर, स्थानीय विकास और विश्वविद्यालय की भविष्य की योजनाओं पर संक्षिप्त लेकिन सार्थक विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्षों ने शिक्षा और प्रशासन के समन्वय से क्षेत्र को नई दिशा देने पर सहमति जताई। उपायुक्त ऋतुराज ने विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि किसी भी जिले की प्रगति में शिक्षण संस्थानों की अहम भूमिका होती है। प्रशासन हमेशा ऐसे सकारात्मक प्रयासों के साथ खड़ा रहेगा, जो युवाओं और समाज के हित में हों। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) रश्मि, कुलसचिव प्रो. (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल तथा संजीव कुमार भी उपस्थित रहे। सभी ने प्रशासन और विश्वविद्यालय के बीच बेहतर तालमेल को समय की आवश्यकता बताया। यह मुलाकात केवल शिष्टाचार तक सीमित नहीं रही, बल्कि शिक्षा और विकास के साझा विजन का संदेश भी दे गई। जिले में शैक्षणिक उन्नति, युवाओं के सशक्तिकरण और संस्थागत सहयोग की दिशा में इसे एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने एसपी से की मुलाकात, बिजली और गैस कालाबाजारी के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रकाश रजक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कोडरमा पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान नेताओं ने एसपी को अंग वस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया और उन्हें एक 'स्मरण पत्र' सौंपा।एसपी से मुलाकात के बाद कोडरमा परिसदन में जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य एजेंडा संगठन की मजबूती और नवनियुक्त पदाधिकारियों के लिए आयोजित होने वाले नियुक्ति पत्र वितरण सह स्वागत समारोह को सफल बनाना था। इस कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया। बरकट्ठा विधानसभा के पूर्व विधायक स्वर्गीय सुखदेव यादव के पुत्र हितेंद्र यादव ने कांग्रेस की विचारधारा और राहुल गांधी के नेतृत्व से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल होने की इच्छा जताई है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नाम अपना आवेदन सौंप दिया है। हितेंद्र यादव एक सप्ताह के भीतर प्रदेश कार्यालय में विधिवत सदस्यता ग्रहण करेंगे। इस अवसर पर जिला कमेटी ने बुके देकर उनका स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक ने जिले की वर्तमान समस्याओं पर गहरा रोष प्रकट किया। उन्होंने कहाः भीषण गर्मी के बावजूद कोडरमा में 24 घंटे बिजली नहीं मिल रही है। इसके लिए पूरी तरह विद्युत विभाग जिम्मेदार है। अगर व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो कांग्रेस जल्द ही उग्र आंदोलन करेगी। जिले में रसोई गैस की कालाबाजारी जोरों पर है, जिससे आम जनता त्रस्त है। प्रशासन को इस पर तुरंत लगाम लगानी चाहिए। इस बैठक में पूर्व प्रदेश सचिव मनोज सहाय, जिला उपाध्यक्ष अनंत कुमार मेहता, अनिल यादव, दशरथ पासवान, अज्जू सिंह, जिला महासचिव मोहम्मद कासिम, प्रखंड अध्यक्ष कयुम उदीन, नगर पंचायत अध्यक्ष राजू सिंह, अर्जुन पासवान और जमुना यादव सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में प्रखंड अध्यक्ष कयुम उदीन ने

मारवाड़ी युवा मंच ने एसपी से की मुलाकात

झुमरीतिलैया : युवा मंच के सदस्यों ने सिविल सर्विसेज डे के मौके पर चल रहे साप्ताहिक कार्यक्रम के तहत कोडरमा के पुलिस कप्तान कुमार शिवाशीष से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें मोमेंटो और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। यह मुलाकात काफी सकारात्मक रही। मंच के सदस्यों ने एसपी से मिलकर उन्हें अपने संगठन के द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक कार्यों के बारे में चर्चा की। सदस्यों ने बताया ,कि मारवाड़ी युवा मंच मुख्य रूप से गौशाला, पनसाला और पाठशाला के लिए अपना योगदान देते हैं। उन्होंने बताया ,कि मंच के द्वारा फिलहाल गर्मी के दिनों में कई सार्वजनिक जगह पर वाटर कूलर लगाया जा रहा है और आगे भी कई वाटर कूलर लगाने की योजनाएं हैं। साथ ही एक चलंत प्याऊ की व्यवस्था की गई है और जगह-जगह पर लोगों को पीने के पानी उपलब्ध कराने के लिए घड़ा लगाकर पानी का वितरण किया जाता है।

भीषण गर्मी में राहत : आम लोगों को पानी और ओआरएस का किया गया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में आम लोगो को गर्म लू से राहत दिलाने को लेकर आम लोगो के बीच पीने का पानी ओ आर एस सहित अन्य सामग्रियों को वितरित करने को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है । कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकांत मिश्रा के कुशल मार्ग दर्शन में एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार के नेतृत्व में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा की टीम द्वारा यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि आम लोगो एवं जरूरतमंद लोगो को इसका लाभ दिलाया जा सके ।इस अभियान के तहत आज मंगलवार को जिला

विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के पारा लीगल वोलेंटियर द्वारा इस अभियान के तहत कुछ लोगो के बीच पानी का बोतल एवं ओ आर एस का पाउडर आदि वितरित किया गया। इस दौरान इन दिनों पूरे कोडरमा जिले में पड़ रहे कड़ाके की गर्मी एवं भयानक गर्म लू (हीट वेब) में कड़ी धूप में खुले आसमान में कार्य कर रहे ट्रैफिक पुलिस एवं अन्य कई जरूरतमंद लोगों को पारा लीगल वोलेंटियर ने अपने अपने क्षेत्र में घूम घूम कर पानी का बोतल, ओ आर एस सहित गर्मी से बचाव की अन्य सामग्रियों का वितरण किया। इस दौरान पारा लीगल वोलेंटियर द्वारा कोडरमा बाजार, डोमचांच, फुलवरिया, लोकाई, इंदरवा, नगरखारा सहितअन्य इलाकों में इन सामग्रियों का वितरण किया गया।इसके अलावा विभिन्न प्रखंडो में कार्यरत पारा लीगल वोलेनटियर को भी प्रखंड प्रशासन के सहयोग से अपने अपने प्रखंडो में इस प्रकार के अभियान चलाये जाने के निर्देश दिए गए है ताकि असहाय एवं जरूरतमंद लोगो को भीषण गर्मी एवं लू से राहत मिल सके। जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा द्वारा इन दिनों पूरे जिले को चलाए जा रहे इस कार्यक्रम की सर्वत्र सराहना की जा रही है। इस कार्यक्रम में पारा लीगल वोलेंटियर प्रीति आर्या, पांडेय शेखर प्रसाद, मनोज कुमार, रविन्द्र यादव, सुब्रत कुमार मुखर्जी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

नावाडीह स्टेशन के पास लगी आग, सैकड़ों पेड़ जलकर राख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

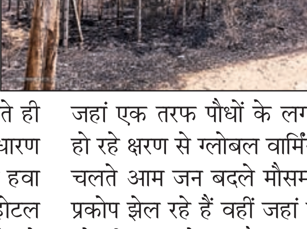

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत नावाडीह 1 रेलवे स्टेशन के बगल रेलवे की जमीन में वन विभाग द्वारा लगाए गए सैकड़ों पेड़ जल गए। सोमवार की दोपहर अज्ञात कारणों से जंगल में आग लग गई। देखते ही देखते आग विकराल रूप धारण कर ली। गनीमत यह रही कि हवा बंद थी नहीं तो बगल स्थित होटल चपेट में आ जाती। नावाडीह रेलवे स्टेशन के तरफ जाने वाले रास्ते के बगल रेलवे की खाली जमीन में वन विभाग ने सागवान, शीशम, महंगुनी सहित जंगली पेड़ लगा रखे थे। सोमवार की दोपहर लगभग 1 बजे अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई। सरकारी जमीन व पौधों में आग लगने के कारण कोई भी बुझाने को आगे नहीं आया। आग बढ़ती ही गई। इसमें सैकड़ों हरे भरे पेड़ जल गए। जहां एक तरफ पौधों के लगातार हो रहे क्षरण से ग्लोबल वार्मिंग के चलते आम जन बदले मौसम का प्रकोप झेल रहे हैं वहीं जहां कहीं जो भी वन बचे हुए हैं वहां आग तबाही मचा रही है। जानकारी हो कि आए दिन जंगलों में आग लगने का कारण बारातियों के द्वारा सिगरेट का सेवन कर सिगरेट को आधा जले सूखे पत्तियों की तरफ फेंक देते हैं जो धीरे-धीरे सुलग जाता है और आग का रूप ले लेता है। जंगल में सिर्फ पेड़ पौधे ही नहीं जलता बल्कि उसमें बसर करने वाले छोटे-छोटे जीव जंतु भी जल जाते हैं।

रजरप्पा मंदिर के बदलेंगे दिन पुनर्विकास योजना को मिली रफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददतात

रामगढ़ : विश्व प्रसिद्ध रजरप्पा मंदिर परिसर के प्रस्तावित पुनर्विकास कार्यों को गति देने के लिए मंगलवार को समाहरणालय सभाकक्ष में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त ऋतुराज ने की। बैठक में मंदिर क्षेत्र के विकास, श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार और लंबित कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान पूर्व में लिए गए निर्णयों तथा झारखंड उच्च न्यायालय, रांची के निर्देशों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा की गई। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि सभी कार्य नियमानुसार और तय समयसीमा में पूरे हों। उपायुक्त के पूर्व रजरप्पा भ्रमण के दौरान दिए गए निर्देशों के आधार पर तैयार नजरी नक्शा बैठक में प्रस्तुत किया गया। नक्शे में मंदिर परिसर के विस्तार, उपलब्ध भूमि, मार्ग व्यवस्था और अन्य आवश्यक संरचनाओं का प्रारूप शामिल किया गया। समीक्षा के दौरान भूमि उपलब्धता, आधारभूत संरचना विकास, यातायात प्रबंधन, श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए सुविधाएं, वॉच टावर निर्माण, स्वच्छता व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि रजरप्पा क्षेत्र का समग्र विकास सभी विभागों के समन्वय से ही संभव है। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे स्थल निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन करें और प्रत्येक कार्य के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

डीजे वाहन बना मौत का पहिया 10 साल के मासूम की दर्दनाक मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

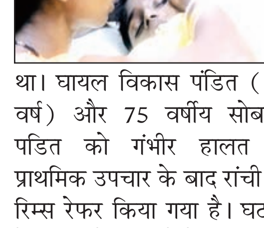

कोडरमा : झारखंड हाई कोर्ट के सख्त प्रतिबंध के बावजूद जिले में डीजे का शोर थमने का नाम नहीं ले रहा है, और अब यह लापरवाही जानलेवा साबित हो रही है। डोमचांच थाना क्षेत्र के बगरीडीह गांव में बीती रात एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। फुल बेस पर बजते डीजे वाहन ने सड़क किनारे बैठे तीन लोगों को रौंद दिया, जिसमें 10 वर्षीय मासूम राज पंडित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक किशोर और एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान राज पंडित (पिता- राजेश पंडित) के रूप में हुई है, जो कक्षा आठवीं का छात्र था। घायल विकास पंडित (10 वर्ष) और 75 वर्षीय सोबरन पडित को गंभीर हालत में प्राथमिक उपचार के बाद रांची के रिम्स रेफर किया गया है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि गांव में घृतधारी समारोह के बाद डीजे वाहन चोपनाडीह लौट रहा था। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर घर के बाहर बैठे तीनों को कुचल दिया। हादसा इतना भयावह था कि डीजे वाहन का चक्का राज के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने राज को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। राज के पिता मुंबई में ऑटो चलाते हैं और वह परिवार का सबसे छोटा बेटा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे में शामिल डीजे वाहन को जब्त कर लिया है। इस घटना ने एक बार फिर प्रशासनिक लापरवाही और प्रतिबंध के बावजूद डीजे संचालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जनता दरबार का हुआ आयोजन, डीसी ने सुनी लोगों की समस्याएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झारखंड : जिले के आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान और प्रशासन को जनता से सीधे जोड़ने की पहल के तहत मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों और सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें, मांगें और समस्याएं लेकर पहुंचे। जनता दरबार के दौरान उपायुक्त ने एक-एक फरियादी से मुलाकात कर उनकी बात गंभीरता से सुनी। लोगों ने शिक्षा, रोजगार, जमीन विवाद, दखल-दिहानी, सामाजिक योजनाओं के लाभ, सड़क निर्माण, पेयजल, राशन कार्ड, पेंशन और अन्य विकास कार्यों से जुड़ी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। कई अभिभावकों ने अपनी बेटियों के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकन से जुड़ी परेशानियों को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को नियमों के तहत त्वरित कार्रवाई कर योग्य छात्राओं को लाभ दिलाने का निर्देश दिया। कुछ युवाओं ने रोजगार के अवसरों और कौशल विकास योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की। वहीं ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा, वृद्धा पेंशन, किसान सम्मान निधि और अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रहने की शिकायत दर्ज कराई। सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नीट 2026 को लेकर रामगढ़ प्रशासन अलर्ट, 889 अभ्यर्थियों के लिए पुख्ता इंतजाम

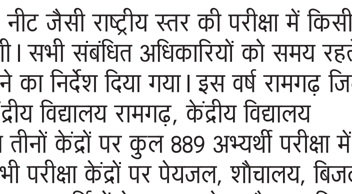

रामगढ़ : आगामी 3 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2026 के शांतिपूर्ण, पारदर्शी और कदाचार मुक्त संचालन को लेकर मंगलवार को समाहरणालय स्थित एनआईसी कक्ष में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा से जुड़े विभागीय अधिकारी, केंद्राधीक्षक और प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में किसी भी प्रकार की चूक, गड़बड़ी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को समय रहते तैयारी पूरी करने और परीक्षा को निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने का निर्देश दिया गया। इस वर्ष रामगढ़ जिले में नीट परीक्षा के लिए तीन केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इनमें केंद्रीय विद्यालय रामगढ़, केंद्रीय विद्यालय बरकाकाना और आर्मी पब्लिक स्कूल रामगढ़ शामिल हैं। इन तीनों केंद्रों पर कुल 889 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। उपायुक्त ने केंद्राधीक्षकों को निर्देश दिया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, बिजली, प्रकाश व्यवस्था और बैठने की पर्याप्त सुविधा सुनिश्चित की जाए। अभ्यर्थियों के सुगम प्रवेश और व्यवस्थित जांच के लिए पर्याप्त कर्मियों की तैनाती करने को भी कहा गया। पुलिस प्रशासन को परीक्षा केंद्रों और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

बरकाकाना-हजारीबाग टाउन-कोडरमा मार्ग से नई राजधानी एक्सप्रेस चलाने की मांग तेज

झुमरीतिलैया : रांची से नई दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक नई राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। दक्षिण पूर्व रेलवे के जेडआरयूसीसी सदस्य अरुण जोशी ने महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि रांची-नई दिल्ली के बीच बरकाकाना-हजारीबाग टाउन-कोडरमा मार्ग से नई राजधानी एक्सप्रेस का परिचालन शुरू किया जाए ।अपने पत्र में उन्होंने सुझाव दिया है कि यह ट्रेन सप्ताह में दो दिन, प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को चलाई जाए, ताकि यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिल सके। उन्होंने बताया कि वर्तमान में रांची से नई दिल्ली के लिए राजधानी एक्सप्रेस की सेवा सप्ताह में केवल चार दिन ही उपलब्ध है, जिसके कारण यात्रियों को टिकट और सीटों की उपलब्धता में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अरुण जोशी ने कहा कि प्रस्तावित ट्रेन के शुरू होने से हजारीबाग टाउन और बरकाकाना जैसे महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों को पहली बार प्रीमियम रेल सेवा से सीधा जुड़ने का अवसर मिलेगा। इससे न केवल यात्रियों को सुविधा होगी, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कोडरमा मार्ग से यात्रा अपेक्षाकृत अधिक सुगम और समय की दृष्टि से लाभकारी साबित हो सकती है। इस संबंध में भेजे गए पत्र की प्रति राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा एवं रांची के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) को भी प्रेषित की गई है।

सीबीएसई 10वीं में परचम लहराने वाले मेधावियों और शिक्षकों का मॉडर्न पब्लिक स्कूल में हुआ अभिनंदन

झुमरीतिलैया : मंगलवार को मॉडर्न पब्लिक स्कूल में मंगलवार को सीबीएसई कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान में 'प्रतिभा सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शालिनी गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि शालिनी गुप्ता ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, मेहनत का कोई शॉर्टकट नहीं होता। समाज में नकारात्मकता फैलाने वालों की परवाह किए बिना अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें। वहीं, विशिष्ट अतिथि रमेश हर्षधर ने आधुनिकता के साथ-साथ अपनी संस्कृति और मातृभाषा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यालय के उन विद्यार्थियों को शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया जिन्होंने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। विद्यालय के तेजस भलोटिया और अनुष्का सिद्धि (97प्रतिशत से अधिक अंक) को जिले में क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने के लिए विशेष पुरस्कार सिल्वर कॉइन,शील्ड और प्रशस्ति पत्र से नवाजा गया। अन्य मेधावी: नमन कुमार, अरिहंत राज, रोशन राज ठाकुर, श्रवण कुमार, आदित्य अनुराग, साइस्ता नाज, शानवी भदानी, शंकर गुप्ता, आदित्य कुमार एवं अंकुर मेहता को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने उन सभी शिक्षकों को सम्मानित किया, जिन्होंने कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को मार्गदर्शित किया। विशेष रूप से तनुश्री सरकार को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए 'हेड मिस्ट्रेस' (जूनियर सेक्शन) के पद पर पदोन्नत किया गया। प्राचार्य गुरुचरण वर्मा: पढ़ाई एक तपस्या है। बच्चों की सफलता शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का सामूहिक परिणाम है। निदेशिका संगीता शर्मा: राह संघर्ष की जो चलता है, वो ही संसार को बदलता है। हमारे विद्यार्थियों ने जिले में शीर्ष स्थान प्राप्त कर यह साबित कर दिया है कि वे चमकते सूर्य के समान हैं। समारोह में छात्रों ने सरस्वती वंदना और प्रेरणादायक समूह गीतों से समां बांध दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक संदीप राणा ने किया। मौके पर अभिभावक और स्कूल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

पंचायतों की चमक से जगमगाया रामगढ़ 7 राज्य पुरस्कारों ने बढ़ाया जिले का मान

झारखंड : मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना में शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए रामगढ़ जिले ने विकास और सुशासन का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राज्य स्तर पर मिले 7 पुरस्कारों के सम्मान में मंगलवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय प्रशस्ति पत्र वितरण सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक ममता देवी, रोशन लाल चौधरी, निर्मल महतो, उपायुक्त ऋतुराज, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी, उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे। समारोह का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। पूरे सभागार में उत्साह का माहौल रहा और पंचायतों की उपलब्धियों पर तालियों की गूंज सुनाई दी। ममता देवी ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि पंचायतों की मजबूती से गांवों का भविष्य मजबूत होगा। रोशन लाल चौधरी ने कहा कि रामगढ़ ने फिर साबित किया है कि मेहनत और योजना से नई पहचान बनाई जा सकती है। निर्मल महतो ने जिला प्रशासन और पंचायत प्रतिनिधियों की सराहना की। उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि यह उपलब्धि पूरे जिले की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। अगले वर्ष इससे भी बेहतर प्रदर्शन लक्ष्य होगा। पंचायतों की मासिक मॉनिटरिंग, रैंकिंग और गुणवत्तापूर्ण कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि गर्मी को देखते हुए जलापूर्ति के लिए टास्क फोर्स गठित कर 15 दिवसीय विशेष अभियान चलाया जाएगा। रामगढ़ जिला परिषद को प्रथम स्थान के साथ 20 लाख रुपये मिले। दुलमी प्रखंड को उत्कृष्ट पंचायत समिति श्रेणी में 15 लाख रुपये तथा गोला को स्वच्छ एवं स्वस्थ पंचायत समिति श्रेणी में 15 लाख रुपये प्रदान किए गए। बरियातू पंचायत को 10 लाख रुपये, कोराम्बे पंचायत को 10 लाख रुपये, पतरातू के कंडेर ग्रामसभा को 4 लाख रुपये और दुलमी के इचातु ग्रामसभा को 4 लाख रुपये व प्रशस्ति पत्र मिला। जिला और प्रखंड स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, पंचायत सचिवों, समन्वयकों और कर्मियों को भी सम्मानित किया गया।

लू से बचाव के लिए रेलवे अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

साहिबगंज : मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मंडल रेलवे अस्पताल, मालदा, डॉ. अनुपा घोष के सहयोग से 28 अप्रैल 2026 को साहिबगंज स्थित मेडिकल हेल्थ यूनिट में भीषण गर्मी (हीट वेव) की स्थिति पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।यह कार्यक्रम डॉ. जी.पी. सिंह, एडीएमओ/एमएचयू/साहिबगंज द्वारा संचालित किया गया, जिसका उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों एवं लाभार्थियों को अत्यधिक गर्मी के कारणों, प्रभावों तथा इससे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना था। इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से संवेदनशील वर्गों में डिहाइड्रेशन, हीट एग्जॉशन एवं हीट स्ट्रोक जैसे स्वास्थ्य जोखिमों को कम करना था।

घाटशिला में ब्राउन शुगर गिरोह का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला अनुमंडल अंतर्गत मऊभंडार ओपी क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार का बड़ा खुलासा करते हुए पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में एसडीपीओ अजीत कुजूर ने मंगलवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मऊभंडार पुलिस ने छापेमारी कर सुजीत राणा, करण व्यास, अर्जुन व्यास, सौरभ दत्ता और संजय दत्ता को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान इनके पास से कुल 58 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद की

गई, जिसका कुल वजन करीब 9.380 ग्राम है। पुलिस के अनुसार सभी आरोपी मऊभंडार ए ब्लॉक और मनोहर कॉलोनी के निवासी हैं। एसडीपीओ ने जानकारी दी कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह गिरोह आदित्यपुर और सरायकेला क्षेत्र से ब्राउन शुगर लाकर घाटशिला और आसपास के इलाकों में इसकी सप्लाई करता था। खासकर स्कूल और कॉलेज के छात्रों को निशाना बनाकर उन्हें नशे की लत में धकेलने की साजिश रची जा रही थी, ताकि कम उम्र में ही ग्राहक तैयार किए जा सकें और अवैध कारोबार को तेजी से फैलाया जा सके। पूछताछ के दौरान पुलिस को इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी अहम सुराग मिले हैं। एसडीपीओ ने कहा कि गिरोह के बाकी सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही इस पूरे नेटवर्क का पदार्फाश किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि क्षेत्र में मादक पदार्थों की बिक्री और सेवन पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए पुलिस सख्त अभियान चला रही है। इस कार्रवाई में प्रखंड विकास पदाधिकारी घाटशिला यूनिका शर्मा, मऊभंडार ओपी प्रभारी नीरज कुमार गुप्ता, एसआई मुकूट आईद, एएसआई मार्सेज हेरेंज, चतरगुन राउत और विकास विरहोर सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

एक नजर

विद्युत चोरी के आरोप में चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

रामगढ़ : विद्युत ऊर्जा चोरी के आरोप में रामगढ़ थाना में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज की गई है। इस मामले में कनीय विद्युत अभियंता रोहित कुमार तिवारी ने रामगढ़ थाना में एक आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है। आवेदन में कहा है कि सोमवार को विद्युत ऊर्जा चोरी रोकथाम के लिए एक छापेमारी दल का गठन किया गया था। जिसमें सहायक विद्युत अभियंता दीपक कुमार सिंह, प्रधान सारणी सुरेंद्र राम, राजनाथ महतो एवं मानवबल सुजीत कुमार के साथ छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा का उपयोग करते मुर्रामबारी निवासी गोवर्धन महतो पर 7,500, कैथा निवासी रामकुमार करमाली पर 5,500, बाजार समिति के पीछे निवासी विजय कुमार गुप्ता पर 5,500 और बड़की नदी लोधमा निवासी श्रीकांत पांडे पर 35,500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। पुलिस ने (कांड संख्या 99/26) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

लोक शिकायत निवारण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

खूंटी : उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया के निर्देश पर आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से मंगलवार को तोरपा प्रखंड सह अंचल कार्यालय में लोक शिकायत निवारण कार्यक्रम (जन सुनवाई) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को सुलभ, पारदर्शी एवं प्रभावी मंच उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) नवीन चंद्र झा, अंचल अधिकारी (सीओ) पूजा बिन्हा एवं थाना प्रभारी मुकेश कुमार यादव ने उपस्थित लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान जमीन विवाद, प्रमाण पत्र निर्गमन सहित विभिन्न मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से कई का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। बीडीओ नवीन चंद्र झा एवं सीओ पूजा बिन्हा ने बताया कि इस जन सुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से अधिकतर समस्याओं का समाधान प्रखंड स्तर पर ही संभव है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे प्रत्येक मंगलवार को आयोजित इस कार्यक्रम में भाग लेकर अपनी समस्याओं का शीघ्र समाधान प्राप्त करें। वहीं थाना प्रभारी मुकेश कुमार यादव ने उपस्थित लोगों को पोक्सो अधिनियम, मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान एवं अवैध खेती के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। साथ ही डायल 112 सेवा एवं सड़क सुरक्षा नियमों की भी जानकारी दी। इस अवसर पर सीडीपीओ पूजा कुमारी, प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर अंकिता कुमारी, तपकारा थाना के एएसआई कैलाश उरांव, शागिल अमीन सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

रेलवे का अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान दो गोदाम और एक मकान ध्वस्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : बमामाईंस स्थित लकड़ी टाल क्षेत्र में मंगलवार को रेलवे प्रशासन ने बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। यह कार्रवाई रेलवे की जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के उद्देश्य से की गई, जिसमें रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग, रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों के साथ जिला प्रशासन की टीम भी सक्रिय रूप से शामिल रही। मौके पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंडाधिकारी की नियुक्ति की गई थी और बमामाईंस थाना की पुलिस बल की भी तैनाती की गई थी। हालांकि अभियान निर्धारित समय से करीब डेढ़ घंटे की देरी से शुरू हुआ। बताया जा रहा है कि सुरक्षा बल के जवान समय पर नहीं पहुंच पाए, जिसके कारण कार्रवाई शुरू करने में विलंब हुआ। इसके बावजूद प्रशासन ने पूरी तैयारी के साथ अभियान को अंजाम दिया और क्षेत्र में भारी पुलिस बल की मौजूदगी सुनिश्चित की गई। कार्रवाई शुरू होते ही वर्षों से रेलवे की जमीन पर रह रहे लोगों ने इसका विरोध किया। स्थानीय लोगों ने अचानक पहुंची टीम के खिलाफ नाराजगी जताई और कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। हालांकि प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को समझाते हुए बताया कि इस क्षेत्र में भविष्य में रेलवे से जुड़ी विकास परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, जिसके लिए जमीन खाली कराना जरूरी है। अधिकारियों की समझाइश और बातचीत के बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई। कई स्थानीय लोगों ने प्रशासन को सहयोग करते हुए स्वेच्छा से जमीन खाली करने की बात कही, लेकिन रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध कब्जे को किसी भी स्थिति में जारी नहीं रहने दिया जाएगा।

कपाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई देशी कट्टा के साथ युवक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सरायकेला-खरसावां पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में चलाए जा रहे एंटी क्राइम चेकिंग और अड्डेबाजी विरोधी अभियान के तहत कपाली ओपी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कपाली ओपी प्रभारी धीरंजन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर संभावित अप्रिय घटना को टाल दिया। सोमवार शाम 6:30 बजे सूचना मिली कि कपाली ओपी क्षेत्र अंतर्गत हासाडुंगरी आमबागान स्थित बालू एवं ईंट डंप के पास कुरता-पाजामा पहने एक युवक अवैध देशी कट्टा के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलते ही प्रभारी धीरंजन कुमार ने वरीय अधिकारियों को

अवगत कराते हुए टीम गठित की और तत्काल छापेमारी की। पुलिस ने घेराबंदी कर भाग रहे युवक को दबोच लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम मो. तौशीफ अंसारी (22 वर्ष), निवासी ग्रीन वैली, आजादबस्ती, जमशेदपुर बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक लोडेड देशी कट्टा और 8 एमएम की एक जिंदा गोली बरामद की गई। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चांडिल अरविंद बिनहा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। कपाली ओपी प्रभारी धीरंजन कुमार की तत्परता से बड़ी घटना टल गई। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हाथी हमले में मृत मां-बेटी के परिजनों से मिलने हाड़ात गांव पहुंचीं सविता महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के हाड़ात गांव में जंगली हाथियों के हमले में मृत मां-बेटी के परिजनों से मिलने मंगलवार को विधायक सविता महतो गांव पहुंचीं। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मिलकर ढांढस बंधाया और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। विधायक ने मृतका चाइना देवी के पति एवं घायल मोहनलाल महतो के माता-पिता से शिलदा में मुलाकात कर उनकी स्थिति का जायजा लिया और घटना के बारे में विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान विधायक ने बुजुर्ग के इलाज के लिए समय समय पर एंबुलेंस उपलब्ध कराने की बात कही। इस दौरान घायलों को सुखा राशन और आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। वहीं हाड़ात स्थित मृतका के घर पर भी चावल, चूड़ा, गुड़, बिस्कुट सहित अन्य सामग्री और श्राद्ध क्रम के लिए निजी स्तर से आर्थिक सहायता दी गई।मालूम हो कि शनिवार की सुबह हाथियों के झुंड ने गांव में हमला कर कमल चंद महतो की पत्नी चाइना देवी और उनकी बेटी अमिता बाला को कुचलकर मार डाला था। घटना में मोहनलाल महतो और उनकी मां सांतुला देवी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। विधायक सविता महतो ने कहा कि मृतका के 9 वर्षीय पुत्र अमित महतो का आवासीय विद्यालय में दाखिला कराया जाएगा, जिसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने वन विभाग को हाथियों द्वारा क्षतिग्रस्त घरों की शीघ्र मरम्मत और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने का निर्देश दिया। साथ ही बीडीओ एकता वर्मा को बच्चे के पालन-पोषण से संबंधित सभी प्रक्रियाएं जल्द पूरी करने को कहा गया। विधायक ने डीएफओ से फोन पर बातचीत कर क्षेत्र में हाथियों के उत्पात को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

खूंटी में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), खूंटी की ओर से मंगलवार को 90 दिवसीय सघन विधिक जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में शुरू किया गया है। अभियान को तीन चरणों में संचालित किया जाएगा। अभियान की शुरूआत प्रभात फेरी के साथ हुई, जिसमें न्यायिक पदाधिकारी, पैनल अधिवक्ता, मध्यस्थगण एवं डालसा कर्मियों ने भाग लिया। रैली सिविल कोर्ट परिसर से निकलकर भगत सिंह चौक तक पहुंची। प्रतिभागियों ने बैनर और तख्तियों के माध्यम से लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता, टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के हर गांव तक पहुंचकर लोगों की समस्याओं का आकलन करना, जरूरतमंदों की पहचान करना तथा उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना है। इसके तहत घर-घर विधिक जागरूकता अभियान, विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर, सूचना-शिक्षा-संचार (आईईसी) सामग्री का वितरण एवं विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कार्यक्रम चलाए जाएंगे। महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए विशेष कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। अभियान के दौरान नालसा और झालसा की योजनाओं, पीड़ित प्रतिकर योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। उपकारा, खूंटी में बंदियों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी तथा जरूरत पड़ने पर उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

मुरी जंक्शन पर मालगाड़ी में लगी आग रेलकर्मियों की सूझबूझ से टला हादसा

मुरी : दक्षिण पूर्व रेलवे के मुरी जंक्शन पर मंगलवार के दिन सुबह लगभग 11 बजे हटिया की ओर से 59 डिब्बे वाली मालगाड़ी प्लेटफार्म संख्या एक एवं दो के बीच लाइन नंबर दो पर पहुंची जिसमें कोयला लोड था। इस मालगाड़ी को हटिया से बोकारो की ओर जाना था। इसी बीच मालगाड़ी के एक डिब्बे से धुआं निकलते हुए देखा गया और स्थिति की जानकारी रेलवे अधिकारियों को दी गई। सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी सतर्क हो गए एवं यांत्रिक विभाग (सी& डब्ल्यू) के रेलकर्मी रविंद्र नाथ महतो, मंटू महतो,राजकुमार महतो एवं हेमावती महतो को आग बुझाने के कार्य में लगाया गया,जहां रेल कर्मियों ने वैगन के ऊपर चढ़कर पाइप के सहारे पानी डालकर आग पर काबू पाया जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई। मौके पर रेलवे के कई अधिकारी एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे।

औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम मामले का फरार आरोपी गिरफ्तार

रामगढ़ : रामगढ़ थाना पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम (ड्रग्स एवं कॉस्मेटिक एक्ट) मामले के आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की पकड़ में आए आरोपित की पहचान पुरनी मंडप गोलपार निवासी प्रमोद सोनी उर्फ गजनी, पिता स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद सोनी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपित के खिलाफ रामगढ़ थाना कांड संख्या 183/25 के तहत औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम सहित अन्य सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज था। मामले के दर्ज होने के बाद से ही वह फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही थी। गोपनीय सूचना और लगातार निगरानी के बाद रामगढ़ थाना पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तारी के बाद आरोपित से पूछताछ की गई और आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस ने सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम से जुड़े मामलों में सख्त कार्रवाई की जा रही है और कानून का उल्लंघन करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में अवैध दवाओं और प्रतिबंधित पदार्थों के कारोबार पर लगातार नजर रखी जा रही है।

प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय ने एलआरडीसी कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

गढ़वा : पलामू प्रमंडल की आयुक्त कुमुद सहाय ने मंगलवार को भूमि सुधार उप समाहर्ता (एलआरडीसी) कार्यालय, गढ़वा का औचक निरीक्षण कर राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में संधारित विभिन्न पंजियों, अभिलेखों और लंबित मामलों की स्थिति का विस्तार से जायजा लिया। कई पंजियां अद्यतन नहीं पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को सभी अभिलेखों को समयबद्ध तरीके से अद्यतन करने का सख्त निर्देश दिया। आयुक्त ने कार्यालय में सहायक एवं एलडीसी के सेवा पुस्तक की जांच की। इसके साथ ही सूचना का अधिकार (आरटीआई) पंजी, आगत-निर्गत पंजी सहित अन्य आवश्यक अभिलेखों का अवलोकन कर उनकी अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कार्यालयी अभिलेखों का संधारण व्यवस्थित, पारदर्शी और अद्यतन रहना चाहिए, ताकि आमजनों को समय पर और बिना किसी बाधा के सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। प्रमंडलीय आयुक्त ने लंबित अपीलीय मामलों की समीक्षा करते हुए ई-रेवेन्यू कोर्ट से जुड़े मामलों, दाखिल-खारिज के लंबित अपीलीय मामलों तथा अन्य राजस्व मामलों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों के कारण आम जनता को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता है, इसलिए इनके त्वरित निपटारे को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा के दौरान उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष में लक्ष्य के अनुरूप हुई वसूली की जानकारी ली। साथ ही चालू वित्तीय वर्ष में निर्धारित राजस्व लक्ष्य को समय पर प्राप्त करने के लिए अधिकारियों को तत्परता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने रेंट फिक्सेशन, दखल-दिहानी, सर्टिफिकेट केस, कैंप कोर्ट तथा भूदान भूमि की वर्तमान स्थिति की भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इन सभी मामलों में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा और लंबित मामलों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कुमुद सहाय ने कहा कि राजस्व प्रशासन की पारदर्शिता और दक्षता सीधे आम जनता के हितों से जुड़ी हुई है। इसलिए हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता की शिकायतों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान आयुक्त के सचिव बिजय वर्मा, गढ़वा के उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा भी उपस्थित रहे। मौके पर गढ़वा के भूमि सुधार उप समाहर्ता रविश राज सिंह ने कार्यालय की कार्यप्रणाली और लंबित मामलों की स्थिति से आयुक्त को अवगत कराया।

टाटानगर रेल मार्ग पर ट्रेनों की लेटलतीफी के खिलाफ सभी दलों से समर्थन जुटाने में लगे विधायक सरयू राय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने टाटानगर और आसपास के रेल मार्गों पर ट्रेनों की लगातार लेटलतीफी के खिलाफ चल रहे आंदोलन को और व्यापक बनाने की रणनीति तेज कर दी है। उन्होंने इस जनसमस्या को राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठाकर सभी दलों का समर्थन जुटाने की पहल शुरू की है। मंगलवार को विधायक सरयू राय ने बताया कि इस मुद्दे पर उन्होंने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू से बातचीत की है। उन्होंने दोनों नेताओं से आंदोलन में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया है। साथ ही, मंडल रेल

प्रबंधक (डीआरएम) को सौंपे गए ज्ञापन की प्रति भी उन्हें भेजी गई है, ताकि इस जनमुद्दे पर व्यापक समर्थन तैयार किया जा सके। सरयू राय ने कहा कि ट्रेनों की देरी अब आम जनता की गंभीर समस्या बन चुकी है। इससे नौकरीपेशा लोगों, छात्रों और रोजाना यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि समय पर ट्रेन नहीं चलने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है और यात्रियों में लगातार असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने चक्रधरपुर रेल मंडल के अधिकारियों पर आरोप लगाया कि वे वास्तविक स्थिति को छिपाने के लिए समय की पाबंदी (पंक्चुअलिटी) के भ्रामक आंकड़े पेश कर रहे हैं। सीनियर डीसीएम द्वारा 65 से 70 प्रतिशत समयपालन का दावा किए जाने पर उन्होंने सवाल उठाया कि यह आंकड़ा किन ट्रेनों और किस अवधि के आधार पर तैयार किया गया है। विधायक ने विशेष रूप से चांडिल, कांड्रा और राखा माइंस से टाटानगर के बीच ट्रेनों के घंटों विलंब का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह सामान्य परिचालन समस्या नहीं, बल्कि व्यवस्थागत खामी का स्पष्ट संकेत है। उनके अनुसार, यात्री ट्रेनों को रोककर मालगाड़ियों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई है। सरयू राय ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के बयान का हवाला देते हुए कहा कि बढ़ते औद्योगिक परिवहन के दबाव को संतुलित करने के लिए रेल बुनियादी ढांचे का विस्तार आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केवल दावों से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस कार्यवाही की जरूरत है। उन्होंने टाटानगर क्षेत्र में रेल इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी पर भी चिंता जताई और आदित्यपुर से सलगाजुड़ी तक तीसरी रेल लाइन बिछाने की मांग दोहराई। राय ने कहा कि घाटशिला से बहरागोड़ा और सरायकेला से आदित्यपुर तक इस आंदोलन को फैलाया जाएगा, ताकि यह पूरे क्षेत्र की सामूहिक आवाज बन सके और रेलवे प्रशासन पर प्रभावी दबाव बनाया जा सके।

कार्यालय, अनुमण्डल –सह– जिला कृषि पदाधिकारी, चतरा

किसान भाईयों के लिये आवश्यक सूचना

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026–27 में केन्द्रीय प्रयोजित योजनाओं Mission For Aatmanirbharta in Pulses योजनान्तर्गत उप निदेशक (यो0) –सह– नोडल पदाधिकारी Pulses Mission कृषि निदेशालय, झारखण्ड, राँची का पत्रांक 1798 दिनांक 10.04.2026 एवं पत्रांक 1927 दिनांक 16.04.2026 के द्वारा चतरा जिला में Mission for Aatmanirbharta in Pulses एवं NFSNM- Nutri Cereal योजनान्तर्गत बीज उत्पादन किया जाना है।

क्र0 सं0	योजना का कार्य अवयव	लक्ष्य (हे0/यूनिट)
1	Mission for Aatmanirbharta in Pulses	01 Post-Harvest Infrastructure (Processing units) के अधिष्ठापन का लक्ष्य निर्धारित हैं जिस पर योजनान्तर्गत Rate of assistance for Processing and packaging unit is 33% of the project cost or upto Rs. 25 lakh per unit (whichever is less) अनुदान का प्रावधान है।
2	Mission for Aatmanirbharta in Pulses and NFSNM- Nutri Cereal	NFSNM-Nutri Cereal योजनान्तर्गत Certified Seed Production- Tur/Arhar, Gram, Urad, Moong, Lentil and Ragi विभिन्न फसलों हेतु खरीफ एवं रबी मौसम में बीज का उत्पादन का लक्ष्य निर्धारत है। जिस पर प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है।

क्र0 सं0	फसल का नाम	लक्ष्य (हे0 में)	अनुदान की दर (हे0 में)
1	अरहर	120	4500.00
2	उरद	20	3000.00
3	मूँग	10	3000.00
4	चना	360	1800.00
5	मसूर	60	3000.00
6	रागी	33	3000.00

योजना के विभिन्न कार्य अवयवों का लाभ लेने हेतु इच्छुक कृषक/स्वयं सहायता समूह/किसान उत्पादन संगठन FPOs/ NGOs अपना आवेदन पंचायती राज संस्था के मुखिया/जनप्रतिनिधि/ जिला परिषद सदस्य से अनुशंसा कराकर आवश्यक कागजात यथा पहचान पत्र/आधार कार्ड/ बैंक पासबुक विवरणी/ मोबाईल नम्बर/ जमीन का रकबा/जमीन का खाता संख्या/प्लॉट नम्बर के साथ पूर्ण विवरणी संलग्न करते हुए दिनांक 12.05.2026 के संध्या 5.00 बजे तक अनुमण्डल सह जिला कृषि कार्यालय संयुक्त जिला संयुक्त कृषि भवन, तपेज चतरा में जमा कर सकते है।

(क) लाभुक का चयन प्रखण्डवार निर्धारित लक्ष्य अनुरूप पहले आओ–पहले पाओं के आधार पर किया जाएगा।
(ख) अनुदान हेतु लाभुक चयन के लिए निम्नाकित न्यूनतम मापदण्ड आवश्यक होगा।
(ग) योजना की विस्तृत जानकारी हेतु अपने– अपने प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी/ BTM/ATM एवं जिला कृषि कार्यालय, चतरा से प्राप्त की जा सकती है।

अनुमण्डल–सह–जिला कृषि पदाधिकारी, चतरा

PR 378598 (Agriculture)26-27*D

नई बयारः अधेड़ भारतीयों में आकर्षक दिखने की चाहत

भारत में एक अलग तरह की क्रांति दस्तक दे रही है। मध्यम आयु वर्ग के पुरुष और महिलाएं अब अपने आपको अधिक आकर्षक और आत्मविश्वासपूर्ण बनाने के लिए चेहरे की एडवांस सर्जरी करवा रहे हैं। समय के साथ बढ़ती उम्र, व्यस्त जीवनशैली और बदलते सामाजिक-व्यावसायिक माहौल में ये लोग अब केवल स्वस्थ रहने पर ही नहीं बल्कि बाहरी रूप-सौंदर्य को बनाए रखने पर भी गंभीरतापूर्वक ध्यान दे रहे हैं। इस सर्जरी को डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी कहते हैं। पहले यह सर्जरी सिर्फ बड़े-बड़े सितारों तक ही सीमित थी लेकिन अब मिडिल क्लास भारतीय भी इसके लिए स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से सलाह ले रहे हैं। पूरे भारत में 40 से 65 साल के पुरुष और महिलाएं इस सर्जरी की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। यह सर्जरी चेहरे को नाटकीय तरीके से नहीं बल्कि बहुत नेचुरल और सूक्ष्म तरीके से जवान बनाती है। लोग अपनी उम्र के साथ आने वाली झुर्रियों, ढीली त्वचा और थकी हुई लुक से छुटकारा पाना चाहते हैं। इस तकनीक को भारत में आगे बढ़ाने वाले दिल्ली के मशहूर फेशियल प्लास्टिक सर्जन डॉ. प्रतीक शर्मा, जो पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से जुड़े थे और आजकल राजधानी के ईवाइट एस्थेटिक्स अस्पताल में कार्यरत हैं, ने एक सेमिनार में बताया कि गहरी लेयर्स को लिफ्ट करने से रिजल्ट ज्यादा लंबे समय तक रहते हैं और चेहरा ज्यादा नैचुरल और संतुलित दिखता है।

वे कहते हैं, ये सिर्फ झुर्रियाँ मिटाने की बात नहीं है। ये लोगों को आत्मविश्वास वापस लौटाने और दुनिया के सामने नए जोश के साथ खड़े होने में मदद करता है। डीप प्लेन फेसलिफ्ट आखिर है क्या? साधारण फेसलिफ्ट सर्जरी में सिर्फ ऊपरी स्किन को खींचा जाता है। लेकिन डीप प्लेन फेसलिफ्ट उससे कहीं आगे जाती है। इसमें उम्र के साथ ढीले पड़ चुके मसल्स, फैट पैड्स और कनेक्टिव टिश्यू को भी ध्यान से संभाला जाता है। सर्जन इन सबको एक साथ एक यूनिट के रूप में ऊपर उठाता है। इसमें मिड-फेस, जबड़ा, गाल और गर्दन सब शामिल होते हैं। इससे चेहरा स्मूद हो जाता है, नाक से मुंह तक की गहरी लकीरें कम हो जाती हैं और चेहरे में फिर से जवानी वाली चमक लौट आती है। यह प्रक्रिया चेहरे की गहराई में काम करती है इसलिए नतीजा बहुत प्राकृतिक लगता है।

पहले एम्स से जुड़ी रही प्लास्टिक सर्जन डॉ. श्रेया गर्ग, जो अब अलोइसियावाइट एस्थेटिक्स अस्पताल में कार्यरत हैं, बताती हैं कि यह प्रोसीजर अब अमीरों की लग्जरी नहीं रह गई है। अब लोअर मिडिल क्लास परिवारों की महिलाएं और पुरुष भी इसे करवा रहे हैं। खास बात यह है कि बदलाव बहुत सूक्ष्म लेकिन असरदार होता है। आत्मविश्वास बढ़ता है, लेकिन कोई यह नहीं कह पाता कि इन्होंने कुछ करवाया है। दोस्त और परिवार वाले बस इतना कहते हैं कि आप बहुत तरोताजा और खुश दिख रहे हैं। विशेषज्ञों के पास परामर्श के लिए हर वर्ग से लोग आ रहे हैं। सरकारी नौकरी वाले, प्राइवेट सेक्टर के मैनेजर, बिजनेसमैन और घरेलू महिलाएं सभी इसमें रुचि ले रहे हैं। लोग अब कॉस्मेटिक सर्जरी को दिखावा नहीं बल्कि अपने इमेज, करियर और वेल-बीइंग में निवेश मानते हैं। उम्र तो सबको लगती है, यह सर्जरी बस उस मैदान को थोड़ा बराबर कर देती है। इसके अलावा, यह सर्जरी गर्दन की त्वचा को भी टाइट करती है, जिससे डबल चिन जैसी समस्या कम हो जाती है। चेहरे पर थकान का भाव कम होता है और आंखों के नीचे की सूजन भी घटती है। रिकवरी का समय भी अब पहले से काफी कम हो गया है। ज्यादातर लोग 10-14 दिनों में सामान्य कामकाज पर लौट आते हैं।

सर्जरी से पहले डॉक्टर पूरी जांच करते हैं। ब्लड टेस्ट, हार्ट चेकअप और मेडिकल हिस्ट्री देखी जाती है। सर्जरी जनरल एनेस्थीसिया में होती है और इसमें दो से चार घंटे लगते हैं। बाद में हल्का सूजन और चोट के निशान रह सकते हैं, जो धीरे-धीरे ठीक हो जाते हैं। अमेरिका और यूरोप में यह हॉलीवुड और फैशन जगत की कई हस्तियों का पसंदीदा विकल्प बन चुका है।

राहुल गांधी की नागरिकता का जिन्न फिर बाहर, सात मई को लखनऊ में सुनवाई

संजय सक्सेना

लखनऊ की सियासी गलियों में इन दिनों एक ऐसा विवाद गरमाता जा रहा है जो कांग्रेस के सबसे बड़े चेहरे, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता को ही चुनौती दे रहा है। कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर याचिका अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ पहुंच चुकी है, जहां न्यायमूर्ति मनीष माथुर ने सुनवाई संभाली है। अदालत ने याचिकाकर्ता को दस्तावेज दाखिल करने का समय देते हुए अगली सुनवाई सात मई तय कर दी है। इससे पहले जस्टिस सुभाष विद्यार्थी इस केस से खुद को अलग कर चुके थे। यह मामला न सिर्फ राहुल गांधी की राजनीतिक छवि पर सवाल खड़े कर रहा है, बल्कि भारतीय नागरिकता कानून की पड़ताल भी करा रहा है। भाजपा समर्थक शिशिर का दावा है कि राहुल गांधी ने ब्रिटिश नागरिकता ले रखी है, जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 84 के तहत लोकसभा सदस्य बनने की अयोग्यता का आधार बन सकती है। यदि अदालत ने इस दिशा में कोई सख्त कदम उठाया, तो राहुल की मुश्किलें न सिर्फ कानूनी तौर पर बढ़ेंगी, बल्कि राजनीतिक रूप से भी विपक्ष की एकजुटता पर असर डालेंगी। आइए, इस पूरे विवाद की गहराई में उतरें और समझें कि सात मई की सुनवाई राहुल के लिए कैसे उलटफेर ला सकती है।

यह विवाद की शुरूआत लखनऊ की एक निचली अदालत से हुई, जहां शिशिर ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। उनका आरोप था कि राहुल ने 2004-2005 में ब्रिटेन में कंपनी रजिस्ट्रेशन के दौरान खुद को ब्रिटिश नागरिक बताया था। दस्तावेजों के हवाले से शिशिर ने कहा कि राहुल ने बैकॉप एंटरप्राइजेज (प्रीमियर शिपिंग) कंपनी में डायरेक्टर के रूप में हस्ताक्षर किए, जिसमें नागरिकता ब्रिटिश दर्ज थी। भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 9 के मुताबिक, यदि कोई भारतीय नागरिक विदेशी नागरिकता ग्रहण करता है, तो उसकी भारतीय नागरिकता स्वतः समाप्त हो जाती है। याचिकाकर्ता का तर्क था कि यह दोहरी नागरिकता का स्पष्ट मामला है, जो सुप्रीम कोर्ट के 2019 के फैसले से भी प्रतिबंधित है। निचली अदालत ने इस याचिका को खारिज कर दिया, लेकिन शिशिर हाईकोर्ट पहुंचे।

17 अप्रैल को जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की एकलपीठ ने खुली अदालत में मौखिक आदेश दिया कि उत्तर प्रदेश सरकार राहुल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करे और जांच कराए। यह राहुल के लिए बड़ा झटका था, क्योंकि इससे न सिर्फ उनकी नागरिकता पर सवाल उठते, बल्कि लोकसभा सदस्यता पर भी खतरा मंडराने लगता। लेकिन अगले ही दिन, 18 अप्रैल को लिखित आदेश में जज ने अपना फैसला बदल दिया। उन्होंने कहा कि राहुल को नोटिस जारी किए बिना फैसला उचित नहीं। इस यू-टर्न ने शिशिर को भड़का दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट डाले, हालांकि जज का नाम नहीं लिया, लेकिन केस से जुड़े मुद्दों पर तीखी टिप्पणियां कीं। इससे नाराज जस्टिस विद्यार्थी ने 20 अप्रैल को खुद को केस से अलग कर लिया। अब जस्टिस मनीष माथुर ने कमान संभाली है, और सात मई को नई सुनवाई होगी। शिशिर को दस्तावेज जमा करने का समय मिला है, जिसमें वे ब्रिटिश रजिस्ट्रेशन के प्रमाण, राहुल के पिता फीरोज गांधी के ब्रिटिश मूल और परिवार के ऐतिहासिक कनेक्शन के दस्तावेज पेश कर सकते हैं।

इस पूरे ड्रामे का राजनीतिक आयाम बेहद रोचक है। भाजपा इसे कांग्रेस के परिवारवाद और विदेशी मूल के पुराने नैरेटिव को फिर से हवा देने का मौका मान रही है। 2019 लोकसभा चुनाव से पहले भी यही मुद्दा गरमाया था, जब पीएम मोदी ने राहुल कौन हैं का सवाल उठाया था। अब 2024 चुनाव के बाद, जब राहुल नेता विपक्ष बने हैं, यह मुद्दा भाजपा के लिए रणनीतिक हथियार बन सकता है। कर्नाटक से शिशिर का भाजपा से जुड़ाव कोई संयोग नहीं लगता; यह पार्टी की राष्ट्रीय रणनीति का हिस्सा हो सकता है। दूसरी ओर, कांग्रेस इसे राजनीतिक साजिश बता रही है। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनाते ने कहा कि यह भाजपा का ट्रोल आर्मी का कमाल है, और राहुल की नागरिकता पर कोई सवाल नहीं। लेकिन अदालत अगर शिशिर के दावों को गंभीरता से लेती है, तो जांच के आदेश पर राहुल को सफाई देनी पड़ सकती है। इससे उनकी छवि पर धब्बा लगेगा, खासकर युवा वोटरों और मध्यम वर्ग में जो पारदर्शिता की उम्मीद करते हैं।

अब सवाल यह है कि सात मई की सुनवाई में राहुल की मुश्किलें कैसे बढ़ सकती हैं? सबसे पहले, यदि जस्टिस मनीष माथुर दस्तावेजों की प्रारंभिक जांच के बाद एफआईआर का आदेश देते हैं, तो उत्तर प्रदेश पुलिस को केस दर्ज करना पड़ेगा। इसमें आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी), 468 (जालसाजी) और नागरिकता कानून के उल्लंघन के आरोप लग सकते हैं। जांच में ब्रिटिश दूतावास या कंपनियों रजिस्ट्रार से दस्तावेज मंगाए जा सकते हैं, जो समय लेगा लेकिन राहुल को कोर्ट में पेशी देनी पड़ सकती है। दूसरा, यदि कोर्ट राहुल को नोटिस जारी करता है, तो उन्हें हलफनामा देकर नागरिकता साबित करनी होगी। उनके ब्रिटिश पासपोर्ट या कंपनी दस्तावेज नकारना मुश्किल होगा, क्योंकि यूके के रिकॉर्ड सार्वजनिक हैं। तीसरा, शिशिर ने एक और याचिका दायर की है, जिसकी सुनवाई अगले सप्ताह हो सकती है। यदि दोनों याचिकाएं जुड़ जाती हैं, तो मामला और जटिल हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट तक जाने पर यह राष्ट्रीय बहस बन सकता है।

इसके कानूनी निहितार्थ गहरे हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 102(1)(क) के तहत, यदि कोई सांसद विदेशी नागरिकता रखता पकड़ा जाता है, तो उसकी सदस्यता समाप्त हो सकती है। 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने लुधियाना केस में कहा था कि दोहरी नागरिकता अमान्य है। राहुल का मामला इससे मिलता-जुलता है। यदि साबित हो गया, तो उपचुनाव होगा, और कांग्रेस की लोकसभा सीटें घटेंगी। राजनीतिक रूप से, यह 2029 चुनाव से पहले विपक्ष को कमजोर करेगा। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा की मेहनत पर पानी फिर सकता है। लेकिन राहुल के पास मजबूत बचाव है. वे कह सकते हैं कि कंपनी रजिस्ट्रेशन में गलती हुई या यह पुराना मामला है। कांग्रेस ने पहले भी दावा किया कि राहुल जन्मजात भारतीय हैं।

विवाद का व्यापक विश्लेषण करें तो यह भारतीय राजनीति की पुरानी बीमारी को उजागर करता है। नेहरू-गांधी का ठप्पा 1980 से लगा है। इंदिरा गांधी के पति फीरोज के पारसी-ब्रिटिश मूल से लेकर सोनिया गांधी की इतालवी पृष्ठभूमि तक, भाजपा ने इसे हथियार बनाया। अब राहुल पर फोकस है। शिशिर जैसे कार्यकर्ता सोशल मीडिया के जरिए इसे वायरल कर रहे हैं, जो #राहुलब्रिटिशसिटीजन जैसे ट्रेंड बना सकता है। लेकिन न्यायपालिका पर दबाव न डालें, यही लोकतंत्र की ताकत है। जस्टिस मनीष माथुर का रुख अहम होगा। यदि वे सख्ती बरतते हैं, तो राहुल को निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ना पड़ेगा। इससे संसद सत्र बाधित हो सकते हैं, और विपक्ष की आक्रामकता कमजोर पड़ सकती है।

एक अन्य कोण यह है कि यह मामला नागरिकता कानून पर बहस छेड़ सकता है। एनआरसी-सीएए विवाद के बाद, अब विपक्षी नेताओं पर ही सवाल उठना विडंबना है। शिशिर की याचिका यदि सफल हुई, तो अन्य नेताओं पर भी निशाना साधा जा सकता है। लेकिन फिलहाल, सात मई का इंतजार है। यदि कोर्ट ने जांच के आदेश दिए, तो राहुल की राजनीतिक यात्रा पर सबसे बड़ा संकट आएगाकृनागरिकता साबित न कर पाए तो लोकसभा से बाहर। कांग्रेस संगठन में हड़बड़ी मचेगी, और प्रियंका या अन्य चेहरे आगे आ सकते हैं। भाजपा इसे कर्म का फल बताएगी। कुल मिलाकर, यह विवाद न सिर्फ कानूनी जंग है, बल्कि सियासी चालबाजी का खेल भी। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप तक यह चलता रहेगा, और राहुल की किस्मत पर असर डालेगा।

बंगाल के रण में यूपी के 'सिंघम' पर उठते सवाल

अजय कुमार

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 29 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले सूबे की सियासत में जबरदस्त उबाल आ गया है। इस बार विवाद के केंद्र में कोई राजनेता नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश कैडर के चर्चित आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा हैं, जिनकी तैनाती ने चुनाव आयोग से लेकर राजनीतिक गलियारों तक हलचल पैदा कर दी है। दक्षिण 24 परगना जिले में पुलिस पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) के रूप में तैनात अजय पाल शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है, जिसमें वह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार जहांगीर खान के परिजनों और समर्थकों को सख्त लहजे में चेतावनी देते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद बंगाल से लेकर लखनऊ तक की राजनीति गर्मा गई है और चुनाव की निष्पक्षता पर सवालिया निशान खड़े होने लगे हैं। विवाद की शुरूआत तब हुई जब अजय पाल शर्मा को फाल्टा निर्वाचन क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों के दौरे पर भेजा गया। बताया जा रहा है कि उन्हें लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान के लोग मतदाताओं को धमका रहे हैं और डरा-धमकाकर वोट हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। जब शर्मा भारी सुरक्षा बल के साथ जहांगीर खान के आवास पर पहुंचे, तो वहां का नजारा देख वह भी हैरान रह गए। घर के बाहर पश्चिम बंगाल पुलिस के 14 जवान तैनात थे। नियमों के मुताबिक, जहांगीर को वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है जिसके तहत केवल 10 जवान तैनात होने चाहिए थे। अतिरिक्त चार जवानों की मौजूदगी पर शर्मा ने तत्काल स्थानीय पुलिस अधीक्षक से जवाब तलब किया। लेकिन बात सिर्फ जवानों की संख्या तक सीमित नहीं रही। वायरल वीडियो में शर्मा को यह कहते सुना जा सकता है कि जहांगीर को समझा देना, लोगों को धमकाना बंद कर दे, वरना अच्छे से उसकी खबर लेंगे। उनकी इस कड़क आवाज ने जहां एक तरफ कानून व्यवस्था के समर्थकों को उत्साहित किया, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दलों ने इसे सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करार दिया।

जहांगीर खान, जिन पर यह पूरा विवाद केंद्रित है, दक्षिण 24 परगना की फाल्टा सीट से टीएमसी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। 41 साल के जहांगीर की छवि क्षेत्र में एक प्रभावशाली नेता की है, लेकिन उनके विरोधियों, विशेषकर बीजेपी ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बीजेपी का दावा है कि जहांगीर खान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के बेहद करीबी हैं और उन्हें अभिषेक का 'दाहिना हाथ' कहा जाता है। आरोप तो यहां तक हैं कि वह इलाके में एक बड़ा सिंडिकेट नेटवर्क चलाते हैं जो जमीन हड़पने, तस्करी और संगठित अपराधों में शामिल है। हालांकि, आधिकारिक रिकॉर्ड में जहांगीर खान का दामन साफ दिखता है, उन पर कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है और उन्होंने अपनी संपत्ति करीब 2.1 करोड़ रुपये घोषित की है। बावजूद इसके, राजनीतिक हलकों में उन्हें 'भाईपो' (भतीजा) के हितों की रक्षा करने वाला सिपाही माना जाता है। अजय पाल शर्मा की इस कार्रवाई पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। अखिलेश ने शर्मा को बीजेपी का 'टेस्ट किया हुआ एजेंट' करार देते हुए सोशल मीडिया पर लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने रामपुर और संभल जैसे इलाकों में जो प्रयोग किए थे, अब उन्हीं अधिकारियों को बंगाल भेजकर मतदाताओं को डराने की कोशिश की जा रही है। अखिलेश यादव ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि ये अधिकारी जो 'अनरजिस्टर्ड अंडरग्राउंड सदस्य' की तरह काम कर रहे हैं, समय आने पर इनकी जांच होगी और इन्हें खोज निकाला जाएगा। टीएमसी ने भी अखिलेश के सुर में सुर मिलाते हुए शर्मा को 'मुठभेड़ विशेषज्ञ' और 'ठोक दो' संस्कृति का पोषक बताया। टीएमसी का तर्क है कि जिस अधिकारी पर खुद भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश के आरोप लगे हों, उसे चुनाव आयोग ने निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कैसे तैनात कर दिया? पार्टी ने जनवरी 2020 की उस घटना का भी जिक्र किया जब शर्मा का तबादला रामपुर से उन्नाव कर दिया गया था और उनके खिलाफ सतर्कता जांच की सिफारिश की गई थी।

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी अजय पाल शर्मा के समर्थन में मजबूती से खड़ी है। बीजेपी नेताओं का कहना है कि बंगाल में दशकों से चुनावी हिंसा और धांधली का बोलबाला रहा है, जिसे रोकने के लिए शर्मा जैसे 'सिंघम' छवि वाले अधिकारी की सख्त जरूरत थी। पार्टी का मानना है कि जहांगीर खान जैसे लोग, जो सालों से लोगों को वोट डालने से रोकते आए हैं, अब एक ईमानदार अधिकारी की सख्ती से घबरा रहे हैं। बीजेपी ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में अभिषेक बनर्जी को फाल्टा से 89 प्रतिशत वोट इसीलिए मिले क्योंकि जहांगीर खान ने विपक्ष को बूथों तक फटकने नहीं दिया था। अब जब प्रशासन निष्पक्ष चुनाव कराने की कोशिश कर रहा है, तो टीएमसी बौखलाहट में निजी हमले कर रही है। जहांगीर खान ने खुद पर लगे आरोपों और शर्मा की चेतावनी पर पलटवार करते हुए इसे लोकतंत्र की हत्या बताया है।

खान का कहना है कि एक पुलिस पर्यवेक्षक का काम शांति व्यवस्था देखना होता है, न कि किसी उम्मीदवार के परिवार को घर जाकर धमकाना। उन्होंने इसे बीजेपी के पक्ष में किया जा रहा 'गैरकानूनी' काम करार दिया और साफ किया कि टीएमसी कार्यकर्ता इन धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। जहांगीर के मुताबिक, उन्हें घेरने की यह कोशिश इसलिए हो रही है क्योंकि बीजेपी को अपनी हार साफ नजर आ रही है।इस पूरे प्रकरण ने चुनाव आयोग की भूमिका को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को बंगाल में तैनात करना एक सोची-समझी रणनीति मानी जा रही है ताकि स्थानीय प्रशासन पर सत्ताधारी दल का दबाव कम किया जा सके। अजय पाल शर्मा, जो 2011 बैच के आईपीएस हैं और वर्तमान में प्रयागराज में तैनात हैं, यूपी में अपनी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की छवि के लिए मशहूर हैं। उनकी कार्यशैली अक्सर विवादों में रहती है, लेकिन आम जनता के बीच उन्हें एक न्यायप्रिय और कड़क अधिकारी के तौर पर देखा जाता है। बंगाल की संवेदनशील धरती पर उनकी मौजूदगी ने निश्चित रूप से अपराधियों और चुनावी धांधली करने वालों के मन में खौफ पैदा किया है, लेकिन क्या यह कार्रवाई निष्पक्षता की सीमाओं में है या राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा, यह आने वाले चुनाव परिणाम और आयोग की रिपोर्ट तय करेगी। फिलहाल, फाल्टा की जमीन पर छिड़ी यह जंग अब व्यक्तिगत आरोपों से निकलकर संवैधानिक संस्थाओं की साख तक पहुंच गई है।

सूडोकु नवताल- 7779

✱✱✱✱✩ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7778 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

अनुसूचित जाति आरक्षण और मतांतरणः संवैधानिक सीमाएँ, न्यायिक दृष्टिकोण

कैलाश चन्द्र

भारत का संवैधानिक ढाँचा अनुसूचित जातियों (एससी) को उन ऐतिहासिक सामाजिक विषमताओं से उबारने के लिए विशेष संरक्षण और आरक्षण प्रदान करता है, जो सदियों से चले आ रहे अस्पृश्यता, बहिष्कार और जातिगत उत्पीड़न से उत्पन्न हुई हैं। यह व्यवस्था केवल आर्थिक पिछड़ेपन का समाधान नहीं है बल्कि एक गहरे सामाजिक अन्याय के प्रतिकार के रूप में विकसित की गई है। इसी कारण अनुसूचित जाति का दर्जा मूलतः उस सामाजिक-धार्मिक संरचना से जुड़ा माना गया है, जिसमें यह उत्पीड़न उत्पन्न हुआ अर्थात पारंपरिक हिंदू सामाजिक व्यवस्था। संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 के अनुसार एससी का दर्जा प्रारंभ में केवल हिंदुओं तक सीमित था, जिसे बाद में संशोधनों के माध्यम से सिख (1956) और बौद्ध (1990) समुदायों तक विस्तारित किया गया। इस व्यवस्था के अंतर्गत यदि कोई व्यक्ति, जो मूलतः एससी समुदाय से आता है, इस्लाम या ईसाई धर्म अपना लेता है तो वह एससी के लिए उपलब्ध आरक्षण और विशेषाधिकारों का दावा नहीं कर सकता। इस सिद्धांत के पीछे यह धारणा है कि इन धर्मों में वह संरचित जाति-आधारित अस्पृश्यता नहीं है, जिसके निवारण हेतु एससी आरक्षण की व्यवस्था की गई थी।

समस्या तब जटिल हो जाती है जब धर्म परिवर्तन के बाद भी कोई व्यक्ति एससी आरक्षण का लाभ लेना जारी रखता है या अपनी धार्मिक पहचान को अस्पष्ट रखकर संवैधानिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास करता है। ऐसी स्थिति न केवल संविधान की मूल भावना को आहत करती है बल्कि वास्तविक वंचित वर्गों के अधिकारों का हनन भी करती है। न्यायपालिका ने इस विषय पर अनेक बार स्पष्ट किया है कि धर्म परिवर्तन से सामाजिक पहचान का प्रश्न पूरी तरह समाप्त नहीं होता, किंतु एससी आरक्षण का अधिकार समाप्त हो जाता है, जब तक यह प्रमाणित न हो कि नए धर्म में भी व्यक्ति समान सामाजिक उत्पीड़न का सामना कर रहा है।

इस जटिल प्रश्न को समझने के लिए पश्चिम बंगाल की एक चर्चित राजनीतिक घटना अपरूपा पोद्दार उर्फ. आफरीन अली का प्रकरण महत्वपूर्ण केस स्टडी प्रस्तुत करता है। अपरूपा पोद्दार का जन्म एक हिंदू अनुसूचित जाति परिवार में हुआ था। वर्ष 2007 में उन्होंने रिशड़ा क्षेत्र के स्थानीय पार्षद मोहम्मद शाकिर अली से विवाह किया। कुछ मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया गया कि विवाह के बाद उन्होंने इस्लाम स्वीकार कर आफरीन अली नाम धारण किया, जबकि उन्होंने स्वयं सार्वजनिक रूप से कहा कि उन्होंने केवल नाम बदला है, धर्म नहीं।

विवाद तब गहराया जब 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्हें आरामबाग (एससी आरक्षित सीट) से उम्मीदवार बनाया गया। विपक्षी दलों ने आपत्ति उठाई कि यदि उन्होंने धर्म परिवर्तन किया है तो एससी आरक्षित सीट से चुनाव लड़ना संवैधानिक रूप से अनुचित है। उन्होंने नामांकन में "Aparoopa Poddar @ Afrin Ali" का प्रयोग किया और चुनाव जीत भी गईं। हालांकि धर्म परिवर्तन का कोई आधिकारिक प्रमाण न्यायालय या चुनाव आयोग के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया, जिसके कारण उनकी उम्मीदवारी रद्द नहीं की गई।

यहाँ एक महत्वपूर्ण पहलू इस्लामी कानून से जुड़ा है। पारंपरिक इस्लामी शरीअत के अनुसार किसी मुस्लिम पुरुष का विवाह (निकाह) एक गैर-मुस्लिम महिला (जो अहल-ए-किताब श्रेणी में न आती हो) से वैध नहीं माना जाता, जब तक कि वह महिला इस्लाम स्वीकार न कर ले। इस आधार पर यह प्रश्न उठता है कि यदि वास्तव में निकाह हुआ था तो क्या धर्म परिवर्तन भी हुआ होगा। किंतु चूँकि इसका कोई विधिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है इसलिए यह विवाद अनिर्णीत ही रहा।

भारतीय न्यायपालिका ने इस विषय पर कई महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं। Soosai बनाम Union of India (1985) में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि ईसाई धर्म अपनाने वाला व्यक्ति एससी का दावा नहीं कर सकता। सीएम अरुमुगम (1976) और कैलाश सोनकर (1984) जैसे मामलों में यह सिद्धांत स्थापित हुआ कि यदि कोई व्यक्ति पुनः हिंदू धर्म में लौटता है और उसका समुदाय उसे स्वीकार कर लेता है तो उसका एससी दर्जा पुनर्जीवित हो सकता है। वहीं पुनीत राय (2003) और मो. सादिक (2016) में यह स्पष्ट किया गया कि इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के बाद एससी आरक्षण का दावा नहीं किया जा सकता।

इन सभी निर्णयों से एक व्यापक सिद्धांत उभरता है कि एससी आरक्षण केवल जातिगत उत्पीड़न की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से जुड़ा है, न कि मात्र जन्म या पहचान से। धर्म परिवर्तन इस अधिकार को प्रभावित करता है क्योंकि यह उस सामाजिक संरचना से दूरी को दशार्ता है, जिसमें यह उत्पीड़न निहित था।

अंततः यह प्रश्न केवल कानूनी नहीं बल्कि नैतिक और सामाजिक भी है। यदि आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य वास्तविक वंचित समुदायों को न्याय दिलाना है तो इसका उपयोग केवल उन्हीं तक सीमित रहना चाहिए। धर्मांतरण और एससी आरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना संवेदनशील प्रक्रिया है, जिसमें तथ्यों की पारदर्शिता, न्यायिक विवेक और संवैधानिक मूल्यों का सम्मान अनिवार्य है।

इस प्रकार एससी आरक्षण और धर्मांतरण का विषय भारतीय लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण परीक्षण है, जहाँ न्याय, समानता और ऐतिहासिक सत्य के बीच संतुलन स्थापित करना ही सबसे बड़ी चुनौती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दैनिक पंचांग

29 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.26 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	08.24 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.37 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.54 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	15.05 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.16 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.31 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	21.47 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.52 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कुंभ	01.38 बजे से
		मीन	03.11 बजे से
		मेष	04.42 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 119 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 19.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 00.17 बजे रात्र को समाप्त।
योग हर्षण 20.52 बजे को समाप्त।
करण कौलव 07.19 बजे तदनन्तर तैतिल 19.52 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872694
जूलियन दिन 2461159.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद
तारीख 11

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54	से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41	से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22	से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12	से	08.44 बजे तक
काल	08.15	से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44	से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19	से	11.47 बजे तक	चर	10.16	से	11.47 बजे तक
रोग	11.47	से	01.16 बजे तक	रोग	11.47	से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16	से	02.44 बजे तक	काल	01.19	से	02.51 बजे तक
चर	02.44	से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51	से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12	से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23	से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

तेज रफ्तार हाइवा के धक्के से घर क्षतिग्रस्त बड़ा हादसा टला

साहिबगंज: जिले के मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के मिर्जाचौकी-भगैया मुख्य सड़क पर स्थित नीमगाछी गांव के समीप सोमवार की देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। स्टोन चिप्स लदा एक हाइवा अनियंत्रित होकर पहले सड़क किनारे खड़े ईंट लदे ट्रैक्टर से टकराया, जिसके बाद ट्रैक्टर पास स्थित मनोरमा देवी के मकान में जा घुसा। इस दुर्घटना में मनोरमा देवी का कच्चा मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के समय घर में मौजूद सभी सदस्य सो रहे थे, जो संयोगवश सुरक्षित बच निकले। स्थानीय लोगों के अनुसार स्टोन चिप्स लोड हाइवा (बीआर 01 जीक्यू 6284) का संतुलन अचानक बिगड़ गया, जिससे यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर और हाइवा दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही मिर्जाचौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने हाइवा को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं पीड़ित परिवार ने प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है।

बोरियो प्रखंड में जनगणना के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

साहिबगंज: बोरियो प्रखंड के सभागार में मंगलवार को भारत की जनगणना 2027 कार्य के लिए तीन दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रखंड विकास पदाधिकारी सह जनगणना चार्ज पदाधिकारी नागेश्वर साव एवं प्रखंड प्रमुख शांति बास्की के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रथम चरण के जनगणना (मकान सुचिकरण और मकानों की गणना) कार्य हेतु चार मास्टर ट्रेनर, 205 प्रगणक और 35 पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। जनगणना चार्ज पदाधिकारी ने बताया कि, बोरियो चार्ज जनगणना क्षेत्र अंतर्गत 411 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) में जनगणना कार्य प्रगणकों द्वारा किया जाएगा, जिसकी मॉनिटरिंग पर्यवेक्षक करेंगे। बोरियो प्रखंड क्षेत्र में कूल 344 राजस्व ग्राम है, जिसके आधार पर एचएलबी चिन्हित किए गए हैं, बोरियो बाजार, संथाली जैसे बड़े राजस्व ग्राम (जहां जनसंख्या एवं आवासीय घनत्व ज्यादा है) के अंदर कई एचएलबी निर्धारित किए गए हैं। भारत की जनगणना 2027 के अधीन प्रथम चरण के जनगणना में मकानों का सूचीकरण किया जायेगा तथा मकानों की गिनती की जाएगी। बाद के चरणों में परिवारों और सदस्यों की गणना की जाएगी।

क्रशर प्लांट से मशीन के तांबे की चोरी, सीसीटीवी में संदिग्ध कैद

पाकुड़ : जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कसीला गांव स्थित एक बंद पड़े क्रशर प्लांट में चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने प्लांट में लगी मशीनों से कीमती तांबे के पार्ट्स उड़ा लिए, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, कसीला गांव निवासी रामरतन सरकार का क्रशर प्लांट पिछले करीब दो वर्षों से बंद पड़ा था। इसी का फायदा उठाते हुए चोरों ने सुनसान प्लांट को निशाना बनाया और मशीनों में लगे तांबे के महंगे उपकरण चोरी कर लिए। घटना की सूचना मिलते ही रामरतन सरकार ने मुफस्सिल थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। प्लांट परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में एक संदिग्ध व्यक्ति क्रशर के आसपास घूमता हुआ नजर आया है। पुलिस फुटेज के आधार पर उसकी पहचान करने में जुट गई है। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं, जबकि पुलिस की गश्ती व्यवस्था कमजोर है।

तीन मई को होने वाली नीट-यूजी परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर डीसी की अध्यक्षता में हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार, साहेबगंज में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन टी ए) द्वारा आयोजित नीट (यूजी)-2026 परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन हेतु एक महत्वपूर्ण समीक्षा एवं समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि दिनांक 03 मई, 2026 (रविवार) को अपराह्न 02:00 बजे से 05:00 बजे तक जिले के तीन परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसमें कुल 628 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस परीक्षा के निमित्त जिला स्तर से 06 स्टैटिक दंडाधिकारी, 03 उड़नदस्ता दंडाधिकारी एवं 01 गश्तीदल दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किए गए हैं। संपूर्ण कार्य के वरीय पदाधिकारी के रूप में गौतम कुमार भगत, अपर समाहर्ता, साहिबगंज को प्रतिनियुक्त किया गया है। उपायुक्त ने परीक्षा के निष्पक्ष एवं सुचारू संचालन हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना हो। उन्होंने सभी केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, पुलिस बल एवं महिला बल की तैनाती करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि परीक्षा केंद्रों पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू रहेगी। केंद्र के 500 गज की परिधि में अनावश्यक भीड़, सामग्री वितरण एवं किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी परीक्षार्थियों की अनिवार्य फ्रिस्किंग की जाएगी तथा महिला अभ्यर्थियों की जांच केवल महिला कर्मियों द्वारा ही की जाएगी। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, बिजली एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि परीक्षा दिवस पर जिला नियंत्रण कक्ष सक्रिय रहेगा, जिससे सभी गतिविधियों की सतत निगरानी की जा सके। वरिष्ठ पदाधिकारियों को संपूर्ण व्यवस्था की निगरानी एवं पर्यवेक्षण का दायित्व सौंपा गया है। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा कदाचार में लिप्त पाए जाने वाले किसी भी परीक्षार्थी के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर समाहर्ता गौतम भगत, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुन्नू कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा अधीक्षक, पुलिस पदाधिकारी, केंद्राधीक्षक एवं अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर युवक को किया घायल, मोबाइल व रूपया लूटा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबाडिया पंचायत के पोलमा गांव में अज्ञात अपराधियों ने एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वहीं उससे 4000 रुपए व मोबाइल लूट कर सभी फरार हो गए। घायल की पहचान स्वर्गीय गांगु बेसरा के 26 वर्षीय पुत्र अनिल बेसरा के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार अनिल बेसरा ट्रेन पकड़ने के लिए घर से झोला लेकर निकला था। उसे ससुराल रामपुरहाट जाना था। इसी दौरान पहले से घात लगाए तीन-चार अज्ञात अपराधियों ने उस पर पीछे से गोली चला दी। घटना में अनिल बेसरा की पीठ में एक गोली व दाहिने बाजू में एक गोली लगने की बात सामने आई है। जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। इसके कुछ देर बाद किसी तरह टोटो पकड़ इलाज के लिए खुद से सदर अस्पताल साहिबगंज पहुंचा। जहां डॉक्टर मोहन मुर्मू ने उसका प्राथमिक उपचार कर उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। जिरवाबाड़ी थाना के एसआई अजीत लकड़ा ने बताया कि पोलमा निवासी अनिल बेसरा को गोली मारने के मामले में पुलिस जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है। गोली कांड मामले में कांड संख्या 69/26 दर्ज हुआ है।

टेंट हाउस के गोदाम में लगी भीषण आग लाखों रुपए का सामान जल कर हुआ राख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत शहर के वार्ड नंबर 2 के नील कोठी, चैती दुर्गा मंदिर के पास सोमवार को देर रात लगभग 9 बजे एक टेंट हाउस के गोदाम में आग लग जाने से लाखों रुपए का सामान जल कर राख हो गया। मिली जानकारी के अनुसार नील कोठी निवासी शंकर घोष का टेंट हाउस का सारा सामान घर से लगभग 100 मिटर की दूरी पर गोदाम में अचानक आग लग गया। आस पास के लोगों एवं वहां से गुजर रहे कुछ लोगों के द्वारा इसकी सूचना टेंट संचालक शंकर घोष के परिजनों को दिया गया। परिजनों के द्वारा आकर देखा तो आग देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और पूरे गोदाम को अपने चपेट में ले लिया। जिसके अंदर रखा 5 पीस जनरेटर, लगभग डेढ़ हजार प्लास्टिक चेयर, टेंट के कपड़े, बिछावन, आदि लाखों रुपए का टेंट का सामान, एक पल्सर बाइक आदि अन्य सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया। स्थानीय लोगों के द्वारा इसकी सूचना दमकल और थाना को दिया गया जिसमें दमकल मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही थी। लेकिन आग इतना भीषण तेज था कि आग पर काबू नहीं पाया जा सका। तब जाकर दूसरे दमकल को भी बुलाया गया फिर भी आग पर काबू पाने में लगभग 5 घंटे से अधिक का समय लग गया उसके बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। आग लगने का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, राजमहल विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डु, वार्ड पार्षद अनिता बसाक, राजा सिंह पुलिस बल मौजूद थे। आग बुझाने में ग्रामीणों का भी सहयोग काफी सराहनीय रहा। सूत्रों से मिली जानकारी और उनके अनुसार गोदाम में बिजली कनेक्शन नहीं रहने के बावजूद भी आग कैसे लगी लोगों के बीच चर्चा का विषय है। हालांकि आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

राजस्थान पुलिस की बड़ी कामयाबी, 18 साल से फरार वारंटी उधवा से गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजस्थान और झारखंड पुलिस के संयुक्त समन्वय और तकनीकी सूचना के आधार पर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। भीलवाड़ा जिले के करोई थाना क्षेत्र में साल 2006 में हुई एक सनसनीखेज डकैती के मामले में करीब 18 वर्षों से फरार चल रहे स्थाई वारंटी नौशाद शेख को गिरफ्तार कर लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी नौशाद शेख (53 वर्ष), पिता सादिक शेख, जो मूल रूप से साहिबगंज जिले के राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बेगमगंज का निवासी है, साल 2006 से ही पुलिस की पकड़ से बाहर था। उसके विरुद्ध करोई थाना में कांड संख्या 395/06 दर्ज है।आरोपी पर भारतीय दंड विधान (आईपीसी) की गंभीर धाराओं 395 (डकैती), 397 (मृत्यु या गंभीर चोट पहुंचाने के प्रयास के साथ डकैती), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज था। लंबे समय तक न्यायालय में उपस्थित न होने के कारण उसे 'स्थाई वारंटी' घोषित किया गया था। राजस्थान पुलिस की टीम ने सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए साहिबगंज जिला पुलिस के सहयोग से राधानगर थाना क्षेत्र में दबिश दी और आरोपी को उसके ठिकाने से धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को स्थानीय राजमहल न्यायालय में पेश किया गया। राजमहल न्यायालय से कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद राजस्थान पुलिस ने आरोपी नौशाद शेख का ट्रांजिट रिमांड हासिल कर लिया है। वर्तमान में पुलिस टीम आरोपी को कड़ी सुरक्षा के बीच लेकर राजस्थान के लिए रवाना हो चुकी है, जहाँ उसे गंगापुर (भीलवाड़ा) न्यायालय में पेश किया जाएगा।इतने पुराने मामले में वांछित अपराधी की गिरफ्तारी को पुलिस प्रशासन एक बड़ी जीत मान रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी अपनी पहचान छिपाकर रहने का प्रयास कर रहा था, लेकिन पुलिस की पैनी नजर से बच नहीं सका। अब राजस्थान पुलिस इस मामले में आगे की पूछताछ कर डकैती से जुड़े अन्य पहलुओं और नेटवर्क को खंगालने की तैयारी में है।

सोलर आधारित जलमीनार खराब, पेयजल संकट गहराया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बोरियो प्रखंड के आदिम जनजाति पहाड़िया बाहुल्य चसगांवा पंचायत के चपलगोडा गांव में सोलर आधारित जल मीनार खराब हो जाने से पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। पेयजल के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। गांव में 13 घर पहाड़िया जनजाति की है। कुल जनसंख्या लगभग 100 है। पुरे गांव में एक हीं चापाकल है। एक किलोमीटर की दूरी झरने से गर्मी के दिनों में लोग पीने का पानी लाते हैं। मालूम हो कि सोलर आधारित एकल ग्रामीण पाईप जलापूर्ति योजना के तहत चपलगोडा में वित्तीय वर्ष 2022-23 में 4000 गैलेन क्षमता वाले जल मीनार का निर्माण किया गया था। दो एचपी का मोटर भी लगाया गया है। लेकिन दो साल से जल मीनार बंद है। ग्रामीण सूरजा पहाडिया, देवा पहाड़िया, दिलीप पहाड़िया, मनोज पहाड़िया, चांदी पहाड़िन, बबलू पहाड़िया, बंगरू पहाड़िया आदि ग्रामीणों ने बताया कि गर्मी में पेयजल के लिए इधर-उधर भटकते हैं। जल मीनार की ओर न तो जन प्रतिनिधि और न हीं संबंधित विभाग का ध्यान है। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द जल मीनार को चालू करने की मांग की है। पेयजल व स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता कुणाल कंचन ने बताया कि चपलगोडा में जल मीनार बंद होने की बात मेरे संज्ञान में हैं। चपलगोड्डा में बंद सोलर आधारित जल मीनार को बहुत जल्द चालू करवाया जाएगा।

पुराना सदर प्रखंड परिसर, एंडेवर अकादमी, वन स्टॉप सेंटर एवं चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय का डीसी ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने पुराना सदर प्रखंड परिसर का निरीक्षण कर वहां स्थित पुराने भवनों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि कई भवन अत्यंत जर्जर एवं उपयोग के योग्य नहीं रह गए हैं। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरी तरह क्षतिग्रस्त भवनों को नियमानुसार कंडम घोषित करने की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए। वहीं जिन भवनों की मरम्मत संभव है, उन्हें आवश्यक रूप से दुरुस्त कराया जाए। उन्होंने परिसर में फैली झाड़ियों को साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि सरकारी परिसरों की स्वच्छता एवं सुव्यवस्थित रखरखाव प्रशासनिक कार्यों की गरिमा से जुड़ा विषय है। सदर प्रखंड स्थित बीजीआर एवं जिला प्रशासन, पाकुड़ द्वारा संयुक्त रूप से संचालित एंडेवर अकादमी कोचिंग सेंटर का भी उपायुक्त ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी अध्ययन पद्धति, परीक्षा रणनीति एवं प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अभ्यास, समय का सही प्रबंधन, सिलेबस का गहन विश्लेषण तथा मॉडल टेस्ट का निरंतर अभ्यास ही प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, अनुशासन एवं आत्मविश्वास के साथ तैयारी जारी रखने की प्रेरणा दी तथा बेहतर परिणाम लाने के लिए निरंतर मेहनत करने का संदेश दिया। इसके उपरांत उपायुक्त ने वन स्टॉप सखी सेंटर एवं चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी कर्मचारी कार्यालय में उपस्थित पाए गए। चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय में उपायुक्त को बच्चों से संबंधित विभिन्न प्रकार के मामलों की जानकारी दी गई। कर्मचारियों ने बताया कि जिले में बच्चों से जुड़े विभिन्न संवेदनशील मामलों को किस प्रकार प्राप्त किया जाता है, उनका समाधान कैसे किया जाता है तथा बच्चों के संरक्षण हेतु किस प्रकार समन्वित कार्रवाई की जाती है। साथ ही रोस्टर के अनुसार कर्मचारियों द्वारा नियमित ड्यूटी किए जाने की जानकारी भी साझा की गई। उपायुक्त ने कार्यालय परिसर में साफ-सफाई की आवश्यकता पर बल देते हुए निर्देश दिया कि कार्यस्थल को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखा जाए।

संक्षिप्त खबरें

अस्मिता सिटी लीग 2026 : तीसरे दिन एथलेटिक्स में बालिकाओं का दमदार प्रदर्शन

पाकुड़ : ज़िले में खेल मंत्रालय, भारत सरकार एवं खेलो इंडिया के तत्वावधान में जिला प्रशासन (खेल शाखा), पाकुड़ द्वारा आयोजित अस्मिता सिटी लीग 2026 के तीसरे दिन एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन जिला स्तरीय बैंक कॉलोनी स्टेडियम में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में पाकुड़ जिले के छह प्रखंडों से कुल 256 बालिका खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बालिकाओं ने विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का शानदार परिचय दिया। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों में उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। प्रतियोगिता के उपरांत विजेता प्रतिभागियों को पुलिस उपाधीक्षक (मु0) जितेन्द्र कुमार एवं जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और आत्मविश्वास का सशक्त आधार है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ पूरे समर्पण और उत्साह से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार ने कहा कि अस्मिता सिटी लीग बालिकाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर प्रदान कर रही है। यह प्रतियोगिता ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की उभरती प्रतिभाओं को पहचान दिलाने का प्रभावी मंच बन रही है। अस्मिता सिटी लीग 2026 का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को सशक्त बनाना, उभरती खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को विकसित करना है। इसके माध्यम से महिलाओं की खेलों में भागीदारी को बढ़ावा देने के साथ-साथ फिट इंडिया के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का भी प्रयास किया जा रहा है। इस सफल आयोजन में सभी प्रशिक्षकों, तकनीकी पदाधिकारियों एवं जिला खेल कार्यालय के कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिनके समर्पण और सहयोग से प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान का हुआ शुभारंभ

साहिबगंज: झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज, अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक नि:शुल्क एवं सुलभ न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना तथा आमजन को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनाना है। अभियान के शुभारंभ के अवसर पर एक व्यापक जागरूकता रैली (प्रभात फेरी) का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज, अखिल कुमार द्वारा किया गया। रैली में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम गुलाम हैदर, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिंधु नाथ लमाये, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, विश्वनाथ भगत, सिविल जज सह न्यायिक दंडाधिकारी अनूप मरांडी, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी रिचेस, स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल (न्याय रक्षक) अरविन्द गोयल एवं उनकी टीम, अधिवक्ता संजय जयसवाल, गौतम कुमार सिंह, मानव कुमार पासवान, मो असगर, सुनील कुमार, सरदार आनंद गोपाल सिंह, रूपेश पंडित, अनमोल जयसवाल तथा अन्य अधिवक्तागण, पारा लीगल वॉलंटियर (न्याय मित्र), न्यायालयकर्मी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भागीदारी निभाई। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर एवं स्लोगन लेकर आमजन को नि:शुल्क विधिक सहायता, महिला एवं बाल अधिकार, वृद्धजनों के अधिकार, साइबर अपराध, नशा मुक्ति, बाल विवाह निषेध, घरेलू हिंसा से संरक्षण एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के संबंध में जागरूक किया। रैली शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए विधिक सशक्तिकरण का संदेश प्रसारित करती रही। उल्लेखनीय है कि यह 90 दिवसीय अभियान 23 जुलाई 2026 तक तीन चरणों में संचालित किया जाएगा। इस अभियान की कार्ययोजना ह्लजागरूकता, पहचान एवं सहायताह्व के तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। इसके अंतर्गत जिले के सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम, डोर-टू-डोर अभियान, विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर, विद्यालय एवं महाविद्यालयों में प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनी तथा मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा।अभियान के दौरान विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जनजाति, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं अन्य कमजोर वर्गों को चिन्हित कर उन्हें नि:शुल्क विधिक सहायता प्रदान की जाएगी।

अंचल कार्यालय पाकुड़ में आयोजित राजस्व शिविर में 45 मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन

पाकुड़ : ज़िले में राजस्व कार्यों के त्वरित निष्पादन एवं आमजनों की सुविधा हेतु चार दिवसीय विशेष शिविर आयोजित जिले में राजस्व कार्यों के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निष्पादन तथा आमजनों की सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी अंचल एवं हल्का स्तर पर चार दिवसीय विशेष राजस्व शिविर का आयोजन आज से प्रारंभ किया गया। यह शिविर 28 अप्रैल, 29 अप्रैल, 30 अप्रैल एवं 02 मई 2026 तक आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से दाखिल-खारिज, भूमि सीमांकन, पंजी-2 सुधार, आय, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र, ऑनलाइन लगान रसीद सहित विभिन्न राजस्व मामलों का त्वरित निष्पादन किया जा रहा है, ताकि आमजनों को कार्यालयों के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें एक ही स्थान पर आवश्यक सेवाओं का लाभ मिल सके। इसी क्रम में अपर समाहर्ता ने अंचल कार्यालय पाकुड़ में आयोजित विशेष राजस्व शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविर में उपस्थित आमजनों से संवाद कर उन्हें शिविर के उद्देश्य एवं इससे मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। अपर समाहर्ता ने कहा कि प्रशासन अपने स्तर से लोगों की समस्याओं के समाधान हेतु लगातार प्रयासरत है, लेकिन आमजनों को भी अपने अधिकारों एवं समस्याओं के समाधान के प्रति जागरूक रहना आवश्यक है। उन्होंने लोगों से सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने तथा अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता ने शिविर में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की। अंचलाधिकारी, पाकुड़ अरविन्द कुमार बेदिया ने जानकारी दी कि कुल 77 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 45 मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन कर दिया गया है।

पीएम आवास योजना के तहत बन रहे मकानों में देरी से भड़के सरयू राय, सीएजी जांच की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने मोहरदा क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे मकानों में हो रही देरी और तैयार घरों को लाभुकों को न सौंपे जाने पर कड़ी नाराजगी जताई है। मंगलवार को स्थल निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ कहा कि यदि स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो वह मामले को भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के समक्ष उठाकर जुडको के खिलाफ जांच की मांग करेंगे। दरअसल, एक दिन पहले मोहरदा के कई लाभुक उनके बिष्टुपुर स्थित कार्यालय पहुंचे थे और अपनी परेशानियों से अवगत कराया था। इसी के बाद विधायक स्वयं मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि कई मकान पूरी तरह तैयार होने के बावजूद अब तक लोगों को उनकी चाबी नहीं दी गई है, जिससे लाभुकों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। निरीक्षण के बाद उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपनी जमा पूंजी या कर्ज लेकर मकानों के लिए भुगतान कर दिया है, उन्हें बेवजह इंतजार कराना अन्याय है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि जल्द चाबी नहीं सौंपी गई तो लोग खुद ही घरों में प्रवेश करना शुरू कर देंगे। उनके अनुसार, सरकार को गरीबों की इस स्थिति को समझना चाहिए और योजना को मजाक बनने से रोकना चाहिए। उन्होंने झारखंड अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह संस्था योजना के क्रियान्वयन में अनावश्यक देरी कर रही है, जिससे आम जनता परेशान हो रही है। उन्होंने कहा कि अब तक केवल दो ब्लॉक ही तैयार हो पाए हैं, जबकि कई ब्लॉकों का निर्माण अधूरा है या अभी शुरुआती चरण में है।

सरयू राय ने लाभुकों की आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए बताया कि अधिकांश लोग बेहद कमजोर आर्थिक वर्ग से आते हैं। कई लोगों ने बैंक से ऋण लेकर मकानों के लिए पैसे जमा किए हैं और वे एक साथ किराया व ईएमआई का बोझ उठा रहे हैं। ऐसे में देरी उनके लिए लगातार घाटे का कारण बन रही है। बिजली कनेक्शन के मुद्दे पर भी उन्होंने चिंता जताई। उन्होंने बताया कि लगभग 80 लोगों ने बिजली कनेक्शन के लिए भुगतान कर दिया है, लेकिन अब तक किसी के घर में मीटर नहीं लगाया गया है। अधिकारियों से बातचीत में उन्हें बताया गया कि संबंधित एजेंसियों की अनुमति मिलते ही कनेक्शन दे दिया जाएगा। हालांकि, उन्होंने इसे प्रशासनिक भ्रम की स्थिति बताते हुए कहा कि विभागों के बीच समन्वय की कमी साफ दिखाई दे रही है।

सरबो घाटी में ट्रक दुर्घटना, तीन घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : रनिया-सोदे मुख्य पथ पर स्थित सरबो घाटी में मंगलवार सुबह एक बार फिर बड़ा सड़क हादसा हो गया। सीमेंट लदा 12 चक्का ट्रक ढलान पर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चालक सहित चार लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक तोरपा से सोदे की ओर सीमेंट लेकर जा रहा था। इसी दौरान सरबो घाटी के खतरनाक ढलान पर ट्रक का ब्रेक फेल हो गया और वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना इतनी जोरदार थी कि ट्रक का ट्रॉली चेसिस से अलग हो गया। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर रनिया थाना प्रभारी श्यामल कुंभकार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से ट्रक में फंसे घायलों को बाहर निकाला गया और एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रनिया भेजा गया। घायलों में चालक नवीन कुमार (बिहार) तथा मजदूर शिशिरण टोपनो, तोड़ना साहू और एक अन्य शामिल हैं। सभी को मामूली चोटें आई हैं और उनका इलाज रनिया में चल रहा है।

कल्पना सोरेन सदर अस्पताल में भर्ती गोलगप्पे खाने से बीमार बच्चों से मिलकर जाना हाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिरिडीह : गिरिडीह जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बजटो गांव में विषाक्त गोलगप्पे खाने से बीमार लोगों का इलाज गिरिडीह सदर अस्पताल में चल रहा है। गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने मंगलवार को सदर अस्पताल पहुंचकर वहां भर्ती बच्चों व अन्य मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए बेहतर इलाज का भरोसा दिलाया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिया कि सभी मरीजों को समुचित इलाज उपलब्ध कराया जाए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने घटना पर नाराजगी जताते हुए पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया। जिला प्रशासन से कहा कि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। ज्ञात हो कि बजटो गांव में ठेले पर बिक रहे गोलगप्पे व चाट खाने के बाद दर्जनों बच्चे व अन्य लोग अचानक बीमार पड़ गए थे। सभी को उल्टी, दस्त व पेट दर्द की शिकायत के बाद सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान एक मासूम की मौत हो गई थी। घटना के बाद से जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। प्राथमिक तौर पर इसे फूड प्वाइजनिंग का मामला माना जा रहा है।

खूंटी के सभी प्रखंडों में हर मंगलवार को होगा लोक शिकायत निवारण कार्यक्रम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया के निर्देश पर जिले के सभी प्रखण्ड-सह-अंचल कार्यालयों में प्रत्येक मंगलवार को लोक शिकायत निवारण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह निर्णय इस उद्देश्य से लिया गया है कि आमजनों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े एवं उनकी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन प्रखण्ड स्तर पर ही सुनिश्चित किया जा सके। अधिकांश समस्याओं का समाधान प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी के स्तर से ही संभव है, जिसे ध्यान में रखते हुए उपायुक्त की ओर से यह निर्देश जारी किया गया है। उपायुक्त ने जिले के सभी आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सीधे अपने संबंधित प्रखण्ड-सह-अंचल कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम में भाग लें। उन्होंने कहा कि इससे समय एवं संसाधनों की बचत होगी तथा समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही शीघ्र एवं प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। उक्त कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी समेत संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि विधि-व्यवस्था एवं अन्य संबंधित मामलों का त्वरित निष्पादन किया जा सके। साथ ही उपायुक्त की ओर से निर्देशित किया गया है कि जन सुनवाई कार्यक्रम में प्राप्त सभी शिकायतों एवं उनके निस्तारण से संबंधित प्रतिवेदन ससमय प्रेषित किया जाए, जिससे शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान की निगरानी की जा सके। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इस कार्यक्रम का गंभीरता से अनुपालन सुनिश्चित करें, ताकि आमजनों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सुलभ, पारदर्शी एवं प्रभावी मंच उपलब्ध कराया जा सके। इसके अलावा उपायुक्त द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे से समाहरणालय खूंटी में जिला स्तर पर लोक शिकायत निवारण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जहां प्रखंड एवं अंचल स्तर पर शिकायतों का समाधान न होने की स्थिति में जिला स्तर पर भी शिकायतों के समाधान हेतु लोग शिकायत निवारण कार्यक्रम में भाग लेकर उपायुक्त के समक्ष अपनी शिकायतों को रख पाएंगे।

डीजे वाहन के पलटने से किशोर की मौत, दो घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत बगरीडीह गांव से सोमवार की रात सड़क किनारे बैठे दो किशोरों और एक वृद्ध को डीजे वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में एक अन्य किशोर और वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक किशोर की पहचान राज पंडित (10 वर्ष, पिता राजेश पंडित) के रूप में की गई है। वहीं घायल की पहचान विकास पंडित (10 वर्ष) तथा सोबरन पंडित (75 वर्ष) के रूप में की गई है। मामले की जानकारी देते हुए घायल सोबरन पंडित के पुत्र दिलीप पंडित ने बताया कि सोमवार की रात बगरीडीह गांव निवासी कैलाश दास के पुत्र का घृतढारी समारोह चल रहा था। इस समारोह में एक डीजे वाहन को डोमचांच थाना क्षेत्र के ही चोपनाडीह से बुलाया गया था। समारोह के समापन होने के बाद उक्त डीजे वाहन वापस चोपनाडीह जा रही थी। इसी क्रम में बगरीडीह गांव में सुबरन पंडित, राज पंडित व विकास पंडित अपने घर के बाहर बैठे हुए थे। तभी गुजर रही उक्त डीजे वाहन अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे बैठे इन तीनों लोगों को अपनी चपेट में ले लिया।

पलामू के मेधावी विद्यार्थियों को उपायुक्त ने किया सम्मानित, कहा- सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू के उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में मैट्रिक परीक्षा-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों को पौधा, पुस्तक और मेडल देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। उपायुक्त ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनके भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से पूछा कि वे आगे चलकर क्या बनना चाहते हैं और उसी दिशा में निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह सफलता केवल शुरुआत है और आने वाले समय में जीवन में कई

महत्वपूर्ण पड़ाव आएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, यह आप सभी का लॉन्चपैड है। आगे और भी महत्वपूर्ण पड़ाव आएंगे। आप सभी बच्चों की मेहनत सराहनीय है। आप सबको किताबों की तरह बड़ा बनना है। उपायुक्त ने छात्रों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप भविष्य की रणनीति बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, बल्कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन में सही दिशा तय करने का सबसे मजबूत माध्यम है। यदि विद्यार्थी अपनी मेहनत और लगन को बनाए रखें, तो वे किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उपायुक्त ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये छात्र-छात्राएं भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज और देश का नाम रोशन करेंगे। इस सम्मान समारोह में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, विद्यार्थियों के अभिभावक और संबंधित विद्यालयों के शिक्षक भी उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि मैट्रिक परीक्षा-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में पलामू टॉपर और मनातू के चक स्थित स्तरोन्नत उच्च विद्यालय की छात्रा प्रीति कुमारी ने 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया। रानीदेवा स्थित स्तरोन्नत उच्च विद्यालय के छात्र प्रेम प्रकाश ने 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके अलावा स्तरोन्नत उच्च विद्यालय, सण्डा के प्रिंस कुमार पाल ने 97.4 प्रतिशत, मेदिनीनगर उच्च विद्यालय की सृष्टि कुमारी ने 97.2 प्रतिशत और स्तरोन्नत उच्च विद्यालय, सण्डा की रूपा कुमारी ने भी 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया।

एक नजर

लेखिका और शिक्षाविद डॉ सूर्या राव का निधन

पूर्वी सिंहभूम : शहर के साहित्यिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक जगत के लिए मंगलवार का विख्यात साहित्यकार डॉ. सी. भास्कर राव की धर्मपत्नी, प्रख्यात लेखिका, रंगकर्मी एवं शिक्षाविद डॉ. सूर्या राव का मंगलवार दोपहर लगभग 12:30 बजे उनके कदमा स्थित आवास बी रोड, क्वार्टर नंबर 59, एयरबेस कॉलोनी में निधन हो गया। वे 82 वर्ष की थीं। डॉ. सूर्या राव पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं और उनका इलाज टाटा मुख्य अस्पताल में जारी था। उपचार के दौरान ही उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर फैलते ही साहित्यकारों, शिक्षाविदों और रंगमंच से जुड़े लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। डॉ. सूर्या राव ने अपने जीवनकाल में साहित्य, शिक्षा और रंगमंच के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे एक संवेदनशील लेखिका होने के साथ-साथ एक समर्पित शिक्षाविद और सक्रिय रंगकर्मी भी थीं। उनके कार्यों और व्यक्तित्व ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। उनकी अंतिम यात्रा बुधवार 29 अप्रैल को सुबह लगभग 10:30 बजे उनके निवास स्थान से निकलेगी, जिसके बाद पार्वती घाट में दिन के 11:00 बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। शहर के विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक संगठनों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे अपूरणीय क्षति बताया है।

चलती बाइक में लगी आग, देखते ही देखते जलकर राख बाल-बाल बचे सवार

खूंटी : शहर के बीचों-बीच मंगलवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब थाना गेट के सामने एक चलती बाइक में अचानक आग लग गई। घटना में बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई, हालांकि बाइक सवार और उनके साथ बैठी महिला सुरक्षित बच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कर्रा थाना क्षेत्र के जोबे गांव निवासी अरुण कच्छप अपनी भाभी पूनम बारला के साथ भंडरा की ओर से खूंटी होते हुए अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान जैसे ही वे खूंटी थाना गेट के पास पहुंचे, उनकी बाइक में अचानक आग लग गई। शुरूआत में उन्हें इसका अंदाजा नहीं हुआ और वे बाइक चलाते रहे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चलती बाइक से आग की लपटें उठती देख आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत शोर मचाकर बाइक सवार को रुकने का इशारा किया। लोगों की चेतावनी के बाद जैसे ही अरुण कच्छप ने बाइक रोकी, आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कुछ ही पलों में पूरी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेज थी कि सभी कोशिशें नाकाम साबित हुईं। इस बीच बाइक सवार थाना परिसर में भी मदद की गुहार लगाने पहुंचे, ताकि किसी तरह अग्निशमन यंत्र से आग पर काबू पाया जा सके, लेकिन तत्काल कोई सहायता उपलब्ध नहीं हो सकी। देखते ही देखते बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई। बताया जा रहा है कि बाइक वर्ष 2018-19 मॉडल की बजाज कंपनी की पल्सर एनएस 200 थी, जो एक हाईस्पीड बाइक मानी जाती है। घटना के दौरान सबसे राहत की बात यह रही कि बाइक सवार और उनकी भाभी समय रहते सुरक्षित उतर गए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, इस घटना ने शहर के बीचों-बीच सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन संसाधनों की उपलब्धता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी के चलते यह हादसा हुआ होगा।

संक्षिप्त खबरें

घर से बुलाकर की कार चालक की हत्या जांच में जुटी पुलिस

गिरिडीह : नगर थाना क्षेत्र के भंडारीडीह- आजाद नगर के सीमावर्ती इलाके में मंगलवार की सुबह तड़के हुई एक हत्या की वारदात ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। बताया गया कि भंडारीडीह निवासी 35 वर्षीय स्कॉर्पियो चालक तौफीक अंसारी की पांच आरोपितों ने मिलकर निर्मम हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। इस बाबत मृतक के भाई रोशन अंसारी के अनुसार, तौफीक को देर रात आरोपितों ने फोन कर बुलाया था। परिजनों के पूछने पर वह 'जल्द लौटने' की बात कहकर घर से निकला था। तौफीक अपने तीन साथियों के साथ बताए गए लोकेशन पर पहुंचा, जहां पहले से घात लगाए पांचों आरोपी हथियारों के साथ मौजूद थे। जैसे ही तौफीक वहां पहुंचा, आरोपियों ने उस पर हमला बोल दिया। तौफीक के साथ आए आरोपितों और हथियार देखकर जान बचाकर भाग निकले, जिसके बाद आरोपितों ने अकेले पाकर तौफीक को मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने पचम्बा और मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के रहने वाले पांच युवकों—बंटी उर्फ टायसन, आसिफ अली, मोनू पठान, मोहम्मद अरशद और मोहम्मद साकिब पर हत्या का सीधा आरोप में मामला दर्ज कराया है। बताया जा रहा है कि इनके बीच पुरानी रंजिश चल रही थी। पचम्बा थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि जिसकी हत्या हुई है, वह पहले से आपराधिक घटनाओं का वांटेड है। कबरीबाद में हत्या हुई थी। उसमें भी यह आरोपित था। हाल ही में जेल से बाहर आया था। हत्या का आरोप जिसपर लगा है, वे लोग भी दागी हैं। उन्होंने बताया कि आपसी रंजिश में इस घटना को अंजाम दिया गया है। सभी हमलावरों की तलाश की जा रही है। उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा। फिलहाल पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

पानी की किल्लत को लेकर नगर परिषद कार्यालय पर लोगों ने किया प्रदर्शन

पूर्वी सिंहभूम : जुगसलाई क्षेत्र में पेयजल संकट को लेकर मंगलवार को लोगों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया। लंबे समय से पानी की किल्लत झेल रहे स्थानीय निवासियों ने नगर विकास एवं आवास विभाग के तहत आने वाले जुगसलाई नगर परिषद कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और युवा शामिल हुए, जिन्होंने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द राहत की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि इलाके में पिछले करीब दो दशकों से पानी की समस्या बनी हुई है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सका है। लोगों ने बताया कि हाल ही में चुनी गई नगर परिषद की चेयरमैन नौशीन खान ने चुनाव के दौरान पानी की समस्या को प्राथमिकता से हल करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक हालात में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई मोहल्लों में नलों में नियमित पानी नहीं आ रहा है और जो सप्लाई होती भी है, वह पर्याप्त नहीं होती। गर्मी बढ़ने के साथ समस्या और गंभीर हो गई है। महिलाओं को दूर-दराज के इलाकों से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि नगर परिषद की ओर से करीब 20 स्थानों पर डीप बोरिंग कराने की घोषणा की गई है, लेकिन लोगों का कहना है कि यह केवल भविष्य की योजना है, जबकि उन्हें तत्काल राहत की जरूरत है। उनका स्पष्ट कहना था कि जब तक स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक प्रशासन को टैंकर के माध्यम से नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पानी की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे और उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

चश्मा पहनाने को लेकर विवाद, शादी समारोह में युवक की पीट-पीटकर हत्या

गढ़वा : झारखंड के गढ़वा जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मामूली विवाद ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। धुरकी थाना क्षेत्र के सोनडीहा गांव में बारात के दौरान चश्मा पहनाने को लेकर शुरू हुए विवाद में 27 वर्षीय युवक मुकेश यादव की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, 27 अप्रैल को धर्मन यादव के घर से बारात डंडई थाना क्षेत्र के रा रो गांव गई थी। नाश्ता के बाद जलमासा में दूल्हे दीपक यादव के पास रिश्तेदारों की भीड़ लगी थी। इसी दौरान दूल्हे के रिश्ते में मामा रविंद्र यादव उसे जबरन चश्मा पहनाने की कोशिश कर रहे थे, जबकि दूल्हा इससे इंकार कर रहा था। मौके पर मौजूद सोनडीहा निवासी मुकेश यादव ने जब इस पर आपत्ति जताई तो रविंद्र यादव से उसकी कहासुनी हो गई। लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया, लेकिन कुछ देर बाद आरोपी ने मुकेश को अकेला पाकर उस पर हमला कर दिया। देखते ही देखते जलमासा स्थल रणक्षेत्र में बदल गया। आरोपी ने मुकेश की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों की मदद से उसे डंडई अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद बारात में अफरा-तफरी मच गई और गांव में मातम छा गया।

कस्तूरबा विद्यालय में विधायक ने किया औचक निरीक्षण

पूर्वी सिंहभूम : सुंदरनगर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में मंगलवार को पोटका के विधायक संजीव सरदार के औचक निरीक्षण के दौरान गंभीर अनियमितताएं उजागर हुईं। सुबह करीब 10:30 बजे विद्यालय पहुंचने पर अधिकांश कक्षाओं में शिक्षक अनुपस्थित पाए गए, जबकि कई कमरों में न तो शिक्षक थे और न ही छात्राएं मौजूद थीं। 12 वर्षों से कार्यरत वार्डन रीना कुमारी सिंह विधायक को पहचान नहीं सकीं, जिससे मौके पर असहज स्थिति उत्पन्न हो गई और विधायक ने नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान कक्षा 12 में छात्राएं तो मिलीं, लेकिन शिक्षक अनुपस्थित थे। सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे जाने पर छात्राएं संतोषजनक जवाब नहीं दे सकीं। कक्षा 11 और 10 की स्थिति भी कमोबेश यही रही, जहां छात्राओं की उपस्थिति के बावजूद पढ़ाई बाधित मिली। विधायक ने इसे शिक्षा व्यवस्था की गंभीर विफलता बताते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार को तत्काल जानकारी दी और तीन दिनों के भीतर जवाब-तलब करने का निर्देश दिया। विद्यालय के किचन की स्थिति भी बेहद खराब पाई गई। गंदगी और मक्खियों के बीच भोजन बनते देख विधायक ने इसे छात्राओं के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बताया और प्रबंधन को सख्त चेतावनी दी। वहीं, पुड़िहासा गांव के एक अभिभावक ने बीपीएल होने के बावजूद बेटी का नामांकन नहीं होने का आरोप लगाया, जिस पर विधायक ने जांच का आश्वासन दिया। निरीक्षण के बाद विधायक ने स्पष्ट कहा कि विद्यालय में पदस्थापित 22 शिक्षकों की अनुपस्थिति और कुप्रबंधन से छात्राओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन को शीघ्र जांच कर कठोर कार्रवाई करने और पूरे मामले की जानकारी राज्य के शिक्षा मंत्री तक पहुंचाने की बात कही।

संक्षिप्त डायरी

14 साल की बच्ची के साथ घिनौनी हरकत, पुलिस ने आरोपी को दबोचा

पटना (एजेंसी) बेतिया के मझौलिया में एक बच्ची के साथ युवक ने घिनौनी हरकत की है. मक्के की खेत में ले जाकर बच्ची के साथ गलत काम किया गया. अब पीड़िता की मां ने पुलिस से न्याय की गुहार लगायी है. पश्चिम चंपारण जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र के एक गांव में 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है. पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसे मेडिकल चेकअप के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. मक्के के खेत में ले जाकर किया दुष्कर्म जानकारी के अनुसार, मलाही टोला निवासी सुरेंद्र साहनी के 20 वर्षीय पुत्र संदीप कुमार पर किशोरी को बहला-फुसलाकर मक्के के खेत में ले जाने और वहां उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप है. घटना के बाद पीड़िता की मां ने मझौलिया थाने में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई. शिकायत मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और आरोपी की धरपकड़ शुरू कर दी. चार पर प्राथमिकी, अन्य की तलाश जारी मझौलिया थाना प्रभारी अमर कुमार ने बताया कि पीड़िता की मां के आवेदन के आधार पर संदीप कुमार समेत कुल चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. मुख्य अभियुक्त संदीप कुमार को पुलिस ने तत्काल गिरफ्तार कर लिया. वहीं, पीड़िता और आरोपी दोनों की मेडिकल जांच बेतिया जीएमसीएच (GMCH) में कराई गई है. पुलिस फिलहाल मामले के अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है.

प्रेमिका से शादी की जिद लिए टावर पर चढ़ा सिरफिरा प्रेमी, घंटों मचा हाई वोल्टेज ड्रामा

पटना (एजेंसी) पश्चिम चंपारण के योगापट्टी में एक युवक प्रेमिका से शादी की जिद में मोबाइल टावर पर चढ़ गया। घंटों हाई वोल्टेज ड्रामा चला, जिसके बाद पुलिस ने युवक को समझाकर सुरक्षित नीचे उतारा और हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पश्चिम चंपारण जिले के योगपट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत नवगांवा में मंगलवार की अहले सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक सिरफिरा प्रेमी अपनी मांगों को लेकर ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया. युवक की पहचान लौकरिया धनुषाटोली गांव निवासी रंजीत कुमार के रूप में हुई है. रंजीत पड़ोस के ही गांव की एक युवती से प्रेम करता है और उससे शादी करने के लिए परिजनों व समाज पर दबाव बना रहा था. टावर पर चढ़ता प्रेमी शादी की जिद पर अड़ा रहा प्रेमी मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार की रात करीब दो बजे रंजीत टावर पर चढ़ा और ऊपर से ही चिल्लाकर प्रेमिका से शादी कराने की मांग करने लगा. सुबह जब स्थानीय लोगों की नजर उस पर पड़ी, तो मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई. सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और युवक को समझाने का प्रयास शुरू किया.

पुलिस की पूछताछ जारी करीब घंटों तक चले हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस रंजीत को सुरक्षित नीचे उतारने में सफल रही. पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है और थाने लाकर पूछताछ कर रही है. थानाध्यक्ष ने बताया कि युवक के परिजनों को भी सूचना दी गई है और मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

तिलकेश्वर महादेव मंदिर में भव्य महारुद्र यज्ञ, शिवमय हुआ इलाका

दरभंगा (एजेंसी) के कोरथु गांव में 28 अप्रैल से 11 दिवसीय महारुद्र यज्ञ शुरू हो रहा है। 8 मई तक चलने वाले इस आयोजन में शिव पुराण कथा, रासलीला और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। दरभंगा जिले के घनश्यामपुर प्रखंड के कोरथु गांव स्थित प्रसिद्ध तिलकेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में मंगलवार, 28 अप्रैल से श्री श्री 108 महारुद्र यज्ञ का भव्य शुभारंभ होने जा रहा है. यह धार्मिक अनुष्ठान आगामी 8 मई तक चलेगा, जिसे लेकर पूरे क्षेत्र में हर्ष और भक्ति का माहौल व्याप्त है. श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद को देखते हुए मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया है. रासलीला का होगा आयोजन यज्ञ आयोजनकर्ता शुभकांत झा ने बताया कि 11 दिवसीय इस महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन शिव पुराण कथा का वाचन और रासलीला का मंचन किया जाएगा. इसके साथ ही भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा, जिसमें यूपी और बिहार के सुप्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे. नामचीन कलाकार बांधेंगे समां आयोजन समिति के अनुसार, कार्यक्रम में धीरजकांत,

पटना में जेपी सेतु पर आपस में टकराई 5-6 गाड़ियां

पटना (एजेंसी) पटना में जेपी सेतु पर सोमवार की रात महाजाम लगा रहा. इस दौरान अचानक 5 से 6 गाड़ियां एक-दूसरे से टकरा गईं. बताया जा रहा है कि कीड़ों की झुंड ने अचानक से गाड़ियों पर हमला बोल दिया, जिसके बाद गाड़ी चलाने वाले का संतुलन बिगड़ गया. जेपी सेतु पर सोमवार की रात करीब 9 बजे पांच से छह कारें एक के बाद टकरा गईं. टक्कर के कारण भीषण जाम की स्थिति हो गई. बताया जाता है कि कीड़ों की झुंड ने अचानक गाड़ी पर हमला कर दिया. जिसके कारण कार चलाने वाले का संतुलन बिगड़ा और वह गाड़ी रोकने पर मजबूर हो गया. अचानक ब्रेक लगाने के कारण पीछे से आ रही पांच से छह गाड़ियां आपस में टकरा गईं. किसी से गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं जानकारी के मुताबिक, इस दौरान कई बाइक सवार भी गिर गए, जिसमें कुछ को हल्की चोट आई है. लेकिन किसी के गंभीर रूप से जख्मी होने की सूचना नहीं है. बताया जाता है कि सोमवार की रात जेपी सेतु पर गाड़ियों का परिचालन सामान्य था. इसी दौरान पटना से सोनपुर की ओर जा रही कार पर कीड़ों के झुंड ने हमला कर दिया. इसके कारण कार चालक को अचानक ही अपनी गाड़ी पर ब्रेक लगाना पड़ा. उनके ब्रेक लगाते ही पीछे से आ रही पांच-छह गाड़ियों ने एक-दूसरे को पीछे से ठोकर मार दी. इसके बाद जेपी सेतु पर जाम की स्थिति हो गई और गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई. घटना की जानकारी मिलने पर यातायात पुलिस पहुंची. लेकिन इस घटना के कारण करीब 2 घंटे तक गाड़ियों का परिचालन काफी धीमी गति से हुआ. व्यस्ततम ब्रिज में से एक है जेपी सेतु बिहार में इन दिनों शादी का सीजन चल रहा है. इस वजह से भी पटना के अलग-अलग इलाकों में जाम की स्थिति देखी जा रही है. जेपी सेतु पर ऐसे तो गाड़ियों का परिचालन सामान्य ही रहता है. लेकिन यह पटना के व्यस्ततम ब्रिज में से एक है. हर रोज कई लोग इससे आना-जान करते हैं. ऐसे में सोमवार को अचानक महाजाम की स्थिति देखने के लिए मिली.

बिहार में सुपर CM का उदय: यूपी मॉडल से पावर कंट्रोल की रणनीति

पटना (एजेंसी) नीतीश कुमार के बाद बिहार को अब सुपर उट मिला है. नई सरकार का गठन हो चुका है. 15 अप्रैल को नए मुख्यमंत्री और दो डिप्टी सीएम शपथ ली. बैठक में विभागों का बंटवारा हुआ. सम्राट चौधरी ने अपने पास 29 विभाग रखे हैं. खउ्र के दोनों डिप्टी सीएम को 18 विभाग मिले हैं. अब यहां से असली कहानी शुरू होती है, क्योंकि विभागों का बंटवारा ही सत्ता का असली खेल तय करता है. सम्राट चौधरी लगातार एक्शन में नजर आ रहे है. यूपी के तर्ज पर बिहार में भी बुलडोजर एक्शन की शुरूआत हो गई है. अब बीजेपी बड़े भाई की भूमिका में है. प्रशासन में भी लगातार फेरबदल हो रहे हैं. बड़ा सवाल ये है कि सत्ता में संतुलन कैसे स्थापित होगा? राजनीतिक चश्मे से यदि इस पूरे समीकरण को देखा जाए तो यह सिर्फ विभागों का बंटवारा नहीं होगा, बल्कि यह पावर मैसेजिंग होगी. जिसे 2029 की रणनीति का ब्लूप्रिंट कहा जा सकता है. योगी मॉडल का बिहार वर्जन है? बिहार के पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की

सरकार है. जो पहले से ही एक हाइपर-सेंट्रलाइज्ड गवर्नेंस मॉडल पर काम कर रही है. . जो उनकी मजबूत प्रशासकीय छवि को दिखाता है. गृह और प्रशासन उनके नियंत्रण में है. यह सीधे तौर पर कानून-व्यवस्था और अफसरशाही पर कंट्रोल का संदेश है. कुछ ऐसी ही कैबिनेट बिहार होगी. जो बिहार में बीजेपी के कंट्रोल का संकेत होगी. छनकर आ रही जानकारी पर भरोसे करें तो बिहार में यूपी वाला वही पैटर्न नजर आने वाला है. यहां अलग बात यह है कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की पूर्ण बहुत वाली मजबूत सरकार है और बिहार में गठबंधन वाली सम्राट चौधरी की सरकार. बावजूद इसके बिहार में यूपी वाला कॉमन एलिमेंट जरूर देखने को मिल रहा है. सामान्य प्रशासन, कैबिनेट सचिवालय, विजिलेंस, निर्वाचन, कानून और व्यवस्था से जुड़े सभी प्रमुख विभाग आ गए हैं. फिलहाल उनके पास इस वक्त 29 विभाग हैं. जिनका बंटवारा बंगाल चुनाव के नतीजे के बाद होना है. सम्राट चौधरी के पास ये हैं अन्य महत्वपूर्ण विभाग 29 विभागों में ही बीजेपी अपनी सहियोगी पार्टियों में विभागों का बंटवारा करेगी. इनमें राजस्व एवं भूमि सुधार, खान एवं भू-तत्व, नगर विकास एवं आवास, स्वास्थ्य, उद्योग, पथ निर्माण, कृषि, लघु जल संसाधन, श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन, आपदा प्रबंधन, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण, सूचना प्रावैधिकी, खेल, सहकारिता, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, गन्ना उद्योग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, पंचायती राज विभाग शामिल हैं. राजनीतिक जानकार रमाकांत चंदन ये मानते हैं कि बीजेपी शासन को कंट्रोल करने वाले सभी विभाग पास रखने की कोशिश करेंगे. जो सम्राट के कब्जे में होगा. सम्राट के पास पावर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नई कैबिनेट में मुख्यमंत्री ने गृह, सामान्य प्रशासन, विजिलेंस, स्वास्थ्य, राजस्व, उद्योग, कृषि जैसे लगभग सभी कोर विभाग को अपने पास रखा है. जो डेली गवर्नेंस को प्रभावित करने वाले ज्यादातर विभागह्व हैं. इसका मकसद साफ है

सीतामढ़ी: चकौती पंचायत में लाखों की गड़बड़ी, पंचायत सचिव निलंबित

पटना (एजेंसी) सीतामढ़ी के चकौती पंचायत में सरकारी राशि गबन मामले में प्रशासन ने कड़ा एक्शन लिया है. मुखिया को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है. पंचायत सचिव निलंबित. तीन लाख से अधिक राशि की अनियमित निकासी की बात सामने आई है. जिले के बोखड़ा प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चकौती में सरकारी राशि की बंदरबांट और वित्तीय अनियमितता के मामले में जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है. जिलाधिकारी रिची पांडेय के निर्देश पर चकौती पंचायत के मुखिया अशोक कुमार को पदच्युत (हटाने) की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. वहीं, मामले में दोषी पाए गए पंचायत सचिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए उन पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया है. नियमों के विरुद्ध की गई राशि की निकासी प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुखिया और पंचायत सचिव पर बिना किसी विभागीय दिशा-निर्देश के सरकारी राशि की निकासी कर उसे निजी उपयोग में खर्च करने का आरोप था. प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) द्वारा की गई जांच में पाया गया कि दो योजनाओं की कुल 3 लाख रुपये की राशि मुखिया द्वारा नगद निकासी की गई, लेकिन उसके उपयोग का कोई विवरण नहीं मिला. इसके अलावा कार्यालय व्यय के नाम पर भी 50 हजार रुपये की अवैध नगद निकासी की गई थी. दो सप्ताह में राशि वसूली का निर्देश जांच प्रतिवेदन के आधार पर डीएम ने सख्त कार्रवाई करते हुए पंचायत सचिव के विरुद्ध नीलामपत्र वाद दायर कर दो सप्ताह के भीतर राशि वसूली का निर्देश दिया है. साथ ही मुखिया के विरुद्ध बिहार पंचायत राज अधिनियम की धारा 18(5) के तहत कार्रवाई शुरू की गई है. प्रशासन की इस बड़ी कार्रवाई से जिले के अन्य पंचायतों में हड़कंप मच गया है. जिला प्रशासन ने साफ कर दिया है कि भ्रष्टाचार और सरकारी धन के दुरुपयोग को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

स्टेशन रोड में पार्किंग फीस को लेकर फिर मचा बवाल

पटना (एजेंसी) स्टेशन रोड पर ऑटो पार्किंग शुल्क को लेकर नगर निगम एजेंसी और ऑटो संघ आमने-सामने आ गए हैं. 10 रुपये वसूली पर विवाद बढ़ गया है. मामला इतना बढ़ गया है कि पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा. मामले की जांच जारी है. शहर के स्टेशन रोड में पार्किंग शुल्क की वसूली को लेकर एक बार फिर नगर निगम की एजेंसी और ऑटो संघ के सदस्य आमने-सामने आ गए हैं. मंगलवार की सुबह वसूली को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हो गई, जिससे मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा. विवाद इतना बढ़ गया कि अंततः पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा. प्रति ऑटो 10 की वसूली पर विवाद नगर निगम ने स्टेशन रोड में ऑटो पार्किंग शुल्क की वसूली की जिम्मेदारी एक निजी एजेंसी को सौंपी है. निगम के नियमानुसार, प्रति ऑटो रोजाना 10 रुपये पार्किंग शुल्क लेना तय किया गया है. मंगलवार की सुबह जब एजेंसी के कर्मी शुल्क वसूलने पहुंचे, तो वहां पहले से सक्रिय ऑटो संघ के सदस्यों ने इसका विरोध शुरू कर दिया. देखते ही देखते विवाद ने बड़ा रूप ले लिया. मौके पर तनाव, पुलिस कर रही हस्तक्षेप सालों से पार्किंग स्थल पर अपना प्रभाव रखने वाले ऑटो संघ और नई वसूली एजेंसी के बीच तनातनी के कारण स्टेशन रोड में तनाव की स्थिति बनी हुई है. सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया. फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और नगर निगम के अधिकारियों को भी इसकी सूचना दी गई है ताकि विवाद का स्थायी समाधान निकाला जा सके.

बिहार में दो रात स्कूल को चोरों ने बनाया निशाना, ताला तोड़कर कीमती सामान लेकर हुए फरार

पटना (एजेंसी) सिवान में अब बेखौफ चोरों ने शिक्षा के मंदिर को भी नहीं बख्शा है. दो रातों में स्कूल का ताला तोड़कर कीमती सामनों को साफ कर दिया है. इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है. फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी है. बिहार के सिवान जिले में चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि अब उन्होंने स्कूल को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है. लकड़ी नबीगंज थाना इलाके के माधोपुर स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय में दो रात लगातार चोरी की घटना सामने आई है. पहली घटना के बाद भी नहीं पहुंची पुलिस जानकारी के अनुसार, रविवार रात चोर स्कूल की बाउंड्री पार कर अंदर घुसे और ताला तोड़कर हाजिरी लगाने वाला टैब और पढ़ाई से जुड़े अन्य उपकरण

चोरी कर लिए. इस घटना के बाद स्कूल प्रशासन ने सोमवार को थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन हैरानी की बात यह है कि शिकायत के बावजूद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची. इसी लापरवाही का फायदा उठाकर चोरों ने दूसरी रात फिर से स्कूल में धावा बोला और जो भी सामान बचा था, उसे भी चोरी कर लिया. दूसरी रात फिर चोरी, बचे सामान भी ले गए चोर मौके का फायदा उठाते हुए चोरों ने अगली रात फिर स्कूल में धावा बोला. दूसरे दिन जो भी सामान बचा था, उसे भी चुरा लिया. इससे स्कूल में लगभग सभी जरूरी सामान गायब हो गए. शिक्षा का मंदिर, जहां बच्चों का भविष्य संवरता है, वहां दो रातों तक बेखौफ चोरों का कब्जा रहा. लोगों में आक्रोश, सुरक्षा पर उठे सवाल घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है. लोगों का कहना है कि इलाके में अपराध बढ़ रहा है, लेकिन पुलिस गश्त प्रभावी नहीं है. लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं. पुलिस जांच में जुटी स्कूल के प्रधानाध्यापक ने अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है. फिलहाल डायल 112 की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है. सहायक शिक्षक ने भी घटना को लेकर चिंता जताई और स्कूलों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है.

तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर घर से टकराई, युवक गंभीर रूप से घायल

पटना (एजेंसी) समस्तीपुर के बसढ़िया गादो बाजीतपुर में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर खेत में घुसते हुए घर से टकरा गई. हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है. बेहतर इलाज के लिए घायल को सदर अस्पताल रेफर किया गया है. समस्तीपुर जिले के थाना क्षेत्र के बसढ़िया गादो बाजीतपुर स्थित एनएच-28 पर मंगलवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ. बाबा धाम से लौट रही एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार सड़क किनारे खेत में घुसते हुए एक घर की दीवार से जा टकराई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और दीवार का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया. हादसे में क्षतिग्रस्त कार डीजे वाहन को साइड देने के दौरान हुआ हादसा प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार काफी तेज गति में थी. राजकीय मध्य विद्यालय गादो बाजितपुर

के पास सामने से जा रहे एक डीजे वाहन को साइड देने के प्रयास में चालक ने संतुलन खो दिया. कार सड़क से उतरकर पहले खेत में गई और फिर सीधे घर की दीवार से टकरा गई. इस दुर्घटना में कार सवार गादो बाजीतपुर वार्ड 9 निवासी विजय कुमार (20 वर्ष), पिता राम प्रवेश सिंह, गंभीर रूप से घायल हो गए. सदर अस्पताल रेफर, जांच में जुटी पुलिस हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई. ग्रामीणों ने तत्काल विजय को मलबे से बाहर निकाला और इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया. चिकित्सक के अनुसार युवक का एक पैर पूरी तरह टूट गया है, जिसे देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है. घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

JDU के बाहुबली विधायक पप्पू पांडे को कोर्ट से राहत, गिरफ्तारी पर लगी रोक

पटना (एजेंसी) गोपालगंज एमपी-एमएलए कोर्ट ने जदयू विधायक अमरेंद्र पांडेय और सीए राहुल तिवारी की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है. अब जमीन कब्जा मामले में 7 मई को अगली सुनवाई. इस मामले में पहले ही चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. बिहार के गोपालगंज जिले में जदयू विधायक अमरेंद्र कुमार पांडेय उर्फ पप्पू पांडे को राहत मिली है. एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक लगा दी है. यह आदेश गोपालगंज की एमपी-एमएलए कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया. विधायक पप्पू पांडेय की ओर से बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन मिश्रा ने दलील पेश की. जिसके बाद कोर्ट ने तत्काल प्रभाव से गिरफ्तारी पर स्टे दे दिया. क्या है पूरा मामला? विधायक अमरेंद्र पांडेय, उनके भाई सतीश पांडेय और सीए राहुल तिवारी पर फर्जी कागजात के जरिए जमीन पर कब्जा करने के लिए भू-माफियाओं के साथ साजिश करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी. जबकि भोला पांडेय सहित चार को पुलिस इसी मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है. इस मामले में मीरगंज थाना इलाके के सेमराव गांव निवासी जितेंद्र कुमार राय ने प्राथमिकी दर्ज कराई है. अन्य आरोपियों पर भी सुनवाई इस

केस में विधायक के भाई सतीश पांडेय की अग्रिम जमानत याचिका और पहले से जेल में बंद भोला पांडेय समेत अन्य आरोपियों की नियमित जमानत याचिका पर भी सुनवाई हुई. अभियोजन पक्ष की ओर से जिला लोक अभियोजक देववंश गिरी ने जानकारी दी कि कोर्ट ने फिलहाल विधायक और उनके सीए की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है. पुलिस पहले ही कर चुकी है गिरफ्तारी इस मामले में पुलिस पहले ही भोला पांडेय समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है. फिलहाल सभी की नजर अब 7 मई की अगली सुनवाई पर टिकी है, जहां इस मामले में आगे की दिशा तय होगी.

बिहार के इस जिले में बन रहा मॉडर्न रेलवे स्टेशन, वेटिंग हॉल

पटना (एजेंसी) बिहार के सुपौल जिले में रेलवे स्टेशन का नया बिल्डिंग तैयार किया जा रहा है. इस नए बिल्डिंग में यात्रियों को मॉडर्न सुविधाएं मिल सकेंगी. इसके साथ ही रेलवे स्टेशन पर भीड़भाड़ की समस्या से छुटकारा मिल सकेगा. सुपौल जिले के लोगों के लिए राहत भरी खबर है. पूर्व मध्य रेलवे के तहत चल रही गतिशक्ति परियोजना के अंतर्गत सुपौल रेलवे स्टेशन का नया मॉडर्न बिल्डिंग तेजी से तैयार किया जा रहा है. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सीएओ) नीरज कुमार ने स्टेशन पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को तय समय सीमा

में सभी लंबित कार्य पूरे करने के कड़े निर्देश दिए. काम में लापरवाही नहीं बरतने का आदेश निरीक्षण के दौरान सीएओ ने निमार्णाधीन स्टेशन भवन, सकुर्लेटिंग एरिया और फुट ओवरब्रिज (एफओबी) का जायजा लिया. उन्होंने विशेष रूप से यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए काम में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने को कहा. साथ ही स्टेशन परिसर के दोनों ओर व्यवस्थित पार्किंग स्टैंड विकसित करने का निर्देश दिया, जिससे जाम की समस्या से राहत मिल सके. भीड़भाड़ से मिलेगा छुटकारा इसके अलावा दक्षिणी हटखोला रोड की ओर से नए एंट्री गेट के निर्माण और मिट्टी भराई का निर्देश भी दिया गया, जिससे स्टेशन तक पहुंच आसान होगी और भीड़भाड़ कम होगी. स्टेशन परिसर में अट्रैक्टिव सुपौलसाइनेज और सौंदर्यीकरण कार्य को भी जल्द पूरा करने पर जोर दिया गया. कब तक यात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा? रेलवे अधिकारियों के अनुसार, जून महीने तक नई स्टेशन बिल्डिंग पूरी तरह तैयार कर आम जनता के लिए खोल दी जाएगी. नई इमारत में आधुनिक वेटिंग हॉल, बेहतर टिकट काउंटर, साफ-सफाई की उन्नत व्यवस्था और अन्य यात्री सुविधाएं उपलब्ध होंगी. अभी क्या होती है परेशानी? वर्तमान में स्टेशन परिसर में पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण गाड़ियों की अव्यवस्थित खड़ी स्थिति से जाम लग जाता है. जबकि प्लेटफॉर्म पर बैठने और पंखों की पर्याप्त सुविधा नहीं होने से यात्रियों को खासकर गर्मी में काफी परेशानी होती है. नई बिल्डिंग के तैयार होने के बाद इन समस्याओं से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है.

बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नहीं सरकारी नौकरी के भी मौके

बीटेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी देश का सबसे लोकप्रिय अंडर ग्रेजुएट कोर्स है जिसे हर साल स्टूडेंट द्वारा अपने करियर का हिस्सा बनाया जाता है। चार साल के इस कोर्स को इंजीनियरिंग के क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस कोर्स के बाद भविष्य में छात्रों को कई अवसर मिलते हैं ये अवसर नौकरी के क्षेत्र में तो मिलते ही हैं साथ ही हायर एजुकेशन के लिए भी यह एक बेहतर ऑप्शन है। आइए विस्तार से चर्चा कर लेते हैं कि बीटेक करने के बाद आप किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

हायर एजुकेशन

बीटेक करने के बाद छात्र आगे की पढ़ाई कर सकते हैं जहां वे एम.टेक या एमई के लिए जाना है, जो दोनों भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पोस्टग्रेजुएट स्तर के प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम हैं। एम.टेक का मतलब मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी है, जबकि एमई का मतलब मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग है। भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी और एनआईटी द्वारा पेश किए गए एमटेक प्रोग्रामों में चयनित होने के लिए छात्रों को इंजीनियरिंग में गेट ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए उपस्थित होना पड़ता है।

एमबीए

बीटेक के बाद छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ऑप्शन एमबीए है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट आमतौर पर कार्य अनुभव हासिल करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी करने का विकल्प चुनते हैं और वे कुछ वर्षों के बाद MBA/PGDM प्रोग्राम को अपना लेते हैं। टॉप MBA कॉलेजों में शामिल होने के लिए छात्रों को CAT और CMAT जैसे लोकप्रिय एमबीए एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है।

कैंपस प्लेसमेंट

आमतौर पर कॉलेजों में प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन होता है। देश की अलग-अलग कंपनियां कॉलेजों में आकर छात्रों को नौकरी के लिए चुनते हैं। बीटेक के बाद, छात्रों को प्राइवेट कंपनियों द्वारा तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री लेवल की नौकरी की भूमिकाओं के लिए काम पर रखा जाता है। आम तौर पर हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्र अपने फील्ड में अनुभव लेने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी लेते हैं।

प्राइवेट कंपनियां

जो छात्र कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प नहीं चुनना चाहते हैं वे अपना बीटेक प्रोग्राम पूरा करने के बाद नौकरी के लिए विभिन्न प्राइवेट कंपनियों में भी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एंट्री लेवल की तकनीकी भूमिकाओं में निजी कंपनियों में शामिल होने के बाद छात्र कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपने पैर जमा कर एक्सपीरियंस ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम यूपीएससी द्वारा आयोजित एक नेशनल लेवल का एग्जाम है। जो छात्र बीटेक की पढ़ाई के बाद डिफेंस, पीडब्ल्यूडी, रेलवे आदि की परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए यह एक बेहतर ऑप्शन है।

पीएसयू नौकरियां

बीटेक करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तकनीकी नौकरी भी कर सकते हैं। कई पीएसयू के छात्रों को उनके गेट स्कोर के आधार पर एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए नियुक्त करते हैं। कुछ पीएसयू जैसे सीआईआई, इसरो और बीएआरसी भी एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए बीटेक छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में कैसे शुरू करें कॅरियर और क्या है इसके लिए आवश्यक कौशल

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है।

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। एसईओ आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में एसईओ नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है। सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें। आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है।

क्या करता है एसईओ ?

जैसे-जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं। सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए एसईओ में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

एसईओ कैसे काम करता है ?

एसईओ कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे- अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड-रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना। सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्टरी को क्रॉल करते हैं। बैकलिंक्स गूगल बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना कॅरियर के अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफरल ट्रैफिक भी प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च-गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियाँ भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

किस तरह के कौशल की जरूरत होती है ?

एसईओ अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, एसईओ में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नजर रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं। इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नजर रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है। इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड, वेबसाइट प्रबंधन के फाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए। विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए गूगल विश्लेषिकी और गूगल सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। बैकलिंक प्रोफाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं ?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में एसईओ के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे-जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। एसईओ में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है। यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी एसईओ कॅरियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंतत: आपके पास आ जाएगी।

बनना है सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर तो इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

फिटनेस के क्षेत्र में जॉब की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। युवा तो युवा, अधिक उम्र के लोग भी फिटनेस ट्रेनर बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं। यह माना जा रही है कि आने वाले वक्त में फिटनेस ट्रेनिंग इंडस्ट्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। केवल एक लीन बॉडी पाने की चाहत ने ही नहीं बल्कि हेल्थी लाइफस्टाइल की जरूरत ने भी इस क्षेत्र में इतनी वृद्धि की है। एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर के लिए जॉब की अपार संभावनाएं मार्केट में मौजूद हैं। इतना बेहतर करियर लेकिन सवाल सिर्फ एक- 'कैसे बना जाए सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर'। चलिए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि एक फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए आपके पास कौन- से गुण होने चाहिए और आप कैसे बन सकते हैं एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर। फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान में।

डेवलप करें जरूरी स्किल्स

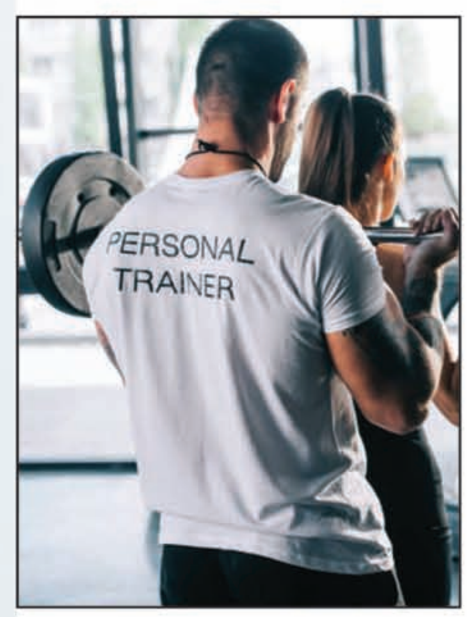

फिटनेस के क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं है। यदि आप इस इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आपको फिटनेस फ्रीक बनना होगा और दूसरों को भी फिटनेस हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को उपयुक्त फिटनेस प्रोग्राम का पालन करने के लिए मोटिवेट करते हैं ऐसे में खुद को फिट रखना बेहद जरूरी है। एक फिटनेस ट्रेनर के पास अलग-अलग तरह के लोगों से निपटने के लिए अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल की जरूरत पड़ती है।

सर्टिफिकेशन कोर्स में करें रजिस्टर

फिटनेस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त ऑर्गनाइजेशन से सर्टिफाइड होना बेहद जरूरी है। कई संगठन लिखित और प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन के साथ विभिन्न प्रकार के फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स प्रदान करते हैं। इन सर्टिफिकेशन कोर्स की अवधि 2-3 महीने की हो सकती है जिसकी फीस 10,000-30,000 रुपये के बीच हो सकती है। ज्यादातर सर्टिफिकेशन 2-3 सालों में समाप्त हो जाते हैं और उन्हें रिन्यू करने की जरूरत होती है।

स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेशन जरूरी

आप फिटनेस ट्रेनिंग के क्षेत्र में भी अपनी स्पेशलाइज्ड फील्ड में सर्टिफिकेशन ले सकते हैं। यह बेहद जरूरी भी है। अगर आप वेट लिफ्टिंग आदि में रुचि रखते हैं तो उसमें भी सर्टिफिकेशन कोर्स किया जा सकता है।

शुरू करें अपना फिटनेस बिजनेस

एक बेहतर फिटनेस बनने की चाह रखने वालों के लिए अपना बिजनेस शुरू करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

ऑन जॉब ट्रेनिंग

अगर आप एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो आपको वर्क एक्सपीरियंस होना बेहद आवश्यक है। ज्यादातर फिटनेस ट्रेनर अपने अनुभव के कारण सफलता प्राप्त कर पाते हैं। प्रोफेशनल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए फ्रेशर्स फिटनेस ट्रेनर के अंडर असिस्टेंट का कार्य भी कर सकते हैं और काफी कुछ सीख सकते हैं।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद में मुकाबला

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवार को मुम्बई इंडियंस की टीम अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद को हराने के इरादे से उतरेगी। मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल 4 अंक लेकर 9 वें स्थान पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक प्रभाव प्रदर्शन नहीं कर पाये है। कई स्टार खिलाड़ियों के होने के बाद भी टीम में निरंतरता की कमी देखी गयी है। ऐसे में उसे जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में मिली 103 रन से मिली हार से उसका नेट रन रेट भी खराब हो गया है।

टीम के चार प्रमुख खिलाड़ी कप्तान हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। तिलक वर्मा के गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतक लगाकर टीम को चार मैचों के बाद जीत दिलायी थी पर सीएसके से हार के कारण वह फिर पीछे खिसक गयी है। गेंदबाजी की बात करें तो उसके मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब तक विफल रहे हैं।

वह अभी तक केवल दो विकेट ही ले पाए हैं। इसके अलावा ट्रेंट बोल्ट भी अब तक विफल रहे हैं। वह एक विकेट ही ले पाये हैं। दीपक चाहर के नाम भी एक विकेट ही है। ऐसे में उसके लिए सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाजों को रोकना आसान नहीं होगा।

रोहित शर्मा के चोटिल होने से भी टीम को झटका लगा है। उनकी जगह शामिल दानिश मालेवार असफल रहे है। वहीं चोटिल मिचेल सैंटनर की जगह केशव महाराज को टीम में शामिल किया गया है, अब देखना है कि विल जैक्स को अंतिम एकादश में जगह मिलती है या नहीं।

वहीं दूसरी और सनराइजर्स की टीम ने अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए 10 अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। सनराइजर्स के पास ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन और ट्रेविस हैड जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसके बाद वानखेड़े स्टेडियम के हालातों का लाभ उठाकर

बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। सनराइजर्स ने पिछले मैच में बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स को हराया था। वहीं कप्तान पैट कमिंस की वापसी से सनराइजर्स का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच अब तक 25 मुकाबले हुए हैं। इसमें से 15 मुम्बई ने जबकि 10 सनराइजर्स ने जीते हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में रोमांचक मुकाबला होना तय है।

टीम इस प्रकार है

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष भगत, एएम गजनफर, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा.

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), सलिल अरोड़ा (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, रविचंद्रन अश्विन, अनिकेत वर्मा, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, लियाम लिविंगस्टोन, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, शिवम मावी, शिवांग कुमार, अमित कुमार, गेराल्ड कोएत्ज़ी, प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन, दिलशान मदुशंका, ईशान मलिंगा, ओंकार तरनाले, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मैड्रिड ओपन में लगातार 9वीं जीत दर्ज की

मैड्रिड (एजेंसी)। अलेक्जेंडर ज्वेरेव सोमवार रात मैड्रिड ओपन में दबाव के बावजूद डटे रहे; उन्होंने मैच के आखिरी पलों में आई थोड़ी सी मुश्किल का सामना करते हुए एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपनी शानदार बढ़त को जारी रखा। दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मन खिलाड़ी दूसरे सेट में 5-3 के स्कोर पर मैच खत्म करने वाली सर्विस नहीं कर पाए, जब टेरेंस आत्मान ने मैच का पासा पलटने की कोशिश की, लेकिन ज़्वेरेव ने खुद को संभाला और 6-3, 7-6 (2) से जीत हासिल की।

मनोलो सैन्टाना स्टेडियम में 1 घंटे 37 मिनट तक चले इस मैच में जीत के साथ, दो बार के मैड्रिड चैंपियन ज्वेरेव ने इस टूर्नामेंट में अपने नौवें प्रयास में नौवीं बार अंतिम 16 में जगह बनाई है। 2025 सीजन की शुरुआत थोड़ी उतार-चढ़ाव भरी रही थी-जिसमें ऑस्ट्रेलियन ओपन के फ़ाइनल तक का सफर शामिल था, लेकिन इंडियन वेल्स और मोंटे-कार्लो में उन्हें जल्दी ही बाहर होना पड़ा था-लेकिन 2026 में ज्वेरेव ने पूरी बाजी ही पलट दी है।

आत्मान पर मिली इस जीत के साथ एटीपी रैंकिंग में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव, जानिक सिनर के साथ उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इस सीजन के चारों मास्टर्स 1000 इवेंट्स में अंतिम 16 में जगह बनाई है। सिनर ने इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे-कार्लो में ज़्वेरेव के शानदार सफर को सेमीफ़ाइनल में ही रोक दिया था; लेकिन मैड्रिड में इन दोनों खिलाड़ियों का आमना-सामना तभी हो पाएगा, जब दोनों ही फाइनल में जगह बनाने में कामयाब होंगे। अगले मैच में ज्वेरेव का मुकाबला याकूब मेन्सिक से होगा, जिन्होंने अपने तीसरे मैच पॉइंट को भुनाते हुए कैरेन खाचानोव को हराया।

आईपीएल में बिगड़ रहा गेंद ओर बल्ले का संतुलन : रिपोर्ट

मुम्बई (एजेंसी)। आजकल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के मुकाबले जारी है। साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही आईपीएल ने लगातार प्रगति करते हुए दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बनायी है। इस लीग में दुनिया भर के क्रिकेटर खेलते हैं। यह लीग अपनी गुणवत्ता और रोमांच मुकाबलों के कारण चर्चित रही है और इस पर प्रशंसकों का भरोसा बना हुआ है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ सत्र से इस लीग में जिस प्रकार से बल्लेबाज हावी होने लगे हैं। उससे इसका संतुलन खराब हो रहा है। अब लगाता है कि यह लीग अब बल्लेबाजों का स्वर्ग बन गयी है। इसमें गेंदबाजों की भूमिका सीमित होती जा रही है। इसका कारण कई नियम है जो गेंदबाजों के खिलाफ जाते हैं। प्रायोजक बड़े स्कोर वाले मैच चाहते हैं जिससे की प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा रहे।

इस सत्र में कई ऐसे मैच देखने को मिले हैं, जो खेल के संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ चुके हैं। हाल ही में एक ही दिन में 464 गेंदों में 985 रन बने। यहां तक कि 265 और 228 जैसे बड़े लक्ष्य भी टीमें आसानी से हासिल कर रही हैं। यह इस बात को दिखाता है कि अब कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है। गेंदबाज अब सिर्फ चौके-छक्के खाने के लिए गेंद फेंकते नजर आ रहे हैं, उनकी भूमिका मैदान पर केवल औपचारिकता पूरी करने तक ही रह गयी है।

इसी कारण कई क्रिकेट विशेषज्ञ खेल को लेकर खुश नहीं है। जसपीत बुमराह, पैट कमिंस, जोश हेज़लवुड, अर्शदीप सिंह या जोफ्रा आर्चर जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाजों को भी ऐसे चौके-छक्के पड़ रहे हैं, जैसे वे किसी स्थानीय टीम के गेंदबाज हों। अठारह गेंदों में अर्धशतक बनाना अब आम बात हो गयी है।

वहीं लीग की सफलता का आधार हमेशा बल्ले और गेंद के बीच संतलुन बना रहना माना जाता है। ऐसे में अब किकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इस मामले को देखते हुए इसका हल निकालने पर गंभीरत से विचार करना होगा। ये देखना होगा कि गेंदबाजी और बल्लेबाजी संतुलन बना रहे अभी सभी नियम बल्लेबाजों के पक्ष में जा रहे हैं। पावरप्ले को लेकर भी फैसला लेना होगा। इसमें अभी सबसे अधिक रन बन रहे हैं।

स्मृति मंधाना नई महिला टी20 रैंकिंग में पांचवें स्थान पर खिसकी, दीप्ति चौथे स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारत की उप कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को जारी आईसीसी की नवीनतम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान नीचे खिसककर पांचवें स्थान पर आ गईं जबकि ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

बल्लेबाजों की सूची में अन्य महत्वपूर्ण बदलावों में भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर शामिल हैं जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न श्रृंखला में 169 रन बनाने के बाद एक स्थान के फायदे से 646 अंक के साथ फिर से शीर्ष 10 में शामिल हो गई हैं। वहीं ऋचा घोष दो स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं और उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 786 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। अब वह दूसरे स्थान पर मौजूद बेथ मूनी से सिर्फ दो रेटिंग अंक पीछे हैं। जॉर्जिया वोल 815 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। वोलवार्ट ने

56 गेंद में नाबाद 92 रन बनाकर भारत के खिलाफ पांच मैच की श्रृंखला का अंत 330 रन के साथ किया जो किसी भी महिला द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला में किसी एक खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन हैं। उनकी टीम ने श्रृंखला 4-1 से जीती। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है।

इस सूची में पाकिस्तान की स्पिनर सादिया इकबाल शीर्ष पर बनी हुई हैं जबकि टी20 विश्व कप से पहले भारत की ऑलराउंडर दीप्ति और दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर नॉनकुलुलेको मलाबा संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। भारत की युवा खिलाड़ी श्री चरणी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। बेनोनी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के अंतिम मैच में दो विकेट लेने के बाद बाएं हाथ की यह गेंदबाज 12 स्थान की छलांग लगाते हुए 11वें पायदान पर हैं।

बांग्लादेश की श्रीलंका के साथ घरेलू श्रृंखला के समापन के बाद नई एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी कुछ बदलाव देखने को मिले हैं। नवीनतम रैंकिंग में घरेलू टीम की कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार हुआ है। बांग्लादेश की अनुभवी जोड़ी निगार सुल्ताना (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर) और शोभना मोस्तरी (पांच पायदान ऊपर चढ़कर 45वें स्थान पर) ने एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में सुधार किया है जबकि नाहिदा अख्तर (दो स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर) और मारूफा अख्तर (छह स्थान ऊपर चढ़कर 37वें स्थान पर) एकदिवसीय गेंदबाजों की सूची में आगे बढ़ने में सफल रही हैं।

श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू एकदिवसीय ऑलराउंडर की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर और गेंदबाजों की रैंकिंग में सात स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप 34वें स्थान पर पहुंच गईं हैं। टीम की उनकी साथी हर्षिता समरविक्रमा (तीन स्थान के फायदे से संयुक्त रूप से 20वें स्थान पर) को भी बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

आईपीएल में पहले शतक के लिए विराट को करना पड़ा था आठ साल इंतजार

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली आज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं पर उन्हें भी अपना पहला शतक बनाने के लिए 8 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा था। विराट ने शुरुआत से अभी तक के सभी आईपीएल सत्र खेले हैं। इससे उनके नाम आईपीएल में सबसे ज़्यादा रन, सबसे ज़्यादा अर्धशतक और शतक होने के साथ ही सबसे अधिक चौके भी हैं। इसके अलावा 300 से अधिक छक्के भी उनके नाम हैं हालांकि इसके बाद भी वह शुरुआती सत्रों में शतक नहीं लगा पाये थे। पहला शतक लगाने के बाद कोहली लगातार आगे बढ़ते गये हैं। विराट अपनी को पावर हिटिंग की जगह पर पारंपरिक अंदाज में खेलने के लिए जाना जात है। उन्होंने अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि टी20 प्रारुप में शतक लगाने के लिए केवल छक्कों की ही आवश्यकता नहीं, बल्कि क्रिकेट कौशल की जरुरत है। ऐसा नहीं था वहीं रन रन नहीं बना पा रहे थे। वह अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल दोनों स्तरों पर लगातार बड़ी पारियां खेल रहे थे पर उसे शतक में नहीं बदल पा रहे थे। उनका पहला शतक साल 2016 में आया। तब टीम का मुकाबला गुजरात लायंस से था। उस मैच में हालांकि विराट के शतक के बाद भी आरसीबी को हार झेलनी पड़ी। इसी सत्र में उन्होंने 973 रन बनाकर सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। अब तक, विराट के नाम आईपीएल में 8 शतक हैं, जो लीग के इतिहास में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिक हैं। वहीं उनके नाम 9,000 से अधिक रन हैं।

अंगुली के स्पिन कौशल को बढ़ा रहे क्रुणाल पांड्या : कार्तिक

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच और मेंटर दिनेश कार्तिक ने ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार वह अंगुली के स्पिन कौशल को आगे बढ़ा रहे है। उसके लिए उन्हें श्रेय मिलना ही चाहिये। इस प्रकार के गेंदबाजी कौशल को उनके जैसे गेंदबाजों के कारण ही पहचान मिल रही है। कार्तिक ने कहा कि बल्लेबाजों के मन में संदेह पैदा करने और लगातार बेहतर परिणाम देने की क्रुणाल की जबरदस्त क्षमता यह साबित करती है कि एक ऑलराउंडर के तौर पर उनमें कितना सुधार आया है। उन्होंने यह भी कहा कि क्रुणाल का यह प्रभाव दिखाता है कि आईपीएल में किस प्रकार से खेल को नये आयाम मिल रहे हैं और उसमें बदला आ रहा है। क्रुणाल की सराहना करते हुए कार्तिक ने कहा, क्रुणाल एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें यह खेल लंबे समय तक याद रखेगा। वह जिस प्रकार से अंगुली के स्पिनरों के लिए बनी तय सीमाओं को लगातार चुनौती दे रहे हैं और ऐसी गेंदें फेंक रहे हैं जिनकी कुछ साल पहले तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी, उसके लिए उनकी तारीफ होनी ही चाहिये। कार्तिक के अनुसार, क्रुणाल अपनी कला में महारत हासिल कर रहे हैं। उन्हें भली-भांति पता है कि बल्लेबाजों के मनोविज्ञान को समझते हुए अपनी विविधताओं का उपयोग कब करना है, और अधिकांश अवसरों पर उन्हें इसका अपेक्षित लाभ भी मिलता है, जिससे वे विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में सफल रहते हैं। कार्तिक ने साथ ही कहा कि एक ऑलराउंडर के रूप में क्रुणाल में जिस तरह का सुधार आया है, । उसका बहुत सारा श्रेय उन्हीं को मिलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जिस तरह आईपीएल क्रिकेट का आकार बदल रहा है और उसे एक नई दिशा दे रहा है, ठीक उसी तरह अंगुली के स्पिनर भी यही कर रहे हैं। कुणाल ने आरसीबी के लिए अब तक सात मैचों में आठ विकेट लिए हैं, जो उनकी गेंदबाजी में निरंतरता और प्रभाव को दिखाता है।

क्रुनाल ने अपनी सफलता का श्रेय कोच रंगराजन को दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर कृणाल पंड्या ने आईपीएल के इस सत्र में अच्छे प्रदर्शन का श्रेय स्पिन गेंदबाजी कोच मलोलन रंगराजन को दिया है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने वाले कृणाल ने अपनी गेंदबाजी में आए बड़े बदलाव का श्रेय कोच को दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि रंगराजन के भरोसे के कारण ही वह मैदान पर नए प्रयोग कर पाये। इसके अलावा कोच ने उन्हें खुलकर खेलने की आजादी दी, जिससे उनकी गेंदबाजी में एक घातक निखार आया है।

कृणाल ने बताया कि आईपीएल के पिछले दो सीजन में उनकी गेंदबाजी में जो जबरदस्त सुधार देखा गया है, उसके पीछे कोच रंगराजन का निरंतर समर्थन है। आरसीबी से जुड़ने के बाद उनकी भूमिका में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया। उन्हें सिर्फ गेंद डालने वाले गेंदबाज के बजाय विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में जिम्मेदारी दी गई, जिसने उन्हें बाउंसर को फेंकने के लिए प्रेरित किया। यह एक ऐसा कदम था जो आमतौर पर स्पिनरों के लिए आम नहीं माना जाता।

इस आईपीएल में अपनी तेज बाउंसर गेंदों से बल्लेबाजों को लगातार परेशान करने वाले कृणाल ने बताया कि उनकी ये बाउंसर केवल दिखावे के लिए नहीं होतीं, बल्कि इनके पीछे एक ठोस सोच और गहरी योजना होती है। उन्होंने कहा कि पिछले साल के अच्छे प्रदर्शन के बाद, वे मानसिक रूप से बल्लेबाज से एक कदम आगे रहने के लिए अपने खेल में कुछ नया जोड़ना चाहते थे। इसी सोच के साथ उन्होंने बाउंसर और लो-आर्म ट्राजेक्टरी वाली गेंदें डालना शुरू किया, जो विशेष रूप से बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ भी बेहद कारगर साबित हुई हैं। कृणाल ने इस चुनौती को स्वीकार किया और यह प्रयोग उनके लिए काफी सफल रहा है।

कृणाल ने इस बात पर जोर दिया कि एक स्पिनर के लिए बाउंसर डालना आसान नहीं है और इसके लिए असाधारण शारीरिक फिटनेस की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया, कम रन-अप में इतनी गति और उछाल लाना वास्तव में कठिन होता है। उन्होंने यह भी साझा किया कि वह अभ्यास सत्र में बाउंसर का ज्यादा अभ्यास नहीं करते, क्योंकि इसमें काफी मेहनत लगती है और वह खुद को फिट व तरोताजा रखने के लिए इसे सीधे मैच में ही इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

इसी अवसर पर, कृणाल पंड्या ने टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को आईपीएल में 9000 रन पूरे करने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई भी दी। कोहली इस प्रतिष्ठित लीग में यह मील का पत्थर छूने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने 275 मैचों और 267 पारियों में 40.05 की प्रभावशाली औसत से यह कारनामा किया है।

वैभव को लेकर मनु बोली, सही मार्गदर्शन मिला तो वह बड़े सितारे बनेंगे

नई दिल्ली। 15 साल की उम्र में आईपीएल में धूम मचा रहे क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी के बारे में जब ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर से पूछा गया तो मनु ने वैभव की सराहना करते हुए कहा कि अगर मेंटरशिप अच्छी है और आसपास का माहौल अच्छा है तो उम्र से फर्क नहीं पड़ता उम्र तो केवल एक नंबर है। प्रतिभा की कोई उम्र नहीं होती। बड़ी उपलब्धियां 60 साल में भी होती हैं और 6 साल में भी। उन्होंने साथ ही कहा कि अगर वैभव को सही मार्गदर्शन मिलता है, तो वह निश्चित रूप से बड़े सितारे बनेंगे। वहीं मनु जैसी शीर्ष स्तर की खिलाड़ी से इस प्रकार के सवाल पर कई लोगों ने आपत्ति जतायी है। उनका कहना है कि मनु ने भारत के लिए ओलंपिक मंच पर महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और देश का नाम रोशन किया है। उनकी इस पहचान और उपलब्धियों को देखते हुए, उनसे किसी क्रिकेटर पर सवाल किया जाना सही नहीं हैं। ओलंपिक पदक से बढ़कर कुछ नहीं है। उसके सामने आईपीएल कहीं नहीं लगात। इस प्रकार के सवाल कर क्रिकेट को अन्य खेलों से श्रेष्ठ साबित करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व टीम डायरेक्टर जॉय भट्टाचार्य ने सोशल मीडिया पर लिखा, दोस्तों, वह ओलंपिक पदक विजेता हैं। उनसे यह पूछना कि वह वैभव सूर्यवंशी के बारे में क्या सोचती हैं, उनके और उनके खेल के साथ अन्याय है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या भारत में ओलंपिक खेलों और उनके सितारों को क्रिकेट के बराबर सम्मान और पहचान मिल पाती है, या नहीं।

विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर बाधा डालने के आरोपों के बाद रैंकिंग प्रतियोगिता के लिए किया पंजीकरण

नई दिल्ली। भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने मंगलवार को पुष्टि की कि उन्होंने गोंडा में होने वाले आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए सफलतापूर्वक पंजीकरण कर लिया है। उन्होंने इससे पहले आरोप लगाया था कि भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) उनकी भागीदारी में बाधाएं उत्पन्न कर रहा है। उनके देर से पंजीकरण को लेकर पैदा हुई भ्रम की स्थिति के बीच यह स्पष्टीकरण सामने आया है। WFI का कहना था कि पंजीकरण पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण केवल विनेश ही नहीं, बल्कि कई पहलवान शुरुआत में प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। बाद में लिंक उपलब्ध होने पर विनेश अपना पंजीकरण कराने में सफल रहीं। विनेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मेरा पंजीकरण आज सुबह पूरा हो गया। कल लिंक बंद होने के कारण मैं पंजीकरण नहीं कर पाई थी। सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। 20 महीनों के बाद अपनी पहली प्रतियोगिता में उतरने को लेकर उत्साहित हूं।' विनेश ने कहा कि पंजीकरण आज सुबह ही पूरा हो सका, जबकि डब्ल्यूएफआई से मिली जानकारी के अनुसार उनका पंजीकरण सोमवार रात 10-29 बजे पूरा हो गया था। विनेश 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में 57 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। पेरिस ओलंपिक 2024 में अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित होने के बाद यह उनकी पहली प्रतियोगिता होगी। उन्होंने इससे पहले संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन इस साल के एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए अपना फैसला बदल दिया। वह अक्टूबर 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुनी गईं और इसी दौरान मां भी बनीं।

दिल्ली कैपिटल्स को प्लेऑफ के लिए जीतने होंगे बचे हुए मैच

नई दिल्ली। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का प्रदर्शन उतार चढ़ाव से भरा रहा है। टीम को लगातार दो करारी हार झेलनी पड़ी है। वह अपनी 8 में से 5 मैच हार गयी है और केवल 3 में जीत के साथ ही 6 अंकों लेकर सातवें नंबर पर है। ऐसे में टीम के प्लेऑफ में पहुंचने पर आशंकाएं लगायी जा रही हैं हालांकि उसकी संभावनएं अभी समाप्त नहीं हुई हैं। टीम के अभी 6 मैच बचे हुए हैं और वह उन सभी में जीत जाती है तो सीधे प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। इससे उसके 18 अंक हो जाएंगे। वहीं अगर वह पांच मैच जीतती है तो उसके कुल अंक 16 तक पहुंच जाएंगे। इससे भी उसे प्लेऑफ्स में जगह मिल सकती है पर उसे नेट रन रेट बेहतर बनाये रखना होगा।

वहीं अगर दिल्ली कैपिटल्स अपने बाकी बचे 6 मैचों में से दो या उससे अधिक मुकाबले गंवा देती है, तो उसके लिए प्लेऑफ्स में पहुंचना लगभग असंभव हो जाएगा। इसका कारण ये है कि 14 या उससे कम अंकों वाली टीमों को आमतौर पर प्लेऑफ्स में जगह नहीं मिलती है। इस स्थिति में नेट रन रेट भी देखा जाता है जो दिल्ली के लिए काफी खराब चल रहा है। अभी 6 अंक होने लेकिन नेट रन रेट बेहतर होने के कारण चेन्नई सुपर किंग्स अंक तालिका में छठे स्थान पर है, वहीं दिल्ली खराब नेट रन रेट के कारण सातवें स्थान पर है। ऐसे में, दो या अधिक हार दिल्ली से दिल्ली नेट रन रेट के कारण प्लेऑफ के लिए दूसरी टीमों पर निर्भर हो जाएगी।

आईपीएल 2026 : भुवनेश्वर कुमार का पर्पल कैप पर कब्जा, ऑरेंज कैप की रेस हुई दिलचस्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स (DC) को उनके IPL 2026 घरेलू मुकाबले में 75 रन पर ऑलआउट कर दिया। गेंद के साथ RCB के शानदार प्रदर्शन के चलते पर्पल कैप लीडरबोर्ड में नया लीडर सामने आया। मैच में सिर्फ 152 रन बने, लेकिन फिर भी ऑरेंज कैप की रैंकिंग में भी बदलाव हुआ।

पर्पल कैप लीडरबोर्ड

भुवनेश्वर कुमार ने DC के खिलाफ 3-0-5-3 के आंकड़े दर्ज किए जिसमें उनके तीनों विकेट पावरप्ले में आए और RCB ने DC को 81 गेंद शेष रहते 9 विकेट से रौंद दिया। इसके साथ ही भुवनेश्वर अब पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं।

अंशुल कंबोज और इशान मलिंगा की तरह भुवनेश्वर के भी 14 विकेट हैं लेकिन उनका औसत 16.85, उन्हें कंबोज (16.92) और मलिंगा (18.21) से आगे ले गया। RCB के बाएं हाथ के स्पिनर क्रुणाल पांड्या ने DC के खिलाफ एक विकेट लेकर शीर्ष 10 विकेट लेने वालों की सूची में जगह बनाई। उनके अब 9 विकेट हैं, जो कि कार्तिक त्यागी, जेमी ओवर्टन और वैभव अरोड़ा के बराबर हैं, लेकिन उनका औसत (26.55), अन्य तीनों से बेहतर है।

जॉश हेजलवुड ने भी भुवनेश्वर का साथ देते हुए पावरप्ले में तीन विकेट झटके, जिससे डीसी का स्कोर IPL इतिहास के सबसे खराब पावरप्ले स्कोर 13/6 तक पहुंच गया। बाद में उन्होंने एक और विकेट लिया और 3.3-0-12-4 के आंकड़े के साथ मैच खत्म किया। उनके विकेटों की संख्या अब दोगुनी होकर आठ हो गई है और वह 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऑरेंज कैप

विराट कोहली ने दिल्ली में 76 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद 23 रन बनाए और IPL में 9000 रन पूरे किए। इस पारी के साथ वह ऑरेंज कैप की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए। उनके 351 रन हैं, जबकि औसत 58.50 का है। कोहली अब वैभव सूर्यवंशी से सिर्फ छह रन पीछे हैं, जबकि सूर्यवंशी, खुद केएल राहुल से केवल एक रन पीछे हैं।

डीसी के सलामी बल्लेबाज राहुल ने RCB के

खिलाफ सिर्फ एक रन बनाया, लेकिन इतना ही उन्हें सूर्यवंशी से आगे ले जाने और 358 रन के साथ दूसरे स्थान पर पहुंचाने के लिए काफी था। ऑरेंज कैप की रेस में अब भी सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा शीर्ष पर हैं, जिनके 380 रन हैं और उनका औसत 54.28 है।

भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की जरुरत नहीं, यह पहले से ही हिंदू राष्ट्र रहा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम में अपने विचार रखे

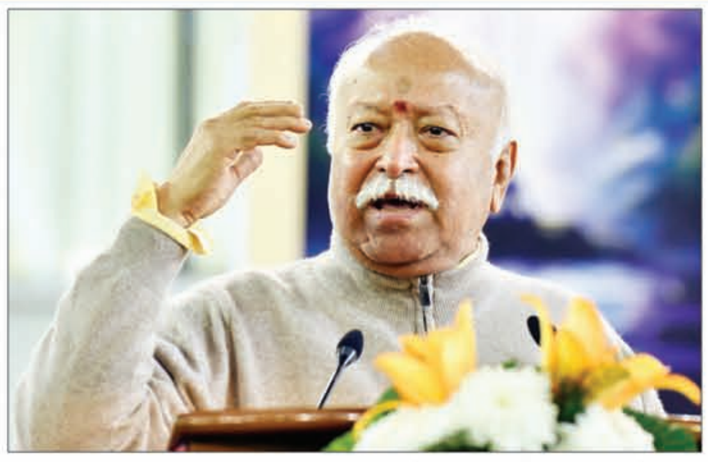

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत की सांस्कृतिक पहचान और राम मंदिर निर्माण को लेकर अहम विचार रखे। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में उन्होंने साफ किया कि भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की कोई औपचारिक जरुरत नहीं है, क्योंकि यह अपनी प्रकृति और आत्मा से सदैव एक हिंदू राष्ट्र ही रहा है।

आरएसएस की एक विज्ञप्ति के मुताबिक उन्होंने कहा कि मंदिर का निर्माण भगवान राम की इच्छा से हुआ। भागवत ने इसकी तुलना भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने से करते हुए कहा कि ऐसे कार्य तभी संभव होते हैं, जब सभी का योगदान हो। उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि जब पीएम मोदी के नेतृत्व में नई सरकार ने शपथ ली, तो लंदन के अखबार ने लिखा कि इस दिन भारत ने वास्तव में ब्रिटिश शासन को अलविदा कहा।

उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रतिबद्ध नेतृत्व के बिना राम मंदिर का निर्माण संभव था। भागवत ने यह भी कहा कि एक समय हिंदुस्तान को हिंदू राष्ट्र कहना उपहास का विषय हुआ करता था। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान एक हिंदू राष्ट्र है। राम मंदिर बनने तक लोग इस दावे पर हंसते थे। आज वही लोग कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदुओं की भूमि है। उन्होंने कहा कि कई लोग आरएसएस से भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने को कहते हैं, लेकिन हम कहते हैं कि जो बात पहले से ही सच है उसे घोषित करने की कोई जरुरत नहीं है।

मोहन भागवत ने समाज की बदलती मानसिकता पर भी प्रहार किया। उन्होंने याद दिलाया कि उपहास से स्वीकृति तक एक समय था जब भारत को हिंदू राष्ट्र कहना मजाक समझा जाता था। राम मंदिर के निर्माण से पहले लोग इस दावे पर हंसते थे। आज वही लोग स्वीकार करते हैं कि हिंदुस्तान हिंदुओं की भूमि है। संघ प्रमुख ने उन मांगों का जवाब दिया जो भारत को आधिकारिक तौर पर हिंदू राष्ट्र घोषित करने की बात करते हैं। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि जो बात पहले से ही सच है, उसे बार-बार घोषित करने की क्या जरुरत है? यह कार्यक्रम उन शिल्पकारों और मार्गदर्शकों के सम्मान में था, जिन्होंने मंदिर निर्माण में अपनी भूमिका निभाई। भागवत का यह संबोधन न केवल मंदिर निर्माण की सफलता का उत्सव था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक जड़ों और उसके स्व को पहचानने का एक आह्वान भी था। उनके मुताबिक मंदिर का अस्तित्व भारत के स्वाभिमान और उसकी प्राचीन पहचान के पुनरुत्थान का प्रतीक है।

चलती बस में अचानक लगी आग, दो यात्रियों की मौत, कई झुलसे

-बवानीखेड़ा से हांसी जा रही थी बस, टायर फटने से हुआ हादसा

बवानीखेड़ा (एजेंसी)। हरियाणा के बवानीखेड़ा क्षेत्र में सवारियों से भरी एक प्राइवेट बस में अचानक आग लग गई जिसमें दो यात्रियों की मौत हो गई और कई यात्री झुलस गए। बस बवानीखेड़ा से हांसी जा रही थी और गांव मिल्कपुर के पास हादसे का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि बस में करीब 20 यात्री सवार थे। अचानक लगी आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे बस जलकर पूरी राख हो गई। मीडिया रिपोर्ट में शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हादसे में दो लोगों की मौत की सूचना है, जबकि आधा दर्जन के करीब लोग घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक दो घायलों का इलाज हांसी के नागरिक अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस और प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गई। शुरूआती जांच में सामने आया है कि बस का टायर फटने के बाद वह डीजल टंकी से टकरा गया, जिससे आग लग गई। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच अभी चल रही है। बवानीखेड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सोनम रघुवंशी को शिलांग की अदालत से मिली जमानत

शिलांग (एजेंसी)। राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को शिलांग की अदालत से जमानत मिल गई है। यह वहीं मामला है, जिसने इंदौर से लेकर मेघालय तक और पूरे देश में काफी सनसनी फैला दी थी।

मामले की शुरुआत एक नवविवाहित जोड़े से जुड़ी दुखद घटना से हुई थी। इंदौर निवासी राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई 2025 को हुई थी। शादी के कुछ ही दिनों बाद, 21 मई को दोनों हनीमून के लिए शिलांग गए थे। शुरुआत में यह यात्रा सामान्य लग रही थी, लेकिन 23 मई के बाद दोनों के लापता होने की खबर सामने आई, जिससे परिवार और प्रशासन में चिंता फैल गई। करीब 10 दिन की खोजबीन के बाद पुलिस को 2 जून 2025 को शिलांग की गहरी घाटी से राजा रघुवंशी का शव मिला। शव करीब 30 फीट गहरी खाई में मिला और उस पर धारदार हथियार के निशान मिले, जिससे यह साफ हुआ कि मामला दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या का है।

नितेश राणे को एक महीने की जेल की सजा, मामले के समय राणे कांग्रेस में थे , इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने का मामला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे को सिंधुदुर्ग कोर्ट ने इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने के मामले में एक महीने की जेल की सजा सुनाई। सिंधुदुर्ग कोर्ट ने कहा कि जनप्रतिनिधि (सांसद, विधायक या पार्षद) कानून अपने हाथ में नहीं ले सकते। हालांकि, बाद में सजा पर रोक लगाकर उन्हें हाईकोर्ट में अपील करने का समय दिया है। इस मामले में बाकी 29 आरोपियों को बरी किया गया। यह मामला 4 जुलाई 2019 का है। उन्होंने एनएचएई के सब-डिविजनल इंजीनियर प्रकाश शेडेकर को मुंबई-गोवा हाईवे चौड़ीकरण के काम का निरीक्षण करने के लिए बुलाया था। सड़क की खराब हालत और जलभराव को लेकर मंत्री राणे नाराज हो गए। इसके बाद मंत्री राणे और उनके समर्थकों ने इंजीनियर पर कीचड़ डाल दिया। उन्हें कीचड़ भरे पानी में चलने के लिए मजबूर किया। तब नितेश राणे कांग्रेस में थे। अभी वह भाजपा में हैं और महाराष्ट्र सरकार में मत्स्य पालन और बंदरगाह मंत्री हैं।

राहुल गांधी नागरिकता मामले में अब जस्टिस मनीष माथुर करेंगे सुनवाई

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में अब न्यायमूर्ति मनीष माथुर की एकल पीठ सुनवाई करेगी। मंगलवार को यह मामला न्यायमूर्ति मनीष माथुर के समक्ष सूचीबद्ध हुआ। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता

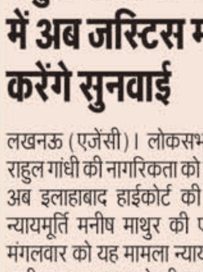

एस. विग्नेश शिशिर ने कोर्ट से मामले में आवश्यक दस्तावेज दाखिल करने के लिए समय मांगा। अदालत ने याची के इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई के लिए सात मई की तारीख तय की है। कर्नाटक में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी पर भारत के साथ-साथ ब्रिटिश नागरिकता लेने का आरोप लगाते हुए एफ आई आर दर्ज करने की मांग की है। पहले, उनकी याचिका लखनऊ की एमपी-एमएलए अदालत से खारिज हुई थी। इसके खिलाफ हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के पास उन्होंने मौजूदा याचिका दाखिल की थी। इसी 17 अप्रैल को मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने खुली अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करने और मामले की जांच कराने का मौखिक आदेश राज्य सरकार को दिया था। अगले ही दिन आए आदेश में अपना फैसला बदलते हुए उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी को नोटिस जारी किए बिना फैसला करना उचित नहीं है। इसके बाद याचिकाकर्ता ने इसको लेकर कुछ पोस्ट सोशल मीडिया पर डाले थे। हालांकि, उन्होंने अपने पोस्ट में जज का जिक्र नहीं किया था। इसके बाद नाराज होकर 20 अप्रैल को जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने इस केस से खुद को अलग कर लिया था। याची शिशिर ने बताया कि इसी मामले से संबंधित एक अन्य याचिका भी उन्होंने हाईकोर्ट में दाखिल की है, जिसपर अगले सप्ताह सुनवाई की संभावना है।

दाऊद का करीबी ड्रग माफिया सलीम डोला तुर्की से भारत लाया गया, खुफिया एजेंसियां करेंगी पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के बेहद करीबी और कुख्यात ड्रग माफिया सलीम डोला को तुर्की से भारत डिपोर्ट कर दिया गया है। आज सुबह एक विशेष विमान के जरिए उसे दिल्ली के टेक्निकल एयरपोर्ट लाया गया, जहां अब भारतीय खुफिया एजेंसियां उससे पूछताछ करेंगी। सलीम डोला को हाल ही में तुर्की के इस्तांबुल में वहां की सुरक्षा एजेंसियों ने पकड़ा था। वह दुबई और तुर्की जैसे देशों में छिपकर भारतीय युवाओं तक ड्रग्स पहुंचाने का एक बड़ा सिंडिकेट चला रहा था। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर एक बड़ा ऑपरेशन चलाया, जिसके बाद डोला को भारत लाने का रास्ता साफ हुआ। दिल्ली में पूछताछ पूरी होने के बाद उसे मुंबई पुलिस या नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को सौंप दिया जाएगा। डोला के तार सीधे तौर पर दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क से जुड़े हैं। वह

भारत में ड्रग्स सप्लाई का एक बड़ा चैनल संभाल रहा था और उसे वैश्विक सिंथेटिक ड्रग नेटवर्क में एक बड़ा खिलाड़ी माना जाता है। जानकारी के मुताबिक, उसका ड्रग सिंडिकेट सालाना 5,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का काला कारोबार कर रहा था। भारत के कई हिस्सों में डोला की अवैध ड्रग फैक्ट्रियां और लैब पहले ही पकड़ी जा चुकी हैं। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी था और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने उस पर 1 लाख रुपये का इनाम भी रखा था। सलीम डोला पहले मुंबई और फिर दुबई से अपना पूरा नेटवर्क चला रहा था। भारतीय एजेंसियां पिछले साल से ही उसके करीबियों पर कार्रवाई कर रही हैं। अक्टूबर 2025 में डोला के करीबी मोहम्मद सलीम सोहेल शेख को दुबई से भारत लाया गया था। नवंबर 2025 में डोला के बेटे ताहिर डोला समेत परिवार के चार सदस्यों को भी दुबई से लाकर गिरफ्तार किया गया था। इस गिरफ्तारी को ड्रग नेटवर्क पर एक बड़ी चोट माना जा रहा है।

'मोदी की गारंटी' पर आतिशी ने उठाया सवाल, दिल्ली की महिलाओं को 2500 रुपये नहीं मिले

-दिल्ली में सरकार बने एक साल से ज्यादा समय हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राजनीति में फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरु हो गया है। आप नेता और पूर्व सीएम आतिशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर महिलाओं से किए गए वादों को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने ÷मोदी की गारंटी÷ पर सवाल उठाकर पूछा कि दिल्ली की महिलाओं को वादा किए गए अब तक क्यों नहीं मिले।

आप नेता आतिशी ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यह घोषणा की थी कि 8 मार्च 2025, यानी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर, दिल्ली की हर महिला के खाते में 2500 रुपये भेज दिए जाएंगे। अपने इस वादे को भाजपा ने बड़े स्तर पर प्रचारित भी किया था। लेकिन आतिशी के अनुसार, अब 8 मार्च 2026 भी बीत चुका है और महिलाओं को कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली। उन्होंने मोदी की गारंटी को ÷झूठा वादा÷ बताकर कहा कि यह दिल्ली की महिलाओं के साथ सीधा धोखा है। आतिशी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अन्य राज्यों, खासकर पश्चिम बंगाल में जाकर महिलाओं के लिए नई योजनाओं और आर्थिक सहायता के वादे कर रही हैं, जबकि दिल्ली की महिलाओं को अभी तक कोई लाभ नहीं मिला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिल्ली में ही वादे पूरे नहीं हो रहे, तब अन्य राज्यों में किए जा रहे वादों पर कैसे भरोसा किया जाए। इसके अलावा, आतिशी ने महिलाओं से जुड़ी सुविधाओं में कटौती का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि पहले महिलाएं डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा करती थीं, लेकिन अब उन्हें 'पिंक कार्ड' बनवाने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है। उन्होंने दावा किया कि 100 से 150 मोहल्ला क्लीनिक बंद किए गए हैं, जिससे खासकर महिलाओं और गरीब वर्ग को मुफ्त इलाज और दवाओं के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने के मुद्दे पर भी आतिशी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने राज्यसभा सचिवालय की अधिसूचना को असंवैधानिक बताकर कहा कि यह दलबदल विरोधी कानून का उल्लंघन है। उनके अनुसार, संविधान और सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट प्रावधानों के बावजूद इस तरह का विलय स्वीकार्य नहीं है। आतिशी ने अंत में भाजपा पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जाना सही नहीं है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित कर कहा कि इतिहास गवाह है-अत्याचार और अन्याय लंबे समय तक नहीं टिकते, और अंततः उनका पतन निश्चित होता है।

आप के 7 सांसदों का एनडीए में स्वागत, टुकड़े-टुकड़े इंडिया ब्लॉक को अलविदा

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा

नई दिल्ली(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के आप छोड़ने और बीजेपी में शामिल होने को लेकर विपक्षी दल कदम की आलोचना कर रहे हैं। वहीं बीजेपी और उसके सहयोगी दल उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। इस कड़ी में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बीजेपी में आने वाले सांसदों का स्वागत किया है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने आप से बीजेपी में शामिल हुए 7 राज्यसभा सदस्यों का स्वागत किया। रिजिजू ने कहा कि उन सांसदों ने सदन ने न कभी अपशब्दों का प्रयोग किया न अनुशासनहीनता की। यह घटना तब हुई, जब राज्यसभा ने सोमवार को पार्टी पदों की एक नई सूची जारी की, क्योंकि आप के सात सदस्यों ने पार्टी से अलग होकर भाजपा में शामिल की घोषणा की थी।

इस बदलाव से सदन में बीजेपी का प्रतिनिधित्व 107 से बढ़कर 113 हो गया, जबकि आप का प्रतिनिधित्व घटकर तीन बचा। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने पोस्ट कर लिखा कि राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने 7 आप सांसदों के बीजेपी में आना स्वीकार किया है। अब, राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी भाजपा संसदीय दल के सदस्य हैं।

संसद में इन सभी सांसदों के आचरण की प्रशंसा कर केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैंने लंबे समय से देखा है कि इन 7 सांसदों ने कभी अपशब्दों का प्रयोग नहीं किया है और न ही कभी किसी प्रकार की अनुशासनहीनता या असंसदीय आचरण का प्रदर्शन किया है। एनडीए में आपका स्वागत है और टुकड़े-टुकड़े इंडिया ब्लॉक को अलविदा।

क्या कहता है दल बदल कानून

संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार, इस 1985 में 52वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था, सदस्य दल-बदल नहीं कर सकते, हालांकि, विलय के लिए अपवाद है। यदि किसी पार्टी के दो-तिहाई निर्वाचित सदस्य किसी अन्य पार्टी में विलय करने के लिए सहमत होते हैं, तब वे अयोग्य नहीं ठहराए जाते, न ही वे सदस्य अयोग्य ठहराए जाते हैं जो मूल पार्टी में बने रहने का विकल्प चुनते हैं।

नई दिल्ली में बीजेपी में शामिल हुई आप सांसाद स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में मंगलवार को एक राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला। जहां आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हो गई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली में भाजपा नेताओं की मौजूदगी में उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इस मौके पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भी मौजूद रहे। बताया गया कि स्वाति मालीवाल ने सदस्यता ग्रहण करने के बाद कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुई हैं। अपने बयान में उन्होंने यह दावा किया कि जब वे दिल्ली महिला आयोग में कार्यरत थीं, तब उन्होंने निष्पक्ष तरीके से काम किया और उस दौरान उन्हें विभिन्न स्तरों पर सहयोग भी मिला। उन्होंने भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त कर कहा कि यह उनके लिए भावनात्मक और महत्वपूर्ण दिन है।

शंभू-हरियाणा बॉर्डर के पास रेलवे ट्रैक पर धमाके की नाकाम कोशिश, टीमें जांच में जुटी

धमाके की कोशिश में शामिल व्यक्ति की मौत, ट्रैक पर मिला शव

पटियाला (एजेंसी)। पटियाला में शंभू-हरियाणा बॉर्डर के पास रेलवे ट्रैक पर कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखे जाने के बाद धमाका करने की नापाक कोशिश की गई। पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर इलाके का मुआयना किया। पटियाला के एसएसपी ने बताया कि सोमवार रात पटियाला पुलिस को शंभू-हरियाणा सीमा के पास रेलवे ट्रैक धमाका होने की आशंका सूचना मिली थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच से पता चला कि वास्तव में एक बड़ा धमाका करने की एक कोशिश थी। इस कोशिश में शामिल व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और उसका शव बरामद हुआ है, जिस शख्स ने धमाका करने की कोशिश की, उसने निहंग सिंह का वेश धारण किया हुआ था। उसकी पहचान जगरूप सिंह के रूप में हुई है जो तरन तारन के पंजवार खुराद गांव का रहने वाला था। फॉरेंसिक की एक टीम धमाके वाली जगह से नमूने जमा कर रही है ताकि इस्तेमाल किए गए विस्फोटक की पहचान की जा सके। पुलिस हर पहलू से मामले की पड़ताल कर रही है।

एसएसपी ने बताया कि किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है। मौके पर सिम कार्ड समेत जो भी साइंटिफिक एविडेंस मिला, उसको बरामद करके टेक्निकल इन्वेस्टिगेशन को सौंप दिया है। उन्होंने बताया कि जल्द ही पूरे षड़यंत्र का पर्दाफाश किया जाएगा। जीआरपी, आरपीएफ जांच में जुटी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- मैं उस गंभीर इंटेलिजेंस विफलता की कड़ी निंदा करता हूं, जिसके कारण सोमवार रात शंभू के पास दिल्ली-राजपुरा रेलवे ट्रैक पर एक कायरतापूर्ण ब्लास्ट की कोशिश हुई। यह साफ है कि कई दिन पहले एक खतरे की जानकारी मिलने के बावजूद, कोई भी एहतियाती कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने लिखा कि यह घटना पुलिस थानों और चौकियों पर कई धमाकों और यहां तक कि स्टेट इंटेलिजेंस हेडक्वार्टर पर आरपीजी हमले के बाद हुई है।

उन्होंने लिखा कि पंजाब के सीएम भगवंत मान, जो गृह मंत्री भी हैं, उन्हें अपनी गहरी नींद से जागना चाहिए और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित करने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए। उनका यह लापरवाही रवैया पंजाब को फिर से उस पुराने अंधेरे दौर में धकेल रहा है, जो बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। बता दें इससे पहले इसी साल जनवरी में भी ऐसा ही धमाका हुआ था। फतेहगढ़ साहिब जिले के सरहिंद में फ्रेट कॉरिडोर के ट्रैक पर विस्फोट हुआ था। इस हादसे में एक ट्रेन का इंजन क्षतिग्रस्त हो गया था और एक लोको पायलट घायल हुआ था।

जयपुर में तेज आंधी से हवाई यातायात हुआ अस्त-व्यस्त, कई उड़ानें डायवर्ट और यात्री घंटों परेशान

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बीती रात मौसम के अचानक बदले मिजाज ने हवाई यातायात को पूरी तरह पटरी से उतार दिया। शहर में आई भीषण आंधी और धूल के गुबार के कारण दृश्यता (विजिबिलिटी) इस कदर गिर गई कि जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमानों की सुरक्षित लैंडिंग कराना असंभव हो गया। इस प्राकृतिक व्यवधान के कारण तीन प्रमुख उड़ानों को दूसरे शहरों की ओर मोड़ना पड़ा, जबकि कई अन्य विमान ईंधन और सुरक्षा की चिंता के बीच घंटों आसमान में चक्कर काटते रहे।

रात के समय आई तेज आंधी के कारण पायलटों को रनवे देखने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने लैंडिंग की अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसके परिणामस्वरूप, इंदौर से जयपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई-7745) को वापस इंदौर भेज दिया गया। वहीं, मुंबई से जयपुर आ रही एयर इंडिया

एक्सप्रेस और अहमदाबाद से जयपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई-7131) को दिल्ली एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया। इन उड़ानों के डायवर्ट होने से यात्रियों को भारी मानसिक और शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ी, क्योंकि वे अपने गंतव्य के बजाय दूसरे शहरों में फंस गए।

जो विमान डायवर्ट नहीं हुए, उनके यात्रियों की भी सांसें अटकी रहीं। मुंबई से आई एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई-413) करीब एक घंटे तक और गुवाहाटी से आ रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई-749) करीब पौने घंटे तक जयपुर के आसमान में चक्कर काटती रहीं। ईंधन की सीमित मात्रा और खराब मौसम के बीच पायलट लगातार एटीसी के संपर्क में रहे और मौसम साफ होने का इंतजार करते रहे। इस अनिश्चितता के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में 3 से 5 घंटे की अतिरिक्त देरी का सामना करना पड़ा। एयरपोर्ट परिसर में भी परिजनों का इंतजार लंबा होता गया, जिससे तनाव की स्थिति बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार, अचानक आए पश्चिमी विक्षोभ के कारण हवा की गति 40 से 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच गई थी, जिसने रनवे पर दृश्यता को न्यूनतम स्तर पर पहुंचा दिया। एयरपोर्ट प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर ही लैंडिंग के बजाय डायवर्जन का कठिन निर्णय लिया गया। इस घटना ने एक बार फिर प्री-मानसून सीजन में हवाई यात्रा की चुनौतियों को उजागर कर दिया है। फिलहाल जयपुर एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य हो गया है, लेकिन अधिकारियों ने यात्रियों को अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करके ही घर से निकलने की सलाह दी है।

भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य शक्ति बना, रक्षा बजट में भारी वृद्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 में वैश्विक रक्षा समीकरणों में भारत ने अपनी स्थिति और मजबूत की है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब दुनिया भर में अपनी सेनाओं पर सबसे ज्यादा खर्च करने वाले देशों की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। पिछले वर्ष दुनिया के कुल सैन्य खर्च में भारत की हिस्सेदारी 3.2 प्रतिशत दर्ज की गई है। बता दें कि भविष्य की चुनौतियों और ऑपरेशन सिंदूर के अनुभवों को देखते हुए, भारत सरकार ने 2026-27 के केंद्रीय बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसमें 2.19 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत परिव्यय शामिल है, जिसका उपयोग नए लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां, मिसाइलें और ड्रोन सिस्टम खरीदने के लिए किया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी इस सूची में क्रमशः पहले चार स्थानों पर काबिज हैं। 2025 में भारत का कुल सैन्य खर्च 92.1 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.9 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर था। इस अभियान के दौरान सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार रखने हेतु आपातकालीन आधार पर हथियारों और साजो-सामान की बड़े पैमाने पर खरीद की गई थी।

पड़ोसी देशों की बात करें तो चीन 336 अरब डॉलर के रक्षा बजट के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, आर्थिक संकटों से जूझ रहा पाकिस्तान 11.9 अरब डॉलर के खर्च के साथ वैश्विक सूची में 31वें स्थान पर है। वैश्विक स्तर पर कुल सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जिसमें अकेले अमेरिका, चीन और रूस की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत है। यूरोप में भी रूस-यूक्रेन युद्ध और नाटो देशों की सक्रियता के चलते सैन्य खर्च में 14 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई है।

भारत अपनी रक्षा रणनीति में अब बदलाव ला रहा है। यद्यपि भारत अभी भी सैन्य हार्डवेयर का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आयातक बना हुआ है, लेकिन रूस पर इसकी निर्भरता कम हो रही है। सिपरी के आंकड़ों के अनुसार, 2011-15 में भारत के कुल आयात में रूस की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 40 प्रतिशत रह गई है। भारत अब फ्रांस, इजरायल और अमेरिका जैसे देशों से आधुनिक तकनीक हासिल कर रहा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**